रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 03 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 55

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दो राज्यों का जनादेश

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	39.9	29.8
जमशेदपुर	38.9	23.0
डालटनगंज	41.1	29.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

विधानसभा चुनाव — अरुणाचल में भाजपा की जोरदार वापसी, सिक्किम में एसकेएम को प्रचंड बहुमत

अरुणाचल ▸ सीटें 60, भाजपा जीती 46

सिक्किम ▸ सीटें 32, एसकेएम ने जीती 31

एजेंसी। नयी दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को वोटों की गिनती की गई. 60 विस सीटों वाले अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने 46 सीटें जीत कर भारी बहुमत हासिल किया है. एनपीईपी को 5, तो कांग्रेस को केवल एक सीट मिली. वहीं, 32 सीटों वाली सिक्किम विधानसभा में सत्तारूढ़ एसकेएम (सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा) क्लीन स्वीप से केवल 1 सीट दूर रह गया. उसको 31 सीटों पर जीत मिलीं. मुख्य विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट केवल एक सीट पर जीत सकी. भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया भी चुनाव हार गए और सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग अपनी दोनों सीटों पर चुनाव हार गए.

दोनों राज्यों में तस्वीर साफ होने के बाद सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग और अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू ने राज्यपाल से मुलाकात कर राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है. उधर, अरुणाचल और सिक्किम में विजेता दलों के कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं. दोनों ही राज्यों में 19 अप्रैल को वोट हुआ था. सिक्किम में कुल 79.88% मतदान हुआ था, जबकि अरुणाचल प्रदेश में 82.95% वोट डाले गए थे. सिक्किम में सत्तारूढ़ प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व वाले एसकेएम और पवन कुमार चामलिंग के एसडीएफ के बीच मुख्य मुकाबला था. भाजपा और कांग्रेस ने भी सिक्किम में अपने उम्मीदवार उतारे थे. लेकिन दोनों का खाता नहीं खुला. 2019 में तमांग के एसकेएम ने 17 सीटें जीतीं, जबकि एसडीएफ ने 15 सीटें हासिल कीं थीं. 60 सीटों वाली अरुणाचल विस में मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच था. भाजपा ने 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली थीं. जिन 50 सीट पर मतदान हुआ, उनमें से भाजपा ने 36 सीट पर जीत दर्ज की और मुख्यमंत्री पेमा खांडू निर्विरोध जीतने वाले 10 उम्मीदवारों में से एक हैं.

दलगत स्थिति

अरुणाचल प्रदेश-60	
भाजपा	46
एनपीपी	05
कांग्रेस	01
राकांपा	03
पीपीए	02
निर्दलीय	03

अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू.

पीएम मोदी ने दी अरुणाचल के लोगों को बधाई

पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा की जीत पर राज्य के लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अरुणाचल प्रदेश! इस अद्भुत राज्य की जनता ने विकास की राजनीति को स्पष्ट जनादेश दिया है. अरुणाचल में भाजपा पर एक बार फिर अपना विश्वास जताने के लिए उन्हें मेरा आभार. हमारी पार्टी राज्य के विकास के लिए और भी अधिक उमंग के साथ काम करेगी.

सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग.

दलगत स्थिति

सिक्किम	32
एसकेएम	31
एसडीएफ	01
भाजपा	00
कांग्रेस	00
अन्य	00

- **दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिले, पेश किया सरकार बनाने का दावा**

जनता के भरोसे से मिली भारी जीत : सीएम तमांग

गंगटोक में सिक्किम के सीएम एवं सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग ने राज्य विधानसभा चुनाव में रविवार को पार्टी की शानदार जीत का श्रेय एसकेएम कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और उनकी सरकार के प्रति लोगों के भरोसे को दिया. एसकेएम रविवार को लगातार दूसरी बार सिक्किम में सत्ता में लौटी है. उन्होंने पलजोर स्टेडियम में एक सभा में कहा, यह लोगों के उस प्यार और विश्वास की वजह से है जिसे हम पिछले पांच साल सरकार में रहते हुए बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं. इसके अलावा, पार्टी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की. अब हम पांच साल और सिक्किम के लोगों के लिए अपना शत प्रतिशत दे सकते हैं. तमांग ने रहेनोक और सोरेंग-चाकुंग निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की. एसकेएम ने 2019 में 17 सीट जीती थीं और एसडीएफ को सत्ता से हटा दिया था, जो लगातार 25 साल तक राज्य में सत्ता में रही थी. सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग ने पोकलोक-कामरंग और नामचेयबुंग सीट से चुनाव लड़ा और उन्हें रविवार को दोनों ही सीट पर हार का सामना करना पड़ा. तमांग ने कहा, मैं विपक्ष को भी धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि उनकी वजह से ही हमारी पार्टी और मजबूत एवं संगठित हुई है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

यूपी में आए भूकंप के बड़े झटके, डरे लोग

लखनऊ। यूपी में फिर धरती हिली है. झारखंड से सटे सोनभद्र जिले में दोपहर में अचानक से घरों में पंखे हिलने लगे, तो लोगों में दहशत फैल गई. सभी घरों से बाहर निकल आए. पहले तो किसी को कुछ समझ ही नहीं आया. जानकारी के अनुसार सोनभद्र में दोपहर करीब 3.50 बजे अचानक से एक जोरदार झटका महसूस हुआ.

केरल में भारी बारिश ऑरेंज अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कारण केरल के विभिन्न हिस्सों में हो रही बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को राज्य के एर्नाकुलम जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया, जहां पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है.

दिल्ली में पारा 52.3 कोर्ट ने लिया संज्ञान

नयी दिल्ली। दिल्ली में हाल ही में तापमान बढ़ कर 52.3 डिग्री सेल्सियस हो जाने पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि वनों की कटाई के प्रति वर्तमान पीढ़ी रुख उदासीन बना रहा, तो राष्ट्रीय राजधानी एक बंजर रेगिस्तान बन जाएगी.

ममता ने भी एग्जिट पोल को नकारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी एग्जिट पोल को फर्जी बताया है. कहा कि एग्जिट पोल के अनुमान दो महीने पहले ही घर पर ही गढ़े गए थे. उन्होंने टीवी9 बांग्ला को बताया, हमने देखा कि 2016, 2019 और 2021 में एग्जिट पोल कैसे किए गए थे. कोई भी भविष्यवाणी सच नहीं हुई.

लोस चुनाव 2024 — कल आएगा जनादेश

लोकसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होने और एग्जिट पोल आ जाने के बाद रविवार का दिन राजनीतिक सरगर्मियों से भरा रहा. पीएम नरेंद्र मोदी ने एक दिन में सात अलग-अलग बैठकें करके अगली रणनीति पर चर्चा की. वहीं बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी दिल्ली पहुंच कर एनडीए के नेताओं के साथ चर्चा में मशगूल रहे. दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 21 दिन की अंतरिम जमानत अवधि पूरी होने के बाद रविवार को तिहाड़ जेल पहुंच कर सरेंडर कर दिया. उधर, कांग्रेस के नेताओं ने 4 जून को होनेवाली मतगणना से पहले बैठक करके अपनी रणनीति तय की. पार्टी के नेताओं ने शाम को निर्वाचन आयोग से मिल कर मतगणना से पहले अपने सुझाव दिये और निष्पक्षता एवं पारदर्शिता की मांग की. कुल मिला कर रविवार को दिल्ली से लेकर राज्यों की राजधानियों तक विपक्षी दलों के नेताओं मतगणना को लेकर अपनी-अपनी रणनीति बनाई और एग्जिट पोल से उठे बवंडर से अपने समर्थकों को सावधान किया. वहीं सत्तारूढ़ भाजपानीत एनडीए में भी सरगर्मी बढ़ी रही. मुलाकातों का दौर देर रात तक चलता रहा.

राजनीतिक हलचल: सत्ता पक्ष-विपक्ष में बैठकों का दौर, बनी अगली रणनीति

295 सीटें जीत रहे: राहुल

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव के एग्जिट पोल पर अपना रिएक्शन दिया है. उन्होंने इसे मोदी मीडिया का पोल बताया. इतना ही नहीं राहुल गांधी ने एग्जिट पोल के सवाल पर कहा, आपने सिद्धू मूसेवाला का गाना सुना है? इंडिया गठबंधन की 295 सीटें आएंगी. इसका नाम एग्जिट पोल नहीं है. इसका नाम मोदी मीडिया पोल है. ये मोदी जी का पोल है. ये उनका फैंटेसी पोल है.

इससे पहले कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी प्रत्याशियों के साथ वर्चुअली बैठक की. इसमें आगे को रणनीति पर चर्चा हुई. खरगे ने प्रत्याशियों को काउंटिंग में एहतियात बरतने पर दिशा निर्देश दिए. बैठक में राहुल गांधी ने कहा, एग्जिट पोल आपका हौसला गिराने के लिए है. बराबरी का मुकाबला है और कई सीटों पर नजदीकी लड़ाई है. आखिरी वोट की गिनती तक अडिग रहना है. बैठक में खरगे के अलावा राहुल गांधी, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे,

चुनाव आयोग से मिले इंडिया गठबंधन के नेता : इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में चुनाव आयोग से मुलाकात किया. इस दौरान विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग के सामने तीन मांगे रखीं. इसके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार वीवीपैट में पर्ची का मिलान हो. पोस्टल बैलेट की काउंटिंग पहले हो और हर राउंड के बाद प्रत्याशियों को डाटा बताया जाए, सबकी संतुष्टि के बाद ही अगले राउंड की काउंटिंग शुरू की जाए.

- राहुल ने एग्जिट पोल को कहा मोदी मीडिया पोल, कहा-सिद्धू सिद्धू मूसेवाला का गाना सुनो
- खरगे ने प्रत्याशियों के साथ की वर्चुअल बैठक, काउंटिंग में एहतियात बरतने का निर्देश

दावे का विवरण दे कांग्रेस

चुनाव आयोग ने रविवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश से उस दावे को लेकर तथ्यात्मक विवरण मांगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि मतगणना से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने 150 डीएम और कलेक्टरों से फोन करके बात की. रमेश को भेजे गए पत्र में आयोग ने कहा है कि वह अपने दावों को साबित करें. आयोग ने एक्स पर रमेश के पोस्ट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि गृह मंत्री डीएम/कलेक्टरों को फोन कर रहे हैं. अब तक उन्होंने इनमें से 150 से बात की है. यह निर्लज्ज धमकी है, जो दिखाती है कि भाजपा कितनी हताश है. चार जून को मोदी, शाह और भाजपा बेदखल हो जाएंगे. इंडिया जनबंधन की जीत होगी.

एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक खेल

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एग्जिट पोल के नतीजों को मनोवैज्ञानिक खेल करार देते हुए कहा, हम जानते हैं कि पीएम को 4 जून को जाना होगा. रमेश ने कहा कि एग्जिट पोल से माहौल बनाया जा रहा कि कांग्रेस जा रही है, इंडिया ब्लॉक हार गया है. यह मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा रहा है. हम इसका विरोध करेंगे.

एग्जिट पोल कॉरपोरेट का खेल

उधर, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एग्जिट पोल को कॉरपोरेट खेल और फर्जीवाड़ा करार दिया है और दावा किया कि इसे जारी करने वाली मीडिया कंपनियों पर दबाव था. संजय राउत ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 543 सदस्यीय सदन में 295 से 310 सीट जीतेगा और सरकार बनाएगा. उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी गठबंधन कुल 48 में से 35 से अधिक सीट जीतेगा.

एग्जिट पोल से दे रहे जनमत को धोखा

अखिलेश यादव ने एग्जिट पोल को भाजपाई एग्जिट पोल करार देते हुए कहा कि घपले की गुंजाइश बनाने के लिए की गई ऐसी कवायद से जनमत को धोखा दिया जा रहा है. एग्जिट पोल का क्रम समझिए- विपक्ष ने पहले ही बताया था कि गोदी मीडिया भाजपा को 300 पार दिखाएगा. प्रशासन याद रखे कि जनशक्ति से बड़ा बल कोई नहीं होता.

एक्शन मोड में पीएम मोदी

एक दिन में की सात बैठकें

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में वोटिंग का दौर खत्म होते ही पीएम नरेंद्र मोदी फुल एक्शन मोड में आ गये हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम ने एक दिन में सात बैठकें कीं. ये बैठकें रविवार को हुईं, जिसमें उन्होंने नयी सरकार के 100 दिन के एजेंडे पर चर्चा की. इसके अलावा चक्रवात के हालात, हीटवेव की स्थिति, पर्यावरण दिवस समेत कई मुद्दों पर भी लंबी बैठकें कीं. मोदी ने देश के कई हिस्सों में रेमल चक्रवात से प्रभावित इलाकों की समीक्षा की. पूर्वोत्तर में चक्रवात की स्थिति को लेकर चर्चा की, इसके साथ ही हीटवेव की स्थिति पर भी प्रधानमंत्री ने समीक्षा बैठक की. इसके बाद पीएम मोदी बैक टू बैक बैठक में पर्यावरण दिवस की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की. इसके अलावा नई सरकार के 100 दिन के रोड मैप पर भी चर्चा की और कई निर्देश दिये. -पेज 12 भी देखें

नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचे

भाजपा नेताओं से मिले

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली दौरे पर पहुंचे. नीतीश ने भाजपा व राजग के अन्य नेताओं से मुलाकात की. पिछले डेढ़ माह से सीएम नीतीश चुनाव प्रचार में लगे हुए थे. इस दौरान उनकी तबीयत भी बिगड़ गयी थी. सोमवार को नीतीश दिल्ली से वापस लौटेंगे. बता दें बिहार के एग्जिट पोल में एनडीए में शामिल भाजपा, जदयू, लोजपा के भारी जीत का अनुमान है. राजद, कांग्रेस और वाम दलों के महागठबंधन को 10 सीटें मिलती दिख रही हैं. सूत्रों ने बताया कि वित्त आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल 10 जून को पटना आ सकता है और उसके साथ बिहार सरकार की राज्य के लिए विशेष दर्जा और विशेष पैकेज की मांग पर चर्चा हो सकती है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा बिहार के लिए केंद्रीय कोष में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग पर भी चर्चा हो सकती है.

केजरीवाल ने किया सरेंडर, लौटे तिहाड़ जेल

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को तिहाड़ जेल जाकर सरेंडर कर दिया. इससे पहले कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया. सीएम ने कहा कि उन्हें फर्जी केस में फंसा कर जेल में डाला गया है. मान लिया मैं अनुभवी चोर हूं, तुम्हारे पास सबूत तो नहीं है. बिना रिकवरी के जेल में डाल दिया गया. यही तो तानाशाही है. जिसको मन करेगा,जेल में डाल दिया जाएगा. ये तानाशाही अपने देश को बर्दाश्त नहीं है. मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं. हम भगत सिंह के चेले हैं. केजरीवाल ने राजघाट जाकर बापू की समाधि पर नमन किया. फिर हनुमान मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की.

मेरे शरीर का एक-एक कतरा देश के लिए है : सीएम ने कहा, इस बार जेल जा रहा हूं, तो पता नहीं ये लोग क्या करेंगे, मेरे साथ. मेरे शरीर का एक-एक कतरा देश के लिए है. मैं राजघाट गया. गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी, नमन किया.

एग्जिट पोल को लेकर उन्होंने कहा कि 4 तारीख को मंगलवार है. बजरंग बली हमारा भला करेंगे इनका नाश करेंगे. हमारी दुश्मनी किसी व्यक्ति विशेष से नहीं. लड़ाई तानाशाही के खिलाफ है. मैं प्रार्थना करने गया था कि बजरंगबली देश को बचाएंगे. सारे एग्जिट पोल फर्जी हैं. मेरे से लिखवा कर ले लो, सारे एग्जिट पोल फर्जी हैं.

आज से वाहन मालिकों की जेबें होंगी ढीली

टोल टैक्स में 10 से 125 रुपये तक की वृद्धि

रवि भारती। रांची

तीन जून यानी सोमवार से वाहन मालिकों की जेबें ढीली होंगी. टोल टैक्स में न्यूनतम 10 रुपए से अधिकतम 125 रुपए तक की वृद्धि की गई है. एनएचएआई ने चुनाव समाप्त होते ही टोल दरों में बढ़ोतरी कर दी है. इसकी आम सूचना भी जारी कर दी गयी है. झारखंड में 16 टोल प्लाजा में बढ़ी हुई दर तीन जून से प्रभावी हो जाएगी.

पुंदाग टोल प्लाजा

- कार, जीप, वैन, हल्के वाहन के सिंगल यात्रा पर 125 रुपये लगेंगे, उसी दिन वापस लौटने पर 190 रुपये लगेंगे
- **पूरे महीने में 50 सिंगल यात्रा करने पर 4205 रुपये चुकाने होंगे.**
- सिंगल यात्रा करने वाले व्यावसायिक वाहन के उसी जिले में प्रतिदिन 65 रुपये तक लिए जाएंगे.
- **हल्के कर्मिशियल व मध्यम वाहनों के लिए सिंगल यात्रा में 205 रुपये, उसी दिन वापस लौटने पर 305 रुपये देने होंगे, सिंगल यात्रा पूरे माह के लिए 6790 रुपये चुकाने होंगे.**
- सिंगल यात्रा उसी दिन के लिए कार्मिशियल वाहन के लिए 100 रुपये, बस- ट्रक के लिए सिंगल जर्नी 425 रु, उसी दिन वापसी पर 640 रुपये चुकाने होंगे.
- **पूरे महीने सिंगल यात्रा के लिए 14,230 रुपये, सिंगल यात्रा उसी जिले में व्यावासायिक वाहन के लिए 235 रुपये देने होंगे.**

किस टोल प्लाजा में कितना टैक्स

मांडर टोल प्लाजा

- कार,जीप जैसे छोटे वाहन को सिंगल जर्नी पर 75 रुपये, उसी दिन वापस होने पर 115 रुपये देने होंगे. पूरे माह के लिए 2515 रुपये चुकाने होंगे.
- उसी दिन व्यवासायिक वाहन को 40 रुपये, हल्के व्यावासायिक वाहन को 120 रुपये, 185 रुपये, पूरे माह 4060 व व्यवासायिक वाहन के उसी जिले से उसी दिन लौटने पर 60 रुपये चुकाने होंगे.

एदलहातू टोल प्लाजा

- कार-जीप के लिए 120, 180, 3975, 60 रुपये, हल्के कार्मिशियल वाहन 195, 290 रुपये, पूरे माह के लिए 6420 रुपये, उसी दिन वापस लौटने वाले व्यावसायिक वाहन से 60 रुपये, बस-ट्रक से 405, 605, 13450, 200 रुपये, थर्ड एक्सल वाहन 440, 660, 14675, 220 रुपये लिए जायेंगे.

नगवा टोल प्लाजा

- नगवा टोल प्लाजा हजारीबाग एनएच 33 से कार-जीप से 70, 105, 2360 (मासिक), 35 रुपये लिए जायेंगे. हल्के व्यावसायिक वाहन से 115, 170, 3815 (मासिक), 55 रुपये, बस-ट्रक से 240, 360, 7990 (मासिक), 120 इसी तरह अन्य वाहनों से टोल की अधिक वसूली होगी.

पुपुंकी टोल प्लाजा

- बोकारो के पुपुंकी टोल प्लाजा एनएच 32 से कार-जीप 80,120, 2705 (मासिक) व 40 रुपये, हल्के व्यावसायिक वाहन से 130, 195, 4370 रुपये व 65 रुपये, बस-ट्रक से 275, 410, 9160 व 135 रुपये, एनएच 133 पर कार-जीप 35, 50, 1085 (मासिक) व 15 रुपये, हल्के व्यावसायिक वाहन से 55, 80, 1755 (मासिक), 25, बस-ट्रक से 110, 165, 3675 (मासिक) रुपये की वसूली होगी.

नवासारी टोल प्लाजा

- गिरिडीह के नवासारी टोल से कार-जीप में 25, 35, 785, 10, हल्के व्यावसायिक वाहन 35, 55, 1240 (मासिक), 20, बस-ट्रक 80, 115, 2585 (मासिक), 40, गिरिडीह के कुलगो टोल से कार-जीप 130, 190, 4285 (मासिक), 65, हल्के व्यावायायिक वाहन 205, 310, 6890 (मासिक),105 रुपये वसूले जाएंगे

पतराटोली टोल प्लाजा

- एनएच 23 इटकी रोड में पतराचोली टोल से कार-जीप 30 रुपये, 50 रुपये, 1070 (मासिक) व 15 रुपये हल्के व्यावसायिक वाहन से 50, 80, 1725 (मासिक) व 25, बस व ट्रक से 110, 165, 3615 (मासिक), 5 रुपये चुकाने होंगे.

कोलपार टोल प्लाजा

- एनएच 33 कोलपारा टोल से कार-जीप 110, 160, 3600 (मासिक), 55 रुपये लिए जायंगे.

आईएएस मनीष रंजन से आज फिर पूछताछ करेगी ईडी टीम

प्रमुख संवाददाता। रांची

टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएएस मनीष रंजन सोमवार को फिर से पूछताछ के लिए ईडी के हिनू स्थित जोनल ऑफिस में हाजिर होंगे. इससे पहले ईडी ने उनसे 28 मई को जोनल ऑफिस में आठ घंटे तक पूछताछ की थी. जिस दिन मनीष रंजन पूछताछ के लिए पहुंचे थे, उस दिन मंत्री आलमगीर आलम के आमने-सामने बैठाकर भी ईडी ने पूछताछ की थी. आलम उस वक्त ईडी की रिमांड पर थे.

जानकारी के अनुसार पूछताछ में मनीष रंजन ने ईडी द्वारा किए गए कुछ सवालों का जवाब तो दिया था, लेकिन कई सवालों का जवाब उन्होंने नहीं दिया था. इसके बाद ईडी ने मनीष रंजन को अपनी व परिवार की आय व संपत्ति के ब्यौरे के साथ पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया है. इधर ईडी कमीशन घोटाला मामले में एक और आईएएस अफसर को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी में है.

बता दें कि संबंधित आईएएस अधिकारी लंबी अवधि तक ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रह चुके हैं और फिलहाल किसी दूसरे विभाग में सचिव पद की जिम्मेवारी संभाल रहे हैं. जल्दी ही उनको बुलाया जाएगा.

खास बातें

- मनीष से 28 मई को भी 8 घंटे तक पूछताछ कर चुकी है ईडी
- एक और आईएएस को समन जारी कर बुला सकती है ईडी

चुनावी सभा : कल्पना ने सीएम को भी पछाड़ा, अपने हाथ में रखी 'इंडिया' की कमान

कौशल आनंद। रांची

पूर्व सीएम कल्पना सोरेन की राजनीति में लांचिंग चार मार्च को उनके श्वसुर गुरुजी शिबू सोरेन के जन्मभूमि रामगढ़ के नेमरा गांव से हुई. उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. चार मार्च लेकर 31 मई तक वे जिस तेवर और अंदाज के साथ मैदान में उतरीं कि महज दो महीने में झामुमो और इंडिया गठबंधन का बड़ा चेहरा बन गयीं. हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद पार्टी और इंडिया गठबंधन को एक बड़े चेहरे और स्टार प्रचारक की जरूरत थी, जिस पर वह पूरी तरह खरी उतरी. अपने दो महीने के चुनाव अभियान में कल्पना सोरेन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को पछाड़ते हुए कुल 50 चुनावी सभा और साढ़े तीन सौ के करी छोटी-बड़ी चुनावी सभा और रोड शो किया. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने करीब 46 चुनावी सभा की. मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन झारखंड के सभी लोकसभा और ओडिशा मयूरभंज लोकसभा व विधानसभा सीट तक प्रचार करने गए. अब कल्पना सोरेन का असर जनता में किस कदर हुआ, कितना प्रभावी रहीं यह तो चार जून को पता चल पाएगा.

चंपाई सरकार के नेतृत्व परिवर्तन की संभावना नहीं

अब झारखंड की राजनीति और झामुमो के भीतरखाने कल्पना सोरेन की नयी भूमिका को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होनी लगी हैं. यह करीब-करीब तय है कि केवल पांच महीने के लिए झारखंड में सत्ता परिवर्तन की कोई गुंजाइश नहीं है. वाकई में उनकी नयी भूमिका विधानसभा चुनाव और चुनाव के बाद उत्पन्न राजनीतिक परिस्थिति पर निर्भर होगा. अगर चार जून के बाद देश की सत्ता में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो वे इसी साल नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी एक बड़ी स्टार प्रचारक की भूमिका में रहेंगी और उनका रोल अहम होगा. अगर इस बीच हेमंत सोरेन जेल से रिहा होते हैं तो फिर कल्पना का क्या होगा, उनकी भूमिका क्या रहेगी, हेमंत सोरेन क्या राज्य की राजनीति में पीछे से भूमिका निभाएंगे और देश की राजनीति की ओर रुख करेंगे, इन तमाम यक्ष प्रश्नों का जवाब अब चार जून के बाद ही मिल पाएगा.

कल्पना की राजनीतिक लांचिंग चार मार्च को नेमरा गांव से हुई थी

लांचिंग के बाद पहली दफा कीं उलगुलान महारैली : उलगुलान महारैली 21 अप्रैल प्रभात तारा मैदान, धुर्वा
कल्पना ने कहां-कहां की चुनावी सभा : नेमरा रामगढ़ कल्पना की लांचिंग, रांची उलगुलान महारैली, गांडेय, कोडरमा, मयूरभंज, दुमका, साहिबगंज, बरही, लातेहार, कोडरमा, रोड शो गांडेय, गिरिडीह, धनबाद, चांडिल, जमशेदपुर, नगड़ी, गोड्डा, जमशेदपुर, जमशेदपुर बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, गिरिडीह, बोरियो, अमरापाड़ा, देवघर, गोड्डा, महेशपुर, पतना, गोड्डा, अमड़ापहाही दुमका, पाकुड़, बरहेट, पौड़याहाट, पाकुड़, शिकारीपाड़ा, साहिबगंज, साहिबगंज, पाकुड़िया पाकुड़, जामताड़ा दुमका, दुमका, सुंदरपहाड़ी, साहेबगंज, देवघर, जामताड़ा, सुदंरपहाड़ी दुमका, साहेबगंज, मंडरो साहिबगंज, हिरणपुर पाकुड़, अठगामा मैदान पाकुड़ व शिवापहाड़ा पतना आदि.

मुख्यमंत्री चंपाई की चुनावी सभा : मयूरभंज ओडिशा, जामताड़ा, देवघर, गिरिडीह, बाघमारा, जमशेदुपर, जमशेदपुर, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, जमेशदपुर, चंद्रपुरा गिरिडीह, गांडेय, जमशेदपुर, बेंगाबाद गिरिडीह, गोड्डा, पोटका जमशेदपुर, पटमदा जमेशदपुर, राजमहल, दुमका, पटमदा जमशेदपुर, ओडिशा मयूरभंज, चाईबासा, राजनगर, गुमला बसिया, चाईबासा, सिंहभम चाईबासा, मझगांव चाईबासा, पोटका जमशेदपुर, चक्रधरपुर चाईबासा, जमशेदपुर, बहरागोड़ा जमशेदपुर, घाटशिला जमशेदपुर, धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, चतरा, गांडेय, गिरिडीह, सिदगोड़ा जमशेदपुर, गुमला, खूंटी, चाईबासा, उलगुलान महारैली रांची, दुमका आदि.

लोकसभा चुनाव : 4 जून की सुबह 8 बजे से झारखंड में शुरू होगी मतगणना

1492 टेबल पर 14 सीटों की काउंटिंग

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा चुनाव के सातों चरण के चुनाव संपन्न हो गए. इसके साथ कई राज्यों के विधानसभा उपचुनाव भी इलेक्शन कमिशन के द्वारा कराए गए. चुनाव आयोग के अनुसार 4 जून को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी. झारखंड में चार चरणों में 14 लोकसभा पर शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुए. 14 लोकसभा सीट से 244 प्रत्याशी मैदान में थे. सभी की किस्मत ईवीएम में कैद है. 4 जून को 29 हजार 523 पोलिंग स्टेशन की काउंटिंग के लिए 14 मतगणना केंद्र बनाए गए है. जहां विधानसभावार हॉल में काउंटिंग टेबल लगाए गए है. झारखंड में कुल 81 हॉल में 1492 टेबल पर काउंटिंग की प्रक्रिया की जाएगी. इस दौरान 13 से 27 राउंड में काउंटिंग होगी.

रांची लोस : पंडरा कृषि बाजार समिति प्रांगण

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
हटिया	495	26	20
ईचागढ़	340	20	17
कांके	481	29	17
खिजरी	413	24	18
रांची	370	24	16
सिल्ली	278	16	18

धनबाद लोस : कृषि बाजार समिति, धनबाद

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बोकारो	588	24	25
चंदनकियारी	297	20	15
धनबाद	45	20	23
झरिया	346	20	18
निरसा	424	20	22
सिंदरी	426	20	22

जमशेदपुर लोस : जमशेदपुर कॉ आपरेटिव कॉलेज

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बहरागोड़ा	264	14	19
घाटशिला	291	15	20
पू. जमशेदपुर	295	15	20
प. जमशेदपुर	330	16	21
जुगसलाई	381	20	20
पोटका	326	16	21

गिरिडीह लोस : बाजार समिति हॉल, चास

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बाघमारा	355	20	18
बेरमो	355	20	18
डुमरी	373	20	19
गिरिडीह	367	20	19
गोमिया	371	20	18
टुंडी	368	20	18

खूंटी लोस: बिरसा कॉलेज, खूंटी

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
कोलेबिरा	270	20	14
खरसांवा	282	20	15
खूंटी	297	20	15
तमाड़	303	20	16
तोरपा	252	20	13
सिमडेगा	301	20	16

लोहरदगा लोस : गुमला पॉलिटेक्निक

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
गुमला	313	18	19
बिशुनपुर	349	18	20
मांडर	430	22	20
लोहरदगा	324	18	18
सिसई	332	18	19

पलामू लोस : जीएलए कॉलेज, डालटनगंज

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
गढ़वा	455	21	22
छतरपुर	335	18	19
डालटनगंज	426	22	20
भवनाथपुर	502	25	21
विश्रामपुर	367	20	19
हुसैनाबाद	342	18	19

सिंहभूम लोकसभा : महिला कॉलेज, चाईबासा

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
चक्रधरपुर	236	14	17
चाईबासा	284	14	21
जगन्नाथपुर	233	14	17
मझगांव	267	14	20
मनोहरपुर	264	14	19
सरायकेला	431	18	24

चतरा लोस : चतरा कॉलेज, चतरा

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
चतरा	475	18	27
लातेहार	358	18	20
मणिका	321	18	18
पांकी	326	18	19
सिमरि	419	18	24

कोडरमा लोस : एग्मीकरकेंटिंग

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बगोदर	454	18	26
बरकट्ठा	470	18	27
धनवार	424	18	24
गांडेय	375	18	21
जमुआ	400	18	23
कोडरमा	429	18	24

हजारीबाग लोस : कृषि बाजार समिति प्रांगण

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बरही	400	20	20
बड़कागांव	456	22	21
हजारीबाग	486	22	23
मांडू	510	21	25
रामगढ़	402	20	21

राजमहल लोस : पॉलिटेक्निक कॉलेज, साहिबगंज

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
बरहैट	277	14	20
बोरियो	346	17	21
लिट्टीपारा	272	14	20
महेशपुर	308	14	22
पाकुड़	434	20	22
राजमहल	383	17	23

दुमका लोस : गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, दुमका

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
दुमका	286	14	21
जामा	270	14	20
जामताड़ा	366	16	23
नाला	332	16	21
सारठ	376	16	24
शिकारीपाड़ा	261	14	19

गोड्डा लोस - गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, गोड्डा

विधानसभा	कुल पोलिंग स्टेशन	काउंटिंग टेबल	कुल राउंड में काउंटिंग
देवघर	460	18	26
गोड्डा	397	16	25
जरमुंडी	300	14	22
मधुपुर	409	16	26
महगामा	408	18	23
पोड़ैयाहाट	373	16	24

झारखंड विधानसभा के पास पहुंचा झुंड से बिछड़ा जंगली हाथी

- पुलिस ने सायरन बजाकर और पटाखे फोड़कर जंगल में खदेड़ा
- एलिफैंट कॉरिडोर डिस्टर्ब होने से शहर में आ जा रहे हाथी

वरीय संवाददाता। रांची

विधानसभा के पास पहुंचा हाथी.

झारखंड विधानसभा के पास शनिवार की रात करीब 12.30 बजे जंगली हाथी पहुंचा और करीब दो घंटे तक विधानसभा के आसपास घूमता रहा. इस दौरान स्थानीय लोग काफी दहशत में रहे. लोगों ने जंगली हाथी के पहुंचने की सूचना पुलिस और वन विभाग को दी. सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह सायरन बजाकर और पटाखे फोड़कर वन विभाग की मदद से जंगली हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा. बताया जा रहा है कि नगड़ी के पास जंगल में हाथियों का झुंड घूम रहा है. उस झुंड में से एक हाथी भटक कर विधानसभा के पास पहुंच गया था. हालांकि, देर रात होने और सड़क पर भीड़ न होने के कारण हाथी ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया.

पहले भी शहरी क्षेत्र में झुंड से बिछड़ कर पहुंच चुके हैं हाथी

यह पहला मौका नहीं है जब हाथी शहरी क्षेत्र में आ गया. इससे पहले भी एक जंगली हाथी भटक कर एचईसी इलाके के धुर्वा टंकी साइड कॉलोनी में देर रात पहुंच गया था. उस वक्त भी इटकी के जंगलों में हाथियों का झुंड विचरण कर रहा था. झुंड से बिछड़ा हाथी धुर्वा की टंकी साइड कॉलोनी की तरह आ गया ता, जिसे वन विभाग की टीम ने जंगल की ओर खदेड़ दिया था.इसके बाद 28 मार्च 2021 को रांची शहर से सटे कांके के नगड़ी और इससे सटे इलाकों में एक जंगली हाथी घुस गया था. हाथी ने कई घरों की चहारदीवारी तोड़ दी थी और पेड़ -पौधों को भी नुकसान पहुंचाया था. ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा था.

गजराजों पर काबू पाना वन विभाग की बड़ी चुनौती

प्रमुख संवाददाता। रांची

वन विभाग के लिए हाथियों पर काबू पाना एक बड़ी चुनौती बन गई है. बीते रात हाथी ने विधानसभा के पास अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. इससे लोगों में दहशत फैल गया. इससे पहले पूर्वी सिंहभूम में मतदान करने जा रहे 65 साल के सुरेंद्रनाथ हांसदा को पटक-पटक कर मार डाला था. पहले भी हाथियों के दहशत के कारण राजधानी के नगड़ी में धारा 144 लगाई जा चुकी है. उस वक्त वन विभाग वन संरक्षक की अध्यक्षता में चार मंडलों में वन अधिकारियों की एक समिति बनाई थी, जो इस बात की जांच कर रही थी कि झुंड से बिछड़ा एक हाथी अचानक इतना उग्र क्यों हो गया? लेकिन अब तक यह रिपोर्ट भी पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाई.

ठोस रणनीति नहीं : हाथियों पर काबू पाने के लिए वन विभाग योजनाएं तो बना रहा है,लेकिन वह कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं और इस विफल योजना की भरपाई आम लोग अपनी जान माल दे कर चुका रहे है. इसकी वजह यह है कि हाथियों के पुनर्वास का अभाव भी इस तरह की घटनाओं को बढ़ावा दे रहा है.

नहीं बन पाया कोरिडॉर, जीआइएस मैपिंग भी हुई

हाथियों के भ्रमण के लिए कॉरिडोर (एक प्राकृतिक स्थल से दूसरे प्राकृतिक स्थल तक) तैयार किया जाना था, इसके लिए जीआइएस मैपिंग भी हुई, लेकिन यह कॉरिडोर अब तक नहीं बन पाया है. राज्य के अंदर पूर्वी सिंहभूम, प. सिंहभूम, गिरिडीह और दुमका में कॉरिडोर बनाना था. वहीं अंतरराज्यीय कॉरिडोर ओडिशा-चाईबासा, ओडिशा- सारंडा, पूर्णिया-दलमा और सरायकेला- बंगाल में बनाया जाना था. लेकिन यह योजना भी धरी की धरी रह गई.

झारखंड के 555 गजराजों ने ले ली 500 लोगों की जान

झारखंड में अब सिर्फ 555 हाथी ही बचे हैं. जो देश के जंगली हाथियों की कुल संख्या का सिर्फ 11 फीसदी ही हैं. ये हाथी पिछले पांच साल में 500 लोगों की जान ले चुके हैं. वहीं विभिन्न कारणों से राज्य में अब तक 55 हाथियों की भी मौत हो चुकी है.

सबसे अधिक झारखंड में हाथियों ने ली है जान

केंद्रीय वन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक झारखंड में हाथियों ने पिछले पांच साल में 500 लोगों की जान ली है. पड़ोसी राज्य ओडिशा में 499 लोगों ने, असम में 385 और पश्चिम बंगाल में 358 लोगों ने हाथियों के हमले में जान गंवायी है.

55 हाथियों की भी हो चुकी है मौत

झारखंड में वन विभाग के आंकड़े के मुताबिक अब तक 55 हाथियों की भी मौत हो चुकी है. बिजली के करंट की चपेट में आने से अब तक 25 हाथियों की मौत हो गई, जबकि शेष हाथियों के रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की चपेट में आने और तस्करों की वजह से हुई है.

चीफ सेक्रेट्री रैंक के पांच आईएएस सहित नौ अफसर होंगे रिटायर

प्रमुख संवाददाता। रांची

अगले छह महीने में झारखंड कैडर के नौ आइएएस रिटायर हो जाएंगे. इसमें चीफ सेक्रेट्री रैंक के पांच अफसर शामिल हैं. इस साल चीफ सेक्रेट्री रैंक के तीन आइएएस रिटायर हो चुके हैं. मार्च माह में सुखदेव सिंह और राजीव अरूण एक्का व अप्रैल में एसकेजी रहाटे रिटायर हो चुके हैं. इसके अलावा अप्रैल माह में अंजनी कुमार दुबे और मई माह में चंद्रकिशोर उरांव व संजय सिन्हा रिटायर हो चुके हैं.

झारखंड में चीफ सेक्रेट्री रैंक के सिर्फ तीन अफसर

झारखंड में चीफ सेक्रेट्री रैंक के सिर्फ तीन अफसर ही कार्यरत हैं. इसमें मुख्य सचिव एल खियांग्यते, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और सुरेंद्र सिंह शामिल हैं. सुरेंद्र सिंह श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, झारखंड, रांची के महानिदेशक पद पर पदस्थापित हैं. वे इससे पहले केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे. 23 अप्रैल को उन्हें केंद्र सरकार से वापस झारखंड भेज दिया गया था.

कौन अफसर कब होंगे रिटायर

नाम	रिटायरमेंट की तिथि
राजीव गौबा	30.08.2024
एनएन सिन्हा	31.07.2024
एल खियांग्यते	31.10.2024
एमएस भाटिया	30.09.2024
सुरेंद्र सिंह	30.06.2024
आलोक त्रिवेदी	31.08.2024
अमित प्रकाश	31.12.2024
राजू रंजन राय	31.12.2024
अनिल कुमार	30.06.2024

विडंबना : झारखंड में विशेष सचिव तक ही सिमट कर रह जाते हैं आइएफएस अधिकारी

राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए आईएफएस अफसरों के पद सूचीबद्ध नहीं

रवि भारती। रांची

राज्य गठन के 24 साल बाद भी राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए आइएफएस अफसरों का पद सूचीबद्ध नहीं हो पाया है. नियमतः 25 फीसदी आईएफएस अफसरों को राज्य प्रतिनियुक्ति में लिया जाना जरूरी है. इस हिसाब से राज्य प्रतिनियुक्ति में 21 आइएफएस की तैनाती होनी चाहिए. वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में आईएफएस के 20 फीसदी पद हैं. इस हिसाब से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में 17 आईएफएस की तैनाती होनी चाहिए. पद सूचीबद्ध नहीं होने के कारण राज्य प्रतिनियुक्ति में में विशेष सचिव तक ही आइएफएस अफसर सिमट कर रह जाते हैं.

सीएस रैंक के अफसर को मिलता है स्पेशल सेक्रेट्री का पद : सीनियर डीएफओ का पद स्पेशल सेक्रेट्री के बराबर का होता है. वहीं, झारखंड में पीसीसीएफ (प्रधान मुख्य वन संरक्षक) रैंक के अफसर राज्य प्रतिनियुक्ति पर स्पेशल सेक्रेट्री का काम करते हैं. पीसीसीएफ का पद चीफ सेक्रेट्री रैंक के बराबर का होता है. वहीं कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित अन्य कई राज्यों में आइएफएस को सचिव का पद मिला हुआ है.

कैडर रिव्यू में भी फंसा है पेच

आईएफएस अफसरों के कैडर रिव्यू की प्रक्रिया वर्ष 2009 में ही पूरी की जानी थी. कैडर रिव्यू नहीं होने के कारण टॉप से लेकर बॉटम तक के अफसरों की प्रोन्नति बाधित हो रही है. आइएफएस अफसर प्रशासनिक व पुलिस सेवा के अफसरों से पीछे हो गये हैं. दूसरी बड़ी वजह विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक का नहीं होना भी है. भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के कैडर रूल के अनुसार, प्रत्येक पांच साल में राज्य सरकार को संवर्ग की पुर्नसमीक्षा का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजना अनिवार्य है. इसके आधार पर भारत सरकार पुर्नसमीक्षा की अधिसूचना जारी करती है. झारखंड में भारत सरकार ने पुर्नसमीक्षा के लिए कई बार रिमाइंडर भेजा, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की.

वन विभाग कौन सा पद किसके बराबर

आईएएस –	आईएफएस
सचिव –	मुख्य वन संरक्षक
प्रधान सचिव –	अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक
मुख्य सचिव –	प्रधान मुख्य वन संरक्षक

केस नं. 01

बीसी निगम : पीसीसीएफ रैंक के अफसर होते हुए भी राज्य सरकार में विशेष सचिव के पद पर तैनात रहे.

केस नं. 02

एके रस्तोगी : पीसीसीएफ रैंक के अफसर होते हुए भी राज्य सरकार में विशेष सचिव के पद पर तैनात रहे.

राज्य में आइएफएस की संरचना

वरिष्ठ ड्यूटी पोस्ट :	87
राज्य प्रतिनियुक्ति :	21
केंद्रीय प्रतिनियुक्ति :	17

मानव तस्करी-अपहरण के आरोपी के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

रांची। मानव तस्करी, दुष्कर्म और अपहरण सहित अन्य मामलों में सजा काट रहे सुशील खाखा की मौत 23 जुलाई 2019 को रिम्स में इलाज के दौरान हो गयी थी. मानवाधिकार आयोग की अनुशंसा के बाद गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सिमडेगा डीसी को सुशील खाखा के परजिनों को पांच लाख का मुआवजा देने का निर्देश दिया है. मुआवजा राशि सुशील खाखा की पत्नी प्रभा खाखा को दी जायेगी. सुशील खाखा सिमडेगा जिला के कुरडेग थाना क्षेत्र के नवापाड़ा गांव का रहनेवाला था. उसे साल 2016 में मानव तस्करी, दुष्कर्म और अपहरण सहित अन्य मामलों में कोर्ट ने दोषी पाकर सजा सुनायी थी. पहले उसे सिमडेगा जेल में रखा गया था. लेकिन फरवरी 2019 में उसे सिमडेगा जेल से बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार लाया गया था. जुलाई माह में अचानक तबीयत खराब होने पर उसे इलाज के लिए रिम्स लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी थी. उसकी मौत के बाद स्थानीय स्तर पर काफी विरोध जताया गया और जल्द उचित मुआवजा दिलाने के लिए विभाग से मांग भी गयी. इसी के मद्देनजर निर्देश जारी किया गया है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, सोमवार 03 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 55 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

55 रुपये की दारू नहीं पिलाई तो कर दिया सिर धड़ से अलग

सिर लेकर घूमता रहा पूरे गांव में फिर पहुंचा अपने घर, परिजनों ने रस्सी से बांध पुलिस को दी सूचना, गिरफ्तार

संवाददाता | जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिले के एमजीएम थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना हुई है. रविवार की अहले सुबह चार बजे 55 रुपए की दारू नहीं पिलाने पर गुस्से में युवक ने वृद्ध का सिर धड़ से अलग कर दिया. इसके बाद वह सिर को हाथ में लेकर गांव में घूमता रहा. घटना एमजीएम थाना क्षेत्र के कुदलुंग गांव की है.

कुदलुंग गांव निवासी 35 वर्षीय मिथुन टुडू ने पहले तो धारदार हथियार से निताई महतो (60) का सिर धड़ से अलग कर दिया और फिर सिर को लेकर पूरे गांव में घूमा. अंत में वह अपने घर पहुंचा. घटना के बाद से गांव में हड़कंप मच गया. लोग मिथुन को पकड़ना चाह रहे थे, पर वह धारदार हथियार से सभी पर हमला करने का प्रयास कर रहा था. हालांकि मिथुन के परिजनों ने उसे पकड़कर पेड़ से बांध दिया और पुलिस को इसकी सूचना दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मिथुन को गिरफ्तार कर शव को कब्जे में लिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

हत्यारोपी मिथुन टुडू.

घटना स्थल की तस्वीर, (इनसेट) निताई महतो की फाइल फोटो.

मिथुन ने पुलिस को बताया कि वह अक्सर निताई के साथ बैठकर देसी शराब पीता था. शनिवार को उसने निताई को शराब पिलाई. शराब के लिए 55 रुपये देने थे. दोनों को आधा-आधा पैसा मिलाकर देने पर निताई ने कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं. इस कारण पूरा 55 रुपये देना पड़ा. रविवार सुबह निताई रास्ते में मिला. उसे शराब पिलाने को कहा तो उसने मना कर दिया. इसी बात पर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी और सिर को धड़ से अलग कर दिया. मिथुन ने गुस्से में आकर कहा कि मिथुन बूढ़ा हो गया था. उसे मरना ही था. इसलिए उसे मारकर कोई गलती नहीं की.

● हत्या के बाद मिथुन ने निताई के सभी कपड़े भी उतारे

निताई की हत्या कर सिर को धड़ से अलग करने के बाद मिथुन ने निताई के सारे कपड़े खोल दिए. निताई के सिर के साथ उसके कपड़े भी अपने साथ ले गया. कपड़े ले जाने की बात पर मिथुन ने कहा कि उसने निताई के कपड़े इसलिए उतारे क्योंकि निताई ने रुपये नहीं दिए. उस कपड़े को धोकर वह खुद इस्तेमाल करता.

मिथुन की पत्नी और दो बेटी है. मिथुन की पत्नी सोनुका टुडू ने बताया कि मिथुन के साथ शादी होने के कुछ माह बाद ही वह सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था. इस घटना में उसके सिर पर चोट लगी थी.

एक माह पूर्व वह पागलों की तरह हरकत कर रहा था. उसे इलाज के लिए लेकर जाने वाले थे, पर उसने पहले ही हत्या कर दी. सोनुका बताती है कि मिथुन नशे का आदि था. वह मजदूरी करता था. रविवार सुबह वह घर से निकल गया. थोड़ी देर बाद वह निताई महतो का कटा हुआ सिर लेकर घर पहुंच गया. घर वालों ने उसे पकड़ने की कोशिश की पर वह हमला करने लगा. किसी तरह उसे पकड़कर पेड़ से बांध दिया और पुलिस को सूचना दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मिथुन को गिरफ्तार कर ले गई. इधर पुलिस ने मृतक के बेटे प्रह्लाद के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है.

सरयू राय ने अधिकारियों को बताया दरबारी

अवैध निर्माण तोड़ने में अक्षेस का रवैया पक्षपातपूर्ण : सरयू राय

खास बातें

● जेएनएसी में पंजीकृत गलत नक्शा बनाने वाले आर्किटेक्ट पर कोई कार्रवाई नहीं

● जिन अधिकारियों ने गलत नक्शा पारित किया उनके खिलाफ भी नहीं हुई कार्रवाई

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर में नक्शा विचलन और अनियमितता आदि को लेकर राज्य के पूर्व मंत्री व जमशेदपुर पश्चिमी के मौजूदा विधायक सरयू राय ने मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने कहा है कि झारखंड सरकार के बिल्डिंग बायलॉज का घोर उल्लंघन हो रहा है. इसके कारण झारखंड हाईकोर्ट ने नक्शा विचलन कर निर्मित भवनों के अवैध भाग को तोड़ने का स्पष्ट निर्देश दिया है, परंतु इस निर्देश के अनुपालन में जिला प्रशासन और जमशेदपुर अक्षेस पक्षपातपूर्ण तरीका अपना रहा है. विधायक सरयू राय रविवार को यहां बिष्टुपुर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में दो नगरपालिका चल रही है. एक झारखंड सरकार और दूसरी टाटा स्टील की. नगरपालिका की यह डबल इंजन अलग अलग पटरियों पर दौड़ रही है, जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है.

सरयू राय ने कहा कि जिनकी ऊंची पैरवी है उनकी तरफ जिला प्रशासन और जमशेदपुर अक्षेस नजर नहीं उठा रहे हैं. मंत्रियों व सरकार में बैठे अवैध भवन निर्माताओं के दरबार में अक्षेस व जिला प्रशास के अधिकारी हाजिरी लगाते हैं. उनके नक्शा विचलन की ओर प्रशासन और अक्षेस का ध्यान नहीं जा रहा है. कुछ अवैध निर्माणों को अंशिक रूप से ध्वस्त कर उच्च न्यायालय में गलत प्रतिवेदन सौंपा जा रहा है.

श्री राय ने बताया कि झारखंड बायलॉज के सेक्शन 440 में कॉमर्शियल एवं आवासीय भवनों के कितने हिस्से में पार्किंग रहेगी और कितना हिस्सा सैट बैक छोड़ना पड़ेगा इसका प्रावधान है. बावजूद जिला प्रशासन और जमशेदपुर अक्षेस इन प्रावधानों को लागू किए बिना ही नक्शा पारित कर दे रहे हैं.

एक ओर टाटा लीज से बाहर की बस्तियों को मालिकाना हक देने में नियमों का गलत हवाला देकर अनाकानी की जा रही है, तो दूसरी ओर लीज क्षेत्र और उसके बाहर निर्मित व निर्माणाधीन भवनों में हो रही अनियमितताओं की ओर आँख मूंद ली जा रही है. इस दोहरी नीति की शिकार जनता इनके बीच पीस रही है.

विधायक श्री राय ने बताया कि उन्होंने अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव और याचिकाकर्ता राकेश झा से वार्ता की है. साथ ही याचिकाकर्ता को आश्वस्त किया है कि जरूरी हुआ तो वह उच्च न्यायालय में चल रहे प्रासंगिक मामले में हस्तक्षेप करने के लिए तैयार हैं.

ऑक्यूपेंशी सर्टिफिकेट देने में धांधली

विधायक सरयू राय ने कहा कि निर्मित एवं निर्माणाधीन भवनों को ऑक्यूपेंशी सर्टिफिकेट देने इससे भी बदतर स्थिति है. इसमें जमशेदपुर अक्षेस और टाटा स्टील के टाऊन डिवीजन दोनों ही नियमों उल्लंघन कर रहे हैं. संक्षेप में भवनों का नक्शा पास करने में, इन्हें ऑक्यूपेंशी सर्टिफिकेट देने और नक्शा पारित करने में घोर धांधली हो रही है. जो सरकारी अधिकारी अनियमितताओं को दूर करना चाहते हैं, विचलन को रोकना चाहते हैं, अवैध निर्माण को ध्वस्त करना चाहते हैं, उन पर सरकार में बैठे लोगों का राजनीतिक दबाव पड़ जाता है.

ब्रीफ खबर

सीबीएसई कंपार्टमेंट परीक्षा का आवेदन 15 तक

जमशेदपुर | केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. जिन विद्यार्थियों को सीबीएसई 10वीं और 12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षाओं में जिन विषयों में शामिल होना है, वे आवेदन कर सकते हैं. आवेदन के लिए लिंक खोल दिया गया है. आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है. जुलाई में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. इस तारीख तक आवेदन करने में लेट फीस नहीं लगेगी. विद्यार्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.cbse.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं.

जिला कांग्रेस की बैठक में चुनाव कार्य की समीक्षा

जमशेदपुर | पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की जिला स्तरीय बैठक रविवार को बिष्टुपुर स्थित पार्टी कार्यालय में हुई. इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने की. बैठक में मुख्य अतिथि पार्टी के जिला प्रभारी बलजीत सिंह बेदी थे. जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि जिला कांग्रेस के सभी प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पूरी ईमानदारी व मेहनत के साथ इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती के चुनाव कार्य में मदद की है.

मानगो सहारा सिटी में छाता व ग्लूकोज वितरित

जमशेदपुर | मानगो सहारा सिटी कॉलोनी वासियों ने अपने सोसाइटी में काम करने वाले सुरक्षाकर्मी, बिजली मिस्त्री, प्लंबर, मेंटेनेंस इंचार्ज के बीच छाता और गर्मी से बचाव के लिये ग्लूकोज का वितरण किया. सोसाइटी के अध्यक्ष विपिन शर्मा एवं सचिव सुशील कुमार सिंह के आवाहन पर अपने छोटे-छोटे सहयोग से एक राशि इकट्ठा की. जिससे 12 बड़े साइज का छाता एवं ग्लूकोज का डिब्बा खरीदा गया. अब ये कर्मचारी दिन में धूप और बरसात में पानी से बचाव के लिये छाता का उपयोग गर्मी से अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए कर सकते हैं.

गोलमुरी की महिला को भगा ले गया युवक

जमशेदपुर | गोलमुरी थाना अंतर्गत टुइलाडूंगरी निवासी सत्यानंद दास की 45 वर्षीय पत्नी को ओडिशा के बंडामुंडा निवासी ताराचंद तांती अपने साथ भागा ले गया. इसको लेकर सत्यानंद ने गोलमुरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. सत्यानंद ने पुलिस को बताया कि 16 मई को ताराचंद उसकी पत्नी को अपने साथ भागा ले गया. प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है. उधर एमजीएम थाना अंतर्गत मुखिया डांगा निवासी अमन कुमार यादव ने अपने पड़ोसी दीपक यादव, उसकी पत्नी किरण यादव व दीपक के छोटे भाई पर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है.

प्लास्टिक के 83 बोरों में भर कर रखा था 2100 किलो डोडा

चाकी जंगल में नदी किनारे से 3.15 करोड़ का डोडा जब्त

संवाददाता | चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड से एक सप्ताह में दूसरी बार पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा बरामद किया है. चाईबासा के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर को मिली गुप्त सूचना के बाद की गई कार्रवाई में 3 करोड़ 15 लाख रुपए का अफीम पोस्तो डोडा जब्त किया गया.

हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. पुलिस को सूचना मिली थी कि टेबो थाना क्षेत्र के चाकी जंगल स्थित नदी किनारे भारी मात्रा में बोरों में डोडा रखा हुआ है.

इसके बाद टेबो थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर चाकी जंगल के पारिया से एक किलोमीटर दूर दक्षिण दिशा में चाकी नदी के किनारे 83 प्लास्टिक के बोरों में रखा डोडा जब्त किया गया. जब्त किए गए 2100 किलोग्राम डोडा की अनुमानित लागत लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपए है. पुलिस डोडा जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है. छापेमारी दल में सहायक अवर निरीक्षक बिफन सिंह, रतन लाल मुर्मू, चैतू भगत, त्रिभुवन बेदिया, पंचू मिंज के अलावे टेबो थाना के अन्य अधिकारी व जवान शामिल थे.

पश्चिमी सिंहभूम में एक सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई

बंदगांव प्रखंड के टेबो थाना क्षेत्र में अफीम पोस्तो डोडा के खिलाफ पुलिस की एक सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई है. 25 मई को भी सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा के नेतृत्व में टेबो से एक ट्रक में भारी मात्रा में डोडा जब्त किया गया था. उसकी अनुमानित लागत 3 करोड़ 14 लाख रुपए थी. राजस्थान नंबर की ट्रक पकड़ने के साथ राजस्थान निवासी मीयू खान व राकेश कुमार की गिरफ्तारी भी हुई थी.

● पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई

कार्यकर्ताओं के साथ विद्युत महतो भी स्ट्रांग रूम की निगरानी में जुटे

जमशेदपुर | मतदान के बाद जनादेश ईवीएम में कैद हो गया है. ईवीएम में पड़े वोटों की गिनती 4 जून को होनी है. जमशेदपुर लोकसभा अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में बनाये गये स्ट्रांग रूम में बीएसएफ की निगरानी में रखी गई हैं. वहां भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने भी ईवीएम की दिन-रात निगरानी के लिए अपने कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई है.

इसी क्रम में बर्मामाइंस मंडल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में बने कैंप में बैठक कर स्ट्रांग रूम की निगरानी की. इस दौरान जमशेदपुर सांसद सह भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो समेत पार्टी के अन्य नेता भी वहां कार्यकर्ताओं के साथ मौजूद रहे.

इस दौरान विद्युत वरण महतो ईवीएम की निगरानी में तैनात मंडल अध्यक्ष एवं मौजूद कार्यकर्ताओं से जरूरी चर्चा कर विस्तृत जानकारी ली. कुलवंत सिंह बंटी ने कहा कि सांसद विद्युत वरण महतो के तीसरी बार जीत को लेकर हम सभी कार्यकर्ता आश्वस्त हैं.

बिष्टुपुर वोल्टास हाउस के पास जलजमाव से लोगों को भारी परेशानी हुई.

आंधी व बारिश से बिजली व्यवस्था चरमराई

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

आंधी तूफान व बारिश ने रविवार की शाम गर्मी व उमस से राहत दिलाई, तो शहरवासियों के लिए परेशानी का सबब भी बनी. आंधी तूफान की वजह से शहर के लगभग सभी हिस्सों में विद्युत व्यवस्था चरमरा गयी. करीब डेढ़ दो घंटे तक बिजली की आपूर्ति ठप रही. वहीं कई हिस्सों में पेड़ों की टहानियां टूट कर गिर गई. सड़कों पर जगह-जगह जल जमाव के कारण यातायात प्रभावित रहा. वाहनों की लंबी कतार से जान स्थिति उत्पन्न हो गई.

जानकारी के अनुसार बागबेड़ा के गांधीनगर में आंधी तूफान में बिजली का एक पोल टूट कर गिर गया, इसकी वजह से वहां एक घर क्षतिग्रस्त हो गया. वहीं क्षेत्र में कई घरों के छप्पर भी उड़ गये. आसपास की बस्तियों में जल जमाव हो गया. दूसरी ओर बिष्टुपुर में वोल्टास हाउस और जुगसलाई में रंग गेट के पास स्थित रेल ओवर ब्रिज के नीचे सड़क पर जल जमाव के कारण आवागमन एवं वाहनों का परिचालन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ. सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई.

जोजोबेड़ा से सोनारी 132 केवी लाइन बिजली गिरने के दौरान ट्रिप हो गई. कदमा, सोनारी क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित प्रभावित रही. इस दौरान लाइन की पेट्रोलिंग जारी रही और कुछ देर बाद इसे ठीक कर विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल कर दी गई. इसके बाद आंधी व बारिश की वजह से तकनीकी खराबी आने के कारण साकची के राजेंद्रनगर व आसपास के इलाकों में भी करीब सवा घंटे तक बिजली गुल रही. क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा. बारिश व तेज हवा की वजह से जुगसलाई, बागबेड़ा समेत अन्य क्षेत्रों में भी विद्युतापूर्ति प्रभावित रही.

● जुगसलाई समेत कई हिस्सों में यातायात प्रभावित

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी आंधी तूफान के बारिश होने की संभावना है. इस दौरान हल्के से मध्य दर्जे की बारिश हो सकती है. इस दौरान वज्रपात होने के अलावा हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है. इसे ध्यान में रखते हुए मौसम विभाग की ओर से चेतावनी जारी की गई है. विभाग के अनुसार रविवार को जमशेदपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम 38.9 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया. सरायकेला में सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम 38.6 तथा पश्चिमी सिंहभूम जिला में सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस नीचे 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

विशेषज्ञों की राय | जमशेदपुर में एनडीए का पलड़ा भारी, सिंहभूम सीट पर गीता कोड़ा व जोबा माझी में कांटे की टक्कर

विद्युत लगा सकते हैं हैट्रिक, मोदी लहर के भरोसे गीता

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजों को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की धड़कनें तेज हैं. एग्जिट पोल के नतीजों पर नजर डाली जाये, तो इस बार भी केंद्र में एनडीए की सरकार बनती प्रतीत हो रही है. झारखंड में पार्टी बदल कर दूसरे दल के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के परिणाम पर सवालिया निशान जरूर लग रहा है. लेकिन यहां एनडीए को खासा नुकसान होता नहीं दिखाई दे रहा है.

राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें, तो जमशेदपुर में विद्युत वरण महतो जीत की हैट्रिक लगा कर इतिहास रच सकते हैं, लेकिन इंडी गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती से उन्हें सीधी टक्कर मिली है. कुछ ऐसे कारण भी गिनाये जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समीर मोहंती को फायदा मिला है. सांसद को किसी एक गांव को गोद लेकर उसे आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना था. इस योजना को सांसद सह भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो पूरा नहीं कर पाये.

कुड़मी को एससी का दर्जा नहीं दिला पाने के कारण यह वर्ग भी उनसे बिदका रहा. माना जा रहा है कि इसका सीधा फायदा इंडी गठबंधन प्रत्याशी को मिल सकता है. हालांकि ट्रेनों के हॉल्ट, नयी ट्रेनें, ट्रेनों के विस्तार, संसद में जनसमस्याओं को लेकर उठाने आदि को लेकर विद्युत वरण महतो ने सार्थक प्रयास किये हैं. इसका लाभ उन्हें मिलेगा. इस तरह जानकार बताते हैं कि विद्युत वरण महतो जीत के तिकड़ी कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन मतों का अंतर वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले कम हो सकता है. दूसरी ओर सिंहभूम सीट पर भी मौजूदा सांसद व एनडीए प्रत्याशी गीता कोड़ा एवं झारखंड सरकार में मंत्री व झामुमो प्रत्याशी जोबा मांझी के सीधी टक्कर मानी जा रही है. एग्जिट पोल एवं विशेषज्ञों के मुताबिक गीता कोड़ा को दलबदल की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ा है. देखा जाये, तो सिंहभूम लंबे समय से कांग्रेस की सीट रही है. गीता कोड़ा की परेशानी का यह भी एक कारण हो सकता है. जोबा मांझी भी लंबे समय से क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय और वर्तमान में झारखंड सरकार में मंत्री हैं. ऐसे में सिंहभूम में उनके राजनैतिक कद की अनदेखी नहीं की जा सकती है. ऐसे में परिणाम दोनों में से किसी के भी पक्ष में आ सकता है. हालांकि इस बार भी देश में जिस तरह मोदी लहर है, वह गीता कोड़ा की नैया पार लगा सकती है.

जातिगत वोटों का बिखराव हुआ

सांसद विद्युत वरण महतो ने जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए काम तो किया ही है. चाहे वह रेल सुविधा हो या जनसमस्या से जुड़े अन्य कार्य हों. लेकिन जैसा कि सांसद को एक आदर्श ग्राम बनाना था, इस कार्य में वह पिछड़ गये. इससे पटमदा क्षेत्र के लोगों में उनके प्रति नाराजगी है. इसके अलावा कुड़मी को एससी का दर्जा नहीं मिल पाने के कारण इस समाज के वोटर भी उनसे असंतुष्ट हैं. कुछ जातिगत वोटों का बिखराव भी हुआ है. बावजूद विद्युत महतो के जीतने की उम्मीद से इन्कार नहीं किया जा सकता, लेकिन संभव है कि इस बार मतों का अंतर कम होगा.

- डॉ पूर्णिमा कुमार
पूर्व प्राचार्य, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज

जीत का अंतर काफी कम होगा

कोल्हान की दोनों संसदीय सीट जमशेदपुर और सिंहभूम में एनडीए और इंडी गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर है. हालांकि सिंहभूम सीट से इंडी गठबंधन प्रत्याशी जोबा माझी राज्य की कैबिनेट मंत्री हैं. एनडीए प्रत्याशी गीता कोड़ा से उनका राजनैतिक कद और दायरा बड़ा रहा है. ऐसे में सिंहभूम सीट पर चुनाव परिणाम संभवतः जोबा माझी के पक्ष में जा सकता है. वहीं जमशेदपुर संसदीय सीट की बात करें, तो यह सीट एनडीए अथवा इंडी गठबंधन किसी के भी पाले में जा सकती है. गीता कोड़ा यदि इस बार जीत कर हैट्रिक लगाते भी हैं, तो मतों का अंतर काफी कम होगा.

- डॉ सोनाली सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी

विजया गार्डन में पांच चोरी से लोगों में आक्रोश, पहुंचे थाना

संवाददाता | जमशेदपुर

भड़का गुस्सा

● सिक्योरिटी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

● पांच घरों में चोरी की घटना ने सुरक्षा की पोल खोल दी

बिरसानगर थाना अंतर्गत बारीडीह विजया गार्डन में हुई चोरी की घटना में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. अब तक चोरी की कुल 5 घटना का पता चला है. इस तरह चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने के बाद विजया गार्डन के लोगों में आक्रोश फूट पड़ा है. विजया गार्डन नॉर्थ जोन समिति के तत्वावधान में 12 फेज के लोग बिरसानगर थाना पहुंचे और अपनी नाराजगी का इजहार करते हुए घटना को अंजाम देने वाले चोरों की गिरफ्तारी और सिक्योरिटी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मामला दर्ज कराया.

अक्रोशित लोगों का कहना था कि वे लोग अपनी जमा पूंजी के लाखों रुपए लगाकर विजया गार्डन में मकान खरीदे हैं, इसलिए कि यहां की व्यवस्था बेहतर है, लेकिन एक ही रात पांच घरों में चोरी की घटना ने पूरी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है. पूरे विजय गार्डन में मुख्य चार गेट के अलावा विभिन्न पॉइंट्स पर सिक्योरिटी गार्ड मौजूद रहते हैं, लेकिन किसी भी गार्ड के पास एक डंडा तक नहीं है. ऐसे में अगर किसी प्रकार का हमला होगा, तो वे लोग खुद बचने के लिए मजबूर हो जाएंगे.

जब चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था, उस वक्त आस-पास में भी सिक्योरिटी गार्ड मौजूद थे तो ऐसे में चोर आए और घटना को अंजाम देकर चले गए तो गार्ड ने उन्हें क्यों नहीं रोका. विजया गार्डन के लोगों का यह भी कहना था कि यहां पर कई ऐसे परिवार हैं जिनके घर में सिर्फ बुजुर्ग ही रहते हैं. ऐसे में इस तरह की सुरक्षा होने से बुजुर्गों पर हमला भी हो सकता है. इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा.

इसे लेकर थाना प्रभारी से मांग की गई कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर करवाई करें.

हाथियों का उत्पात फिर शुरू, दहशत में ग्रामीण

रघुनाथपुर हाटटोला में बीज भंडार का धान खाया, निल मुदी के मकान को क्षतिग्रस्त किया

खास बातें

- भोजन की तलाश में आबादी वाले क्षेत्र में घुस रहे हाथी
- आधा दर्जन दुकान व मकान पर धावा बोला

संवाददाता | चांडिल

ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात एक बार फिर शुरू हो गया है. हालांकि जंगली हाथी कई दिनों से क्षेत्र में विचरण कर रहे थे, लेकिन किसी प्रकार का अधिक नुकसान नहीं पहुंचा रहे थे. अब जंगली हाथियों का झुंड एक बार फिर से अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने लगा है. जंगली हाथियों के झुंड ने शनिवार की रात नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में जमकर उत्पात मचाया. हाथियों ने अलग-अलग बंटकर रघुनाथपुर, दुमदुमी, सीधागोड़ा, रामनगर, अमडाबेड़ा, जामडीह, घाघरा समेत आसपास के क्षेत्र में मकान व दुकानों को क्षतिग्रस्त किया और अनाज व फसलों को अपना आहार बनाया. रघुनाथपुर में रात के करीब ढाई बजे अकेले पहुंचे हाथी ने करीब आधा दर्जन लोगों की दुकान व मकान पर धावा बोला.

जंगली हाथी ने रघुनाथपुर हाटटोला स्थित ललिता बीज भंडार का दरवाजा तोड़कर धान खाया, अनिल मुदी के खपरैल मकान को क्षतिग्रस्त किया, मनोज स्टोर का शटर और शिल्पी वैराइटी स्टोर के ग्रील को नुकसान पहुंचाया.

इसके अलावा प्रवीर महतो के पेड़ पर लगे कटहल को अपना आहार बनाया. जंगली हाथी ने रामनगर के किसान घनश्याम महतो के कोहड़ा, लौकी, खीरा, काशीनाथ महतो के खेत में बरबटी, लवकुश महतो के खेत में बरबटी, टमाटर, नेनुआ, तपन महतो का धान और रघुनाथ महतो के खेत में करेला का फसल खाया और रौंदकर बर्बाद किया. हाथियों के झुंड ने कई लोगों के घर, दुकान, चहारदीवारी को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया है.

लोगों ने बताया कि हाथियों के झुंड भोजन की तलाश में आबादी वाले क्षेत्र में घुस रहे हैं. ग्रामीणों ने अहले सुबह हाथियों को रामनगर तालाब के पास विचरण करते हुए देखा था. हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने के बाद एक बार फिर ग्रामीण दहशत में हैं. उन्होंने जंगली हाथियों से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.

> "हाथियों के झुंड के पहुंचने के बाद वन विभाग भी सक्रियता के साथ नजर बनाए हुए है. रात के वक्त हाथियों का झुंड मुरू की ओर रवाना हो गया था. उन्होंने बताया कि दिनभर में अगर हाथियों का झुंड आबादी से दूर जंगल क्षेत्र में नहीं जाता है तो वन विभाग हाथी भगाओ दस्ता लगाकर हाथियों को वापस जंगल पहुंचाने का काम करेगा. उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों को जाने का रास्ता दें और उन्हें किसी प्रकार का चोट नहीं पहुंचाए. घायल होने पर हाथी उग्र हो जाते हैं और आक्रामक रूप अपना कर नुकसान पहुंचाते हैं.
>
> - मैनेजर मिर्धा, वन क्षेत्र पदाधिकारी, चांडिल

ब्रीफ खबरें

माहली समाज की बैठक में एकरूपता लाने पर जोर

डुमरिया | डुमरिया प्रखंड के छोलागोड़ा चौक में आदिम माहली महाल की सामाजिक बैठक पोड़सी माझी अकलू सोरेन की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन पूर्वी सिंहभूम जिला के संयोजक मंडली सदस्य खेला राम माहली और बासु मार्डी ने किया. शिविर में पूरे देश के माहली समाज को एकजुट और सामाजिक कार्यक्रम, छुट्टी, विवाह और श्राद्धकर्म आदि में एकरूपता लाने पर जोर दिया गया. बैठक में सामाजिक माझी बाबा, गोडेत के साथ-साथ मुख्य अतिथि देश परगना कान्हु राम मार्डी ने संबोधित किया.

पीएफओ कर्मचारी ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

जमशेदपुर | आजादनगर थाना अंतर्गत पारडीह त्रिवेणी कॉम्पलेक्स निवासी ब्रिसियुस तिर्की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. शनिवार देर रात ब्रिसियुस का शव फंदे से लटका पाया गया. मृतक के भाई विमल तिर्की ने शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. ब्रिसियुस पीएफ ऑफिस में काम करते थे. सारा परिवार बोकारो में रहता है. जमशेदपुर में ब्रिसियुस अपने भाई विमल के साथ रहता था.

सामान लेकर भागने वाले ऑटो चालक का पता नहीं

जमशेदपुर | मानगो शंकोसाई निवासी 70 वर्षीय नगीना देवी का सामान लेकर फरार होने वाले ऑटो चालक का 10 दिन बाद भी कोई पता नहीं चल पाया है. इसको लेकर उलीडीह थाना में सीसीटीवी फुटेज के साथ शिकायत की गई थी, पर पुलिस अब तक कुछ पता नहीं लगा पाई है. नगीना देवी ने बताया कि 22 मई को अपने गांव गया से साल भर का अनाज बेचकर पैसा और घरेलू सामान लेकर जमशेदपुर आने के क्रम में अकेले टाटानगर स्टेशन पहुंची. टाटानगर स्टेशन से ऑटो पकड़ कर साकची पहुंची. साकची से डिमना रोड की ऑटो में बैठी. चालक ऑटो में तेल भरवाने के लिए पेट्रोल पंप गया. शंकोसाई रोड नंबर पांच के पास उतरने के दौरान ऑटो चालक सामान लेकर फरार हो गया.

कदमा में दो बस्तीवासियों के बीच मारपीट, पत्थरबाजी

जमशेदपुर | कदमा थाना अंतर्गत रामनगर में सोनारी जनता बस्ती के लोगों पर पथराव किया गया. इस घटना में कई लोग घायल भी हुए. घटना के बाद स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मच गया. लोग इधर, उधर भागते नजर आए. घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया वहीं घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया. सभी घायल जनता बस्ती के रहने वाले है. घायलों ने बताया कि जब भी जनता बस्ती के लोग राम नगर में काम करने जाते है तब वहां के लोगों द्वारा मारपीट की जाती है. आज भी कुछ युवकों से मारपीट की गई. सूचना पर जनता बस्ती से कुछ लोग रामनगर के लोगों से बातचीत करने गए थे इसी दौरान पथराव कर दिया गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

फेसबुक फ्रेंड के साथ महिला फरार, थाना में शिकायत

आदित्यपुर | आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती निवासी सुलेमान अंसारी ने आदित्यपुर थाना में लिखित शिकायत की है. शिकायत में सुलेमान अंसारी ने बताया कि उसकी पत्नी सुनैना परवीन अपने फेसबुक फ्रेंड रहमान अंसारी के साथ फरार हो गयी. सुलेमान ने बताया कि सुनैना परवीन के साथ उसके दो बच्चे है. उनको भी छोड़कर घर से भाग गयी.

बारुनमुठी में हाईटेंशन तार गिरने से मवेशी की मौत

डुमरिया | गुड़ाबांदा प्रखंड के बारुनमुठी मुंडा टोला में रविवार सुबह को बिजली का हाईटेंशन तार गिर गया. तार की चपेट में आने से एक मवेशी की मौत हो गई. मवेशी के मालिक शांखो मुर्मू को इससे आर्थिक क्षति पहुंची है. विदित हो कि प्रखंड क्षेत्र में लगे बिजली के तार काफी पुराने और जर्जर हो चुके हैं और आंधी-पानी नहीं होने के बावजूद टूट कर गिर रहे हैं.

सरयू राय ने प्रेमनगर छठ घाट का किया दौरा

जमशेदपुर | टेल्को के प्रेमनगर स्थित छठ घाट पर मां तारा प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा आगामी छह जून को होगी. इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है. रविवार को विधायक सरयू राय वहां पहुंचे और प्रेमनगर छठ घाट का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने छठ घाट पर कलश वितरण किया. सोमवार को यहां से कलश यात्रा निकाली जाएगी और दोमुहानी नदी से कलश में जल लाया जाएगा.

आगामी चार जून को मंडप पूजन व पांच जून को मां तारा संस्कार होगा. इसके अलावा विधायक सरयू राय की पहल से महानंद बस्ती निवासी महावीर राय को व्हील चेयर उपलब्ध करायी गयी. इससे उनके परिजनों में खुशी का माहौल देखा गया. बता दें कि विगत दिनों विधायक सरयू राय को उनके पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि महानंद बस्ती निवासी मुन्ना देवी के पति महावीर राय पिछले दो सालों से शारीरिक रूप से परेशान थे. चलने-फिरने में उन्हें काफी परेशानी हो रही थी. इसके बाद विधायक सरयू राय ने व्हील चेयर उपलब्ध कराया. महावीर राय ने खुशी व्यक्त करते हुए सरयू राय के प्रति आभार जताया.

प्रशासन की तैयारी पूरी, कल 8 बजे सुबह से शुरू होगी मतों की गिनती

सीसीटीवी कैमरा से होगी पूरे मतगणना परिसर की निगरानी, वीडियोग्राफी भी की जाएगी

संवाददाता | जमशेदपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर 4 जून को को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में मतगणना होनी है. इसको लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है. मतगणना का कार्य पूरी निष्पक्ष और पारदर्शी रहे, इसे लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों व चुनाव अभिकर्ताओं के साथ बैठक भी कर ली है. 4 जून को सुबह 8 बजे से मतों की गिनती शुरू कर दी जाएगी. इसके पूर्व 7.59 बजे तक सर्विस वोटर के पोस्टल बैलेट प्राप्त किए जाएंगे.

ईवीएम स्ट्रांग रूम से काउंटिंग हॉल के बीच ईवीएम लाने के लिये अलग से बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है. इसके अलावा 360° मूवमेंट वाला सीसीटीवी भी लगवाया गया है जो पूरे परिसर की निगरानी करेगा. वहीं ईवीएम लेकर जाने के दौरान वीडियोग्राफर की भी प्रतिनियुक्ति रहेगी, ताकि हर स्पॉट पर पूरी निगरानी हो सके. कोई भी एरिया शैडो एरिया नहीं रहेगा चप्पे-चप्पे पर पूरी निगरानी रहेगी.

4 जून को मतगणना के लिए कुल 100 टेबल बनाए गए हैं. इसे विधानसभावार बांटा गया है. इसमें 44-बहरागोड़ा के लिए 14 टेबल, 45-घाटशिला हेतु 15, 46-पोटका के लिए 16, 47- जुगसलाई के लिए 20, 48-जमशेदपुर पूर्वी के लिए 19 तथा 49-जमशेदपुर पश्चिमी के लिए 16 टेबल लगाये जाएंगे. इसके अलावा 04 जून को पूर्वाह्न 7:59 बजे तक सर्विस वोटर के पोस्टल बैलेट प्राप्त किये जायेंगे. सुबह 04 बजे ईटीबीपीएस और पोस्टल बैलेट स्ट्रांग रूम खुलेगा. सुबह 7 बजे ईवीएम स्ट्रांग रूम खोले जाएंगे. मतगणना केंद्र में प्रवेश के दौरान काउंटिंग एजेंट को कॉपी, पेन एवं कागज लाने की अनुमति नहीं होगी. इसके अलावा काउंटिंग एजेंट किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, खाने-पीने की वस्तु या अन्य कोई भी सामान नहीं ले जा सकेंगे. बताया गया कि पूरे जिले में धारा 144 लागू है.

शील्ड एकादश ने जीता जीबीपीएल-8 का खिताब

जमशेदपुर | बिग बैश गुरुद्वारा बस्ती प्रीमियर लीग (जीबीपीएल) के आठवें संस्करण का गुरुवार को फाइनल मैच खेला गया. इसमें शील्ड एकादश ने नवयुवक टीम को 63 रनों से हरा कर टूर्नामेंट के खिताब पर अपना कब्जा जमा लिया. बिग बैश जीबीपीएल श्रृंखला के सभी मैच साकची गुरुद्वारा मैदान में खेले गये.

शील्ड एकादश के हरफनमौला खिलाड़ी नीरज विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पूरी श्रृंखला में 28 छक्के लगा कर सिक्सर किंग बने. इतना ही नहीं नीरज ने पूरे टूर्नामेंट में 204 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने का गौरव भी हासिल किया. वहीं नवयुवक टीम के अमित कुमार 11 विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने. टूर्नामेंट में चमत्कारी कैच के लिए नवयुवक के खिलाड़ी ध्रुवपाल को पुरस्कृत किया गया. प्रतियोगिता की तीसरी टीम पंजाब किंग्स रही.

साकची गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशान सिंह पारितोषिक वितरण समारोह के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि खेलप्रेमी समाजसेवी अर्जुन सिंह वालिया और साकची गुरुद्वारा के महासचिव परमजीत सिंह काले विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित थे.

चोरी के कारण खरीदनी पड़ती है एक हजार मेगावाट अधिक बिजली : जीएम

संवाददाता | आदित्यपुर

- प्रतिमाह 1200 मेगावाट बिजली बेकार चली जाती है
- बिजली थाना होता तो रुक सकती थी बिजली चोरी

बिजली चोरी और इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से हर माह 1200 मेगावाट बिजली बेकार चली जाती है. इसकी वजह से 1000 मेगावाट बिजली अधिक खरीदनी पड़ती है. उक्त बातें विद्युत जीएम श्रवण कुमार ने शुभम संदेश से कही. उन्होंने कहा कि अगर राज्य में 2003 में गठित इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत अगर हर जिले में बिजली थाना का गठन कर लिया जाता बिजली चोरी रुक सकती थी. चूंकि हर माह बिजली चोरी की वजह से लाइन लॉस 35 से 40 फीसदी होती है, इस पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है जो हम नहीं कर पा रहे हैं. जमशेदपुर एरिया बोर्ड के महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने बताया कि हमें बिजली चोरी रोकने के लिए समय पर पुलिस प्रशासन का सहयोग नहीं मिल पाता है.

अभी गर्मी में ज्यादातर चोरी रात में हुकिंग से हो रही है. हम छापेमारी दिन में करते हैं, जिससे हमें ज्यादा सफलता नहीं मिलती है. इसके बावजूद पूरे एरिया बोर्ड में हम एंटी विद्युत ऊर्जा चोरी अभियान चलाकर हर महीने करीब हजार केस विभिन्न थाना में करते हैं. लेकिन फिर भी बिजली चोरी थम नहीं रही है.

विद्युत ऊर्जा की चोरी करने वाले रात में हुकिंग करते हैं जिसे हम प्रशासनिक सहयोग नहीं मिलने की वजह से पकड़ नहीं पाते हैं.

डेढ़ साल पहले टूट गया था अर्थिंग तार, अब तक नहीं लगा, लोगों ने की शिकायत

जमशेदपुर | मानगो के शर्मा लाइन स्थित आशीर्वाद नगर में लगभग डेढ़ साल पहले बिजली के खंभे से अर्थिंग का तार टूट कर गिर गया था. डेढ़ वर्ष से लगातार स्थानीय लोगों ने इसकी मौखिक और लिखित शिकायत विभाग के सभी अधिकारियों से सैकड़ों बार की. स्थानीय लोगों को आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिला. बिना अर्थिंग के वोल्टेज और बिजली का झटका लगने के खतरे की मार झेल रहे स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता विकास सिंह को मोहल्ले में बुलाकर समस्या से अवगत कराया.

आशीर्वाद नगर पहुंचे भाजपा नेता विकास सिंह को स्थानीय लोगों ने बताया कि विगत डेढ़ वर्ष पहले अर्थिंग का तार टूट के गिर गया था. स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के सभी अधिकारियों को इसके लिखित और मौखिक शिकायत सैकड़ों बार की है.

इस संदर्भ में स्थानीय लोगों ने जेनरल मैनेजर से दो बार मुलाकात भी की, लेकिन अभी तक अर्थिंग का तार नहीं जोड़ा गया.

शहर ने नम आंखों से दी काले की मां बलवंत कौर खनूजा को अंतिम विदाई

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

- स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले की माता बलवंत कौर खनूजा के पार्थिव शरीर का रविवार को भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया. इससे पूर्व स्व बलवंत कौर खनूजा की अंतिम यात्रा उनके काशीडीह स्थित आवास से निकली, जो गुरुद्वारा साहिब साकची होते हुए भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पहुंची. वहां विधि-विधान के साथ उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया. बता दें कि बलवंत कौर खनूजा का पिछले शुक्रवार को स्वर्गवास हो गया था. वे अपने पीछे चार पुत्र त्रिलोचन सिंह (पम्मी), दलजीत सिंह (राजे), अमरप्रीत सिंह (काले), रणबीर सिंह (बबलू), पुत्रवधू एवं पोते-पोतियों से भरापूरा परिवार छोड़ गयी हैं. रविवार को भी श्री काले के आवास पर उनके समर्थकों व इष्ट-मित्रों का आना जारी रहा. सबने उनसे मिल कर शोक व्यक्त किया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने व परिवार को सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की. अंतिम यात्रा में कई गणमान्य लोग शामिल हुए.

मेरुघाटी पिकनिक स्पॉट ठहरने की व्यवस्था तो दूर पेयजल व शौचालय तक नहीं

प्रकृति ने तो दोनों हाथों से लुटाया पर सरकार के हाथ खाली

खास बातें

- पर्यटक स्थल का विकास हो जाए तो पलायन भी थमेगा
- नवंबर से फरवरी तक बड़ी संख्या में पहुंचते हैं पर्यटक

हिमांशु करण | बहरागोड़ा

मेरुघाटी पिकनिक स्पॉट का मनमोहक नजारा.

पिकनिक स्पॉट की बदहाली बयां करती टूटी कुर्सियां.

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बनकटा पंचायत अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी किनारे स्थित मेरुघाटी पिकनिक स्पॉट पर प्रकृति ने तो दोनों हाथों से भरपूर सौंदर्य लुटाया है लेकिन सुविधाओं के नाम पर सरकार के हाथ खाली नजर आते हैं. यहां नवंबर से फरवरी तक पिकनिक मनाने वाले सैलानियों का भीड़ सबसे अधिक रहती है.

ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के दूरदराज से भी पर्यटक यहां आते हैं. लेकिन सुविधाओं के अभाव में पर्यटक निराश होकर लौटते हैं. यहां प्रकृति ने इतना कुछ दिया है अगर सरकार भी थोड़ा ध्यान दे दे तो आसपास के ग्रामीणों की दशा कुछ अलग होगी. यहां ठहरने के लिए कोई भी भवन नहीं रहने के कारण सैलानियों को लगभग छह किलोमीटर दूर अवस्थित बहरागोड़ा बाजार में अवस्थित निजी लॉज में ठहरना पड़ता है. बनकटा गांव से पिकनिक स्थल तक जाने के लिए कच्ची पगडंडीनुमा सड़क से होकर जाना पड़ता है. जिससे बाहर से आने वाले पर्यटकों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है.

कुछ ग्रामीणों का कहना है कि नदी किनारे तक सड़क नहीं रहने के कारण लोग इस जगह आने से कतराते हैं. पिकनिक स्पॉट पर पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था नहीं होने के कारण आने वाले सैलानियों खासकर महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

वहीं नदी के दूसरे तट पर ओडिशा राज्य की सीमा लगती है जिसमें सरकार की ओर से सैलानियों के लिए शौचालय तथा पेयजल का उचित प्रबंध किया गया है.

आसपास के कई गांव के ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकार इस क्षेत्र को टूरिज्म को तौर पर विकास करे तो क्षेत्र की दिशा और दशा आज कुछ अलग ही होती. क्षेत्र का विकास नहीं होने के कारण आज भी यहां के लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं तथा युवक मजदूरी के लिए आए दिन दूसरे राज्य में पलायन करने को मजबूर हैं.

सरकार अगर यहां पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था कर दे तो पर्यटकों की संख्या बढ़ने से लोगों को यहीं रोजगार मिलने लगेगा जिससे क्षेत्र से पलायन भी रुकेगा.

न्यूज अपडेट

विधि विधान से शुरू हुआ अष्ट पहर हरिनाम संकीर्तन

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाटपुर गांव में अष्ट पहर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ रविवार को ब्रह्ममुहूर्त से हरिनाम संकीर्तन शुरू हुआ. पुजारी ने वैदिक रीति रिवाज के अनुसार सुबह से पूजा अर्चना की. पूजा अर्चना के लिए आसपास के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. लोग पूजा अर्चना करके क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की. वहीं ग्रामीणों के बीच दोपहर को महाप्रसाद का वितरण किया गया. उड़ीसा, पश्चिम बंगाल व स्थानीय कीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन प्रस्तुत किया गया. तीन जून को दधि महोत्सव के बाद हरि नाम संकीर्तन का समापन होगा.

सिख श्रद्धालुओं ने किया चना-शर्बत का वितरण

जमशेदपुर | भालूबासा पुल पर सीतारामडेरा निवासी सिख श्रद्धालुओं की ओर से रविवार को चना शर्बत का वितरण किया गया. इससे राहगीरों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली. हालांकि यह आयोजन सिखों के पांचवें गुरु अर्जन देव जी की शहादत को याद करते हुए किया गया. वितरण कार्यक्रम आरंभ करने से पूर्व अरदास की गई. अरदास में सीतारामडेरा कमेटी प्रधान हरजिंदर सिंह, झारखंड सिख विकास मंच के संस्थापक गुरदीप सिंह अध्यक्ष दलजीत सिंह, सांझी आवाज संस्था के संस्थापक एवं भाजपा नेता सतबीर सिंह सोमू, चंचल सिंह भाटिया समेत कई लोगों ने शिविर में शामिल होकर लोगों की सेवा की.

सीएस से चांडिल में जेल बनाने की मांग करेगी जलाडो

आदित्यपुर | झारखंड लीगल एडवाइजरी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (जलाडो) की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को मार्ग संख्या 32 में हुई. इसमें कई निर्णय लिए गए. चांडिल कोर्ट खुले दो साल बीत जाने के बाद भी जेल की सुविधा नहीं है. वहां जेल बनाने के लिए मुख्य सचिव को पत्र लिख कर मांग की जाएगी. दूसरे निर्णय में जनहित याचिका की जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधि को दी जाएगी और उन्हें भी जन समस्याओं को लेकर पार्टी बनाया जाएगा. चूंकि वे भी जनहित के मुद्दों पर जवाबदेह हैं. तीसरा मुद्दा एक जुलाई से हो रहे कानून में तब्दीली को लेकर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा.

पुआल लदे पिकअप वैन में बिजली तार से लगी आग

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच 18 पर झरिया मोड़ के समीप पुआल लदे पिकअप वाहन में आग लग गई. वाहन के चालक ने भाग कर अपनी जान बचाई. जानकारी के अनुसार पिकअप वैन (जेएच 05बीपी 0496) बहरागोड़ा के झामझाम होटल के समीप स्थित धर्म कांटा पर वजन करने जाते वक्त वैन में 220 वोल्ट के तार की चपेट में आने से आग लग गई. पिकअप वैन का ड्राइवर तत्काल सतर्कता दिखाते हुए गाड़ी छोड़कर निकलने में सफल रहा. इस हादसे में लगभग ₹20000 मूल्य का पुआल जलकर खाक हो गया. सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना प्रभारी विकास कुमार शर्मा घटना स्थल पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचित किया.

कल्याण समिति के शिविर में 61 यूनिट रक्त संग्रह

आदित्यपुर | श्री चित्रांश महापरिवार कल्याण समिति एमआईजी आदित्यपुर के रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह दिखा. भीषण गर्मी में भी लोग रक्त देने आये थे. एमआईजी दुर्गा पूजा मैदान परिसर में सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन महापरिवार के संयोजक अरुण कुमार सिन्हा की पत्नी स्वर्गीय रीता सिन्हा की स्मृति में आयोजित की गई. इस शिविर में 61 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. रक्तदान शिविर के सफल संचालन में संरक्षक रंजन प्रदीप, अध्यक्ष भैया सूरज भूषण, उपाध्यक्ष मधुकर श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष धीरज सिन्हा, तनिष्क श्रीवास्तव, रोहित सिन्हा, प्रेस प्रभारी धीरेंद्र प्रसाद आदि शामिल रहे.

आधे घंटे की बारिश में ही कई घरों में घुसा पानी

आदित्यपुर | आदित्यपुर में दिन भर की उमस भरी गर्मी के बाद आई आंधी और आधे घंटे की बारिश में कई घरों में बारिश का पानी प्रवेश कर गया. नगर निगम के वार्ड 17 स्थित ब्लॉक नंबर 18 की सड़कें जलमग्न हो गईं. वहीं कई लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर गया. कॉलोनी के लोगों ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा नाली की सफाई नहीं कराने की वजह से यह हाल हुआ है. वह केवल होल्डिंग और यूजर्स चार्ज लेने की फिराक में रहता है, लेकिन क्षेत्र की देखरेख के प्रति निगम के कर्मचारी काफी लापरवाही बरतते हैं. बता दें कि तेज आंधी की वजह से कई घरों की खिड़कियां भी टूटने की खबर है. हालांकि पिछले कई दिनों से नौतपा में झुलस रहे लोगों को इस आंधी पानी ने राहत भी पहुंचाई है. मौसम भी सुहाना हो गया है.

चांडिल रक्तदान शिविर में 118 यूनिट रक्त संग्रह

चांडिल | सामाजिक संस्था श्री शनिदेव भक्त मंडली (ट्रस्ट) द्वारा रविवार को अब तक का 39वां और इस वर्ष का छठा रक्तदान शिविर आयोजित किया. ट्रस्ट के चांडिल ब्रांच द्वारा चांडिल स्थित डाक बंगला परिसर में एमजीएम ब्लड सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई. भीषण गर्मी के बीच शिविर में 118 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. चांडिल टीम के साथ मंडली अध्यक्ष जयदेव बैनर्जी ने बताया कि शिविर में 108 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया था. शिविर में 17 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया. इन रक्तदाताओं को मंडली की ओर से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. शिविर मंडली अध्यक्ष जयदेव बनर्जी और युवा समाज सेवी मनीष महतो के संरक्षण में सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक संचालित की गई.

मतगणना कल, स्ट्रांग रूम में 75 दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी रहेंगे तैनात

महिला कॉलेज में सुरक्षा चाकचौबंद

खास बातें

- विधानसभावार होगी मतगणना की गिनती
- मंगलवार की सुबह आठ बजे से शुरू होगी वोटों की गिनती
- उपायुक्त व एसपी ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण
- बिना आई कार्ड के किसी को नहीं मिलेगी इंट्री

मतगणना स्थल का जायजा लेते पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी.

गाइडलाइन से प्रत्याशियों को अवगत कराते जिला निर्वाचन पदाधिकारी.

संवाददाता | चाईबासा

महिला कॉलेज चाईबासा में बने स्ट्रांग रूम में बंद ईवीएम मंगलवार को खुलेगा. लोकसभा के लिये 14 प्रत्याशियों का भाग्य सामने आयेगा. ईवीएम में बंद किस्मत का पिटारा खुल जायेगा. सुबह आठ बजे से मतगणना आरंभ होगी. इसको लेकर जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है. महिला कॉलेज के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया है. किसी भी तरह की अनहोनी न हो इसके लिए दंडाधिकरी भी नियुक्ति किये गये हैं. स्ट्रांग रूम के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया है.

भीड़ को नियंत्रित करने के लिये अलग से सुरक्षा बल की तैनाती की गयी है. मतगणना कक्ष के अंदर व बाहर लगभग 75 की संख्या में पुलिस पदाधिकारी तैनात रहेंगे. चाईबासा के हर चौक चौराहे पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है. लगभग 100 से अधिक दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की तैनाती रहेगी. साथ ही पुलिस बल के जवान तैनात रहेंगे. उपायुक्त कुलदीप चौधरी व एसपी अशुतोष शेखर की संयुक्त मॉनिटरिंग से मतगणना होगी. प्रत्याशियों के लिये अलग-अलग केबिन बनाया गया है. साथ ही प्रत्येक प्रत्याशी को एक-एक एजेंट पास दिया गया है. इधर जिला प्रशासन की ओर से स्ट्रांग रूम में प्रवेश से पूर्व सभी लोगों के आई कार्ड की जांच होगी. उसके बाद प्रवेश करने दिया जाएगा.

सरायकेला विधानसभा के लिये बना 27 टेबल सरारयकेला विधानसभा के लिये 27 टेबल बनाया गया है. अन्य विधानसभा की तुलना में सबसे अधिक टेबल सरायकेला विधानसभा में है. वहीं जगन्नाथपुर विधानसभा के लिए कुल 17 टेबल बनाये गये हैं. चाईबासा, मझगांव, चक्रधरपुर, मनोहरपुर विधानसभा में 14 से 18 टेबल बनाये गये हैं. सबसे पहले पोस्टल बैलेट पेपर की गणना होगी. उसके पश्चात ईवीएम खोली जायेगी.

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्ण रूप से प्रतिबंधित

चाईबासा जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में सिंहभूम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना को लेकर अभ्यर्थी, उनके निर्वाचन अभिकर्ता, प्राधिकृत प्रतिनिधि के साथ रविवार को बैठक हुई. बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतगणना को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन की विस्तृत जानकारी सभी को दी. उन्होंने मतगणना स्थल महिला कॉलेज में मतगणना कर्मियों, मतगणना एजेंट के आने-जाने के बारे में जानकारी दी गयी. उपायुक्त ने कहा कि मतगणना स्थल पर थ्री लेयर की सिक्योरिटी है. मतगणना स्थल पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे. सभी को वज्रगृह के खुलने और मतगणना प्रारंभ होने के समय की जानकारी दी गई. उपायुक्त ने कहा कि वे विधानसभावार, टेबल के अनुसार अपने एजेंट की प्रतिनियुक्ति कर सकते हैं. दोपहिया वाहन और चार पहिया वाहन हेतु चयनित पार्किंग स्थल की भी जानकारी दी गयी. बैठक में सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चाईबासा अनिमेष रंजन, मंझगांव कमलेश्वर नारायण, चक्रधरपुर के रीना हांसदा, उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लॉन्गा, विभिन्न अभ्यर्थी, उनके निर्वाचन अभिकर्ता, प्राधिकृत प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे.

लापरवाही के दंश झेल रहे नोवामुंडी के किसान

किरीबुरू | नोवामुंडी प्रखंड क्षेत्र के कृषकों को अपनी उपजों की खरीद बिक्री नाली के ऊपर अथवा लोगों के आने जाने की संकीर्ण रास्तों व गलियों में बैठकर करनी पड़ती है. वैसे, प्रखंड मुख्यालय में स्थित नोवामुंडी के सप्ताहिक बाजार रविवार को लगता है. अंचल कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक नोवामुंडी बाजार की जमीन लगभग 3 एकड़ 27 डिसमल दर्ज है. परंतु बीडीओ व सीओ की कथित उदासीनता के चलते बाजार की जमीन वर्तमान में महज 14 डिसमल सिकूड कर रह गयी.

करीब ढाई एकड बाजार की जमीन पर तथाकथित दबंग लोगों ने कब्जा जमाया है. साथ ही, सहकारिता व अंचल विभाग की ओर से निर्मित लगभग 75 दूकानों पर भी दबंग लोगों ने कब्जा जमा लिया है.

दूर दराज व सुदूर गाँवों से कृषक अपनी उपजों को लेकर आते हैं, लेकिन इसे बैठकर बेचने के लिये जगह, जमीन ही नही है. कई मर्तबा क्षेत्र के मानकी, मुंडा व विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने बीडीओ, सीओ, विधायक सोनाराम सिंकु व सांसद गीता कोडा के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा को ज्ञापन सौंप कर बाजार की अतिक्रमण किये गये भूखंड से अतिक्रमण हटवाने की माँग कर चुके हैं, लेकिन यह समस्या पिछले 30 सालों से जस के तस बनी हुई है.

प्रखंड क्षेत्र के सैकडों कृषक प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), अंचलाधिकारी और जन प्रतिनिधियों की लापरवाही से काफी परेशान हैं.

न्यूज अपडेट

नये फाउंटेन का सफल ट्रायल, जल्द होगा उद्घाटन

किरीबुरु | सेल की किरीबुरु प्रबंधन ने ओपेन थियेटर व बिरसा स्मारक के बीच में एक आकर्षण फाउंटेन (फव्वारा) लगाया है. रंग-बिरंगी लाइटों से लैस इस फव्वारे का शुक्रवार की रात सफल ट्रायल किया गया. फिलहाल इस स्थान पर अभी सौंदर्यीकरण का कुछ काम बाकी है. कार्य संपन्न होने के बाद किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय और महाप्रबंधक (सिविल) डीबी जयकर फाउंटेन का उद्घाटन करेंगे. विकास कार्यों के तहत टाउनशिप की लगभग सभी सड़कों का निर्माण करा दिया गया है.

दो दिवसीय क्विज व ड्रॉइंग प्रतियोगिता आज से

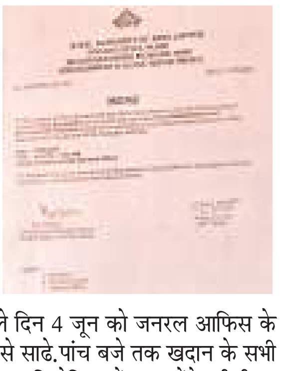

किरीबुरु | विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेघाहातुबुरू लौह अयस्क खदान प्रबंधन खान पुनर्वास और पर्यावरण संरक्षण विषय पर क्विज और ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन करेगा. एचआरडी सेंटर मेघाहातुबुरु में 3 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित प्रतियोगिता में कर्मचारियों के बच्चे और केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी भाग लेंगे. अगले दिन 4 जून को जनरल आफिस के कॉन्फ्रेंस हॉल में शाम साढे.चार बजे से साढे.पांच बजे तक खदान के सभी कर्मी (कार्यकारी और गैर-कार्यकारी) प्रतियोगिता में भाग लेंगे. सीजीएम आर पी सेलबम ने सभी से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है.

बादल छाने से किरीबुरु में मौसम हुआ सुहाना

किरीबुरु | सारंडा की सबसे ऊंची चोटी पर बसी सेल नगरी किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में बिना वर्षा के भी मौसम सुहाना हो गया है. शहर के आसमान में एक जून से ही काले बादल छाए हुए हैं जो रविवार को भी दिखे. बादलों की वजह से पूरे शहर में ठंडी हवा चल रही है, जिससे गर्मी का थोड़ा भी एहसास घर के अंदर अथवा बाहर लोगों को नहीं हो रही है. रविवार को किरीबुरु-मेघाहातुबुरु का न्यूनतम तापमान 21 डिग्री से. एवं अधिकतम 30 डिग्री से. के आसपास दर्ज किया गया. जबकि दो-तीन दिन पहले शहर का तापमान अब तक के सर्वोच्च 40 डिग्री से. तक पहुंच गया था.

प्राधिकार के सचिव मंडल कारा में बंदियों से मिले

चाईबासा | झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने एलएडीसी के उप प्रमुख सुरेंद्र प्रसाद दास और एलएडीसी सहायक रत्नेश कुमार के साथ स्थानीय मंडल कारा में आवासित बंदियों से मुलाकात की. उन्होंने वैसे बंदियों का पता लगाने का प्रयास किया, जिनके पास अधिवक्ता न हों या जिनके परिजन उनसे मिलने नहीं आते हों या उन्हें जमानतदार नहीं मिल पा रहा हो. मालूम हो कि ऐसे मामलों में उन्हें प्राधिकार द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है.

स्व0 लव पूर्ति की स्मृति में 53 यूनिट रक्त संग्रह

चक्रधरपुर | बदगांव प्रखंड की कराईकेला पंचायत भवन में रविवार को लव पूर्ति के स्मृति में सुमिता होता फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा, कराईकेला थाना प्रभारी अंकित कुमार, मुखिया कुश पूर्ति, समाजसेवी सदानंद होता, फाल्गुनी साहु ने स्व. लव पूर्ति के तस्वीर के समीप दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया. इस शिविर में कुल 53 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है. रक्तदान किसी की जीवन बचाता है. शिविर में रक्तदान करने वालों को अतिथियों ने प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया. मौके पर कमल देव प्रधान, रवि चंद्र गोप, नितेश कुमार मंडल, कृष्णा महापात्र, सहदेव आयोजन समिति के अन्य सदस्य व स्थानीय लोग मौजूद थे.

ग्रिड में खराबी आने के कारण ठप रही बिजली

चक्रधरपुर | मनोहरपुर के मनीपुर स्थित विद्युत ग्रिड में खराबी आने के कारण शनिवार की रात को बिजली आपूर्ति ठप रही. इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा. रात भर बिजली नहीं रहने के बाद रविवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे बिजली बहाल हो पाई. रातभर बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को रतजग्गा भी करना पड़ा. बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात मनोहरपुर और आसपास के क्षेत्रों में चली तेज हवा के कारण छोटानागरा विद्युत फीडर में खराबी आ गई थी. इससे फीडर के पावर ग्रिड में ट्रिप हो गया और मनोहरपुर व आसपास के क्षेत्रों में बिजली कट गई और पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया. पावर ग्रिड में आयी खराबी का पता चलते ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उसे ठीक करने जुट गए. इसे ठीक करने में सुबह हो गई. इसके बाद रविवार सुबह बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी.

रेलवे के साउथ वेस्ट इंस्टीट्यूट में समर कैंप आयोजित

चक्रधरपुर | चक्रधरपुर के रेलवे साउथ वेस्ट इंस्टीट्यूट में पश्चिम सिंहभूम जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान में 10 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया. इस मौके पर मौजूद रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव तेज नारायण प्रसाद, समाजसेवी नीतू साहू, रंगकर्मी दिनकर शर्मा, जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष प्रमोद भगेरिया, उपाध्यक्ष विजय दत्ता, सचिव अनुराग शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर समर कैंप का शुभारंभ किया. इस दौरान ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने खेल का प्रदर्शन भी किया. वहीं मौके पर राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया. मौके पर ताइक्वांडो खिलाड़ियों के अलावे उनके अभिभावक मौजूद थे.

चक्रधरपुर के रेल नगरी पंचमोड़ स्थित भगवान वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर प्रांगण में ध्वजा अवरोहण करते पुजारी

सुदर्शन चक्रस्नानम् अनुष्ठान संपन्न

संवाददाता | चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के रेल नगरी पंचमोड़ स्थित भगवान वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर का 41वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव समारोह के पांचवें दिन रविवार को सुदर्शन चक्रस्नानम अनुष्ठान किया गया. सबसे पहले वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकेटश्वर, माता पद्मावती और माता आंडालू की प्रतिमा का अभिषेक किया गया. इसके बाद अभिषेक के जल से मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का महासंप्रोक्षण कराया गया. चक्रस्नानम के बाद ध्वजारोहण किया गया. इस दौरान गोविंदा-गोविंदा के जयकारे से आस-पास का क्षेत्र भक्तिमय हो गया. इसके बाद आंध्र प्रदेश के तिरुपति से पहुंचे मुख्य पुजारी अनंत नारायण आचार्य नेल्लूर सहित अन्य पुजारियों ने महापूर्णाहूति कराया. महापूर्णाहूति के बाद अक्षत रोपणम,अर्चकों का सनामान, जजमान आर्शीवाद और तीर्थ प्रसाद का वितरण किया गया. इससे पहले सुप्रभातम, नादस्वरम, तोमल सेवा, विश्वकसेना आराधना, पुण्यवचनम, कुंभ आराधना, नित्य होमम और वसंतोसिवम अनुष्ठान विधिपूर्वक किया गया.

शाम सात बजे से शुरु हुआ कल्याणम्, उमड़ी भीड़चक्रधरपुर के बालाजी मंदिर में चल रहे ब्रह्मोत्सव अनुष्ठान के पांचवें दिन दोपहर में महापूर्णाहूति,अक्षत रोपणम्, जजमान व तीर्थ आर्शीवाद के बाद शाम सात बजे से भगवान वेंकटेश्वर का कल्याण प्रारंभ हुआ.

कल्याणम् के दौरान विधि विधान के साथ भगवान वेंकेटेश्वर का विवाह संपन्न कराया गया. जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु उपस्थित हुये.भगवान वेंकेटेश्वर के कल्याणम को लेकर बालाजी मंदिर परिसर में बने मंडप को आकर्षक फूलों से सजाया गया था.जहां मंत्रोच्चारण व गाजे-बाजे के बीच कल्याणम् संपन्न कराया गया.

ब्रीफ खबरें

परशुराम जयंती समारोह को लेकर मानगो में बैठक

जमशेदपुर | परशुराम जयंती महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है. 9 जून को गोपाल मैदान में प्रस्तावित परशुराम जयंती समागम को लेकर लगातार विभिन्न क्षेत्रों में बैठके हो रही हैं. मानगो डिमना रोड स्थित राजस्थानी भवन मे भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति की बैठक शिव प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में हुई. बैठक मे समिति का नेतृत्व कर रहे कमल किशोर ने बताया की ब्राह्मणों की सहभागिता और वर्तमान व्यवस्था को एक नया आयाम स्थापित होगा और यही आज की जरूरत हैं. अभी तक ब्राह्मणों की क्षमता पर संदेह करने वाले लोग पूरे सनातन धर्म पर उंगली उठाते हैं.

सोनारी सिख संगत ने लगाई छबील

जमशेदपुर | सिखों के पांचवें गुरु अर्जन देव जी के संदेश को आगे बढ़ाते हुए सोनारी की सिख संगत और जोड़ी राइडर्स के सदस्यों ने कागलनगर बाजार में छबील का आयोजन किया. इसमें सभी लोगों ने तन, मन, धन से सेवा की. लोगों के बीच चना, तरबूज और शर्बत का वितरण किया गया. तत्पश्चात सभी सदस्यों के लिए लंगर की व्यवस्था की गई थी.

आंधी व बारिश से प्रभावित लोगों से मिलीं पार्षद

जमशेदपुर | आंधी तूफान के साथ बारिश ने कई जगहों पर भारी तबाही मचायी. इस दौरान बागबेड़ा के उतरी बागबेड़ा पंचायत स्थित नया बस्ती में अनेक घरों में नाला का पानी घुस गया. इस वजह से आवागमन बाधित हो गया. सूचना पा कर जिला पार्षद डॉ कविता परमार वहां पहुंचीं और क्षेत्र का मुआयना किया. इसके बाद उन्होंने तत्काल सीओ और विशेष पदाधिकारी से फोन पर बात की. साथ ही स्थिति की जानकारी देते हुए इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करने को कहा. अधिकारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सोमवार की सुबह से सफाई का कार्य किया जाएगा.

सेल प्रबंधन : एक आंख में काजल तो एक में सुरमा

अलग-अलग खदानों में अलग-अलग नियम

शैलेश सिंह | किरीबुरु

सेल, बीएसएल के अधीन झारखंड खान समूह की गुआ एवं किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदानों में सेल प्रबंधन ने कई अलग-अलग नियम बनाये हैं जो हमेशा से विवादों व चर्चा में बना रहता है. सेल की तमाम खदानों के सेलकर्मियों व ठेका मजदूरों के लिये आज तक सेल प्रबंधन एक नियम नहीं बना सका है. उदाहरण के तौर पर गुआ खदान में रविवार को छुट्टी के दिन ड्यूटी करने वाले सेलकर्मियों को प्रबंधन की तरफ से एक दिन का वेज एवं एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी देने का प्रावधान है. वहीं किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के सेलकर्मियों को सिर्फ एक दिन का वेज दिया जाता है. उन्हें छुट्टी नहीं दी जाती है. इसके अलावा राष्ट्रीय छुट्टी के दिन ड्यूटी करने वाले गुआ एवं मेघाहातुबुरु खदान के सेलकर्मियों को दो वेज एवं एक छुट्टी का प्रावधान है, जबकि किरीबुरु के सेलकर्मियों को सिर्फ दो वेज ही मिलता है.

छुट्टी नहीं. इसके अलावे गुवा खदान के सप्लाई मजदूरों को प्रबंधन की तरफ से आवास एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है. किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान के सप्लाई मजदूरों के लिये यह सुविधा उपलब्ध नहीं है. एक ही संस्थान के अधीन कार्यरत सेलकर्मियों व सप्लाई मजदूरों के लिये अलग-अलग खदान में अलग-अलग सुविधा मिलने से कई सवाल खडे.हो रहे हैं. इससे सेलकर्मियों व सप्लाई मजदूरों में सेल प्रबंधन के खिलाफ हमेशा से सवाल उठाये जाते रहे हैं. इस मामले में झारखंड मजदूर संघर्ष संघ, मेघाहातुबुरु के महासचिव अफताब आलम एवं किरीबुरु के महासचिव राजेन्द्र सिन्द्रिया ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है.

इसके लिये हमलोग उच्च प्रबंधन के पास कई बार सवाल उठाये कि एक संस्थान में अलग-अलग नियम क्यों? लेकिन प्रबंधन कोई पहल नहीं कर रहा है. राजेन्द्र सिन्द्रिया ने कहा कि वर्ष 964 अर्थात् जब से खदान चालू हुआ है, तब से एक यूनियन को मान्यता देने के बाद यहां कभी चुनाव ही नहीं हुआ. श्रम विभाग भी कभी चुनाव कराना ही नहीं चाही है. इससे ऐसी असमानतायें व अनियमितता व्याप्त है. चुनाव होने से यह सभी समस्या दूर होती. एटक, मेघाहातुबुरु के सचिव गुंजन ने कहा कि हमारा यूनियन पहले से सेल प्रबंधन से सभी खदानों का एक संयुक्त यूनिफार्म पॉलिसी बनाने की मांग कर रही है. लेकिन प्रबंधन कभी भी सेलकर्मियों की इन मांगों को पूरा करने का कार्य नहीं किया. एक ही संस्था के अलग-अलग खदान में अलग-अलग नियम कहीं से भी उचित नहीं है.

5 को मशाल जुलूस व 6 को चक्रधरपुर बंद

मुंडा को गोली मारने वालों को दो दिन में पकड़ने की मांग

संवाददाता | चक्रधरपुर

चक्रधरपुर प्रखंड के उलीडीह के ग्रामीण मुंडा दीपक बोदरा को गोली मारने के आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किये जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है. इसे लेकर रविवार को उलीडीह गांव में ग्रामीणों की बैठक हुई. जहां मुख्य रूप से समाजसेवी बसंत महतो भी उपस्थित हुए. ग्रामीणों ने कहा कि 25 मई को ग्रामीण मुंडा को बदमाशों ने गोली मारी थी.

इससे वे घायल हो गए थे. घटना के तुरंत बाद पुलिस ने जल्द ही मामले का उद्भेदन करने का निर्णय लिया था, लेकिन पुलिस आरोपियों को अब तक नहीं पकड़ पाई है. घटना के दूसरे दिन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सड़क जाम भी किया गया था. जहां पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि तीन दिन के भीतर आरोपी पकड़े जाएंगे, परंतु एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी आरोपियों को पकड़ा नहीं गया है. ग्रामीणों ने कहा कि गोलीकांड मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच होनी चाहिए. मौके पर ग्रामीणों ने निर्णय लेते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम दिया जाता है, अगर पुलिस द्वारा दो दिन में निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई नहीं की जाती है तो चक्रधरपुर में 5 जून को मशाल जुलूस निकालकर 6 जून को शहर बंद करने का आह्वान किया जाएगा. ग्रामीणों ने अपने स्तर पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है.

बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे. बता दें कि 25 मई की दोपहर जब उलीडीह के ग्रामीण मुंडा दीपक बोदरा रांची-चाईबासा मुख्यमार्ग के चक्रधरपुर पोटका उलीडीह स्थित अपनी दुकान में पत्तलपोड़ा मीट बेच रहे थे, इसी दौरान दो बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर आकर दीपक बोदरा पर फायरिंग कर दी थी, जिससे दीपक बोदरा गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

जेएलएन कॉलेज 80 प्रतिशत खाली पद भरने के लिए सरकार दे चुकी है दो वर्ष पूर्व ही मंजूरी

अब तक नहीं हुई शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की बहाली

सुकेश कुमार | चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) के जेएलएन कॉलेज चक्रधपुर में शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के पदों का सृजन हो चुका है. राज्य सरकार ने इसकी स्वीकृति वर्ष 2022 में प्रदान कर दी थी, लेकिन बहाली प्रक्रिया अभी तक आरंभ नहीं हुई है. सृजन पद के अनुसार मात्र 20 प्रतिशत ही कर्मचारी कार्यरत हैं. इसके कारण कार्य में काफी बाधा उत्पन्न हो रही है.

अनुबंध पर अस्थायी बहाली कर काम चलाया जा रहा है. तृतीय व चतुर्थ वर्ग में 20 पदों का सृजन किया गया है. इसमें सबसे अधिक चतुर्थ वर्ग कर्मचारी का पद सृजन है. पियून पद में ही 13 पदों की स्वीकृति मिली है.

इन पदों का हुआ सृजन

पद	संख्या
तृतीय वर्ग	
हेड क्लर्क	01
एलडी क्लर्क	03
लाइब्रेरियन	01
काउंटर क्लर्क	01
टाइपिस्ट	01
चतुर्थ वर्ग	
पियून	13

कोल्हान विवि ने राज्य सरकार को पद सृजित कर मंजूरी के लिये भेज चुका है. राज्य सरकार ने मंजूरी प्रदान कर विवि को अधिकारिक पत्र भेज दिया. इसमें हेड क्लर्क, लाइब्रेरियन, काउंटर क्लर्क व टाइपिस्ट में 1-1 पद का सृजन हुआ है. एलडी क्लर्क में तीन पदों की स्वीकृति मिली.

सभी पदों को तृतीय वर्ग की श्रेणी में रखा गया है. वहीं, चतुर्थ वर्ग के लिये पियून पद में ही 13 पद निर्धारित किया गया है.

इधर, कॉलेजों में मात्र तीन से चार स्थायी शिक्षक ही कार्यरत हैं. बाकी सभी को अनुबंध के आधार पर रखा गया है.

सुरक्षा गार्ड का पद सृजन नहीं

कॉलेज प्रशासन की ओर से सुरक्षा गार्ड का पद सृजन पर विवि को प्रस्ताव भेजा था. लेकिन सुरक्षा गार्ड का पद सृजन नहीं हुआ. इधर, विवि ने भी सरकार को सुरक्षा गार्ड समेत अन्य कुछ पदों का नाम जिक्र कर सृजित करते हुये सरकार को भेजा था, लेकिन सरकार ने चतुर्थ वर्ग में सिर्फ पियून पद की संख्या को ही बढ़ा कर पद सृजन किया है. अब सरकार की ओर से कभी भी बहाली प्रकिया शुरू होती तो उक्त सृजन पद के तहत ही होगी.

रजरप्पा थाने में जहरीला सांप निकलने से मची अफरा-तफरी

संवाददाता।रामगढ़

रजरप्पा थाने के मेस में रविवार को एक विषैला सांप निकलने से पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई. मेस के पास सबसे पहले मुंशी प्रेमचंद यादव ने सांप देखा. बताया कि सबसे खतरनाक सांप सियरचंद्वा था. हालांकि पुलिसकर्मी द्वारा सांप को रेस्क्यू कर लिया गया और फिर दूर जंगल में छोड़ दिया गया.

इसके बाद थाने की पुलिसकर्मियों ने राहत की सांस ली. बताया गया कि थाने के मुंशी को किसी काम से मेस में आना हुआ तो उन्होंने देखा कि मेस में एक जहरीला सांप घूम रहा है, जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत थाना प्रभारी को दी. इसके बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर थोड़ी देर बाद थाने में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने मशक्कत कर सांप को रेस्क्यू कर उसे जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया. थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने बताया कि सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छुड़वा दिया गया है. मेरी लोगों से अपील है कि सांपों को मारने के बजाए उन्हें पकड़वाकर जंगलों में छोड़ दें ताकि उनकी प्रजाति विलुप्त होने से बची रहे.

खास बातें

- पुलिस कर्मचारियों ने सांप का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया
- थाना प्रभारी ने लोगों से सांप को नहीं मारने की अपील की

इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल व मुन्ना सिंह ने भाजपा के कथित फर्जी एग्जिट पोल से जनता को किया सचेत

एग्जिट पोल भारतीय जनता पार्टी की हताशा का प्रमाण : पटेल

संवाददाता।हजारीबाग

जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया. इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे. पटेल ने भाजपा द्वारा प्रचारित किए जा रहे भ्रामक एक्जिट पोल पर गहरा असंतोष जताया और इसे भाजपा की हताशा का प्रमाण बताया. उन्होंने कहा कि भाजपा की यह चाल कांग्रेस पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और जनता के समर्थन से घबराहट का परिणाम है.

इस महत्वपूर्ण सभा में कांग्रेस पार्टी की जिला समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या मेंउपस्थित रहे. मुन्ना सिंह ने भी सभा को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और उन्हें आने वाले चुनावों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सच्चाई और जनसेवा के मार्ग पर चलते हुए जनता के हितों की रक्षा करती रहेगी. प्रेस कांफ्रेंस में उपस्थित सभी लोगों ने जय प्रकाश भाई पटेल और मुन्ना सिंह की बातों का समर्थन किया और पार्टी के प्रति अपनी वफादारी और प्रतिबद्धता व्यक्त की. मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निशार ख़ान, अशोक देव, अजय गुप्ता, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष साजिद अली खान, केडी सिंह, इत्यादि लोग उपस्थित रहे थे.

प्रेस वार्ता करते कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश पटेल, मुन्ना सिंह व अन्य.

जनता ने गठबंधन को नकारा, पीएम मोदी पर फिर जताया विश्वास : अन्नपूर्णा

कोडरमा। कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह पूरी तरह सत्य साबित होगा. उन्होंने कहा कि जनता ने ठगबंधन को पूरी तरह रिजेक्ट करते हुए पीएम मोदी पर विश्वास जताया है. जनता का विश्वास विकसित भारत को लेकर है. इंडिया गठबंधन के लोग दुष्प्रचार में लगे रहे, लेकिन देश की जनता ने विकास को प्राथमिकता दी. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में तेजी से देश सशक्त हो रहा है.

अन्नपूर्णा देवी, भाजपा नेत्री

आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है. देश में हर क्षेत्र में विकास का पहिया आगे बढ़ा है. गरीबों का तेजी से उत्थान हो रहा है. गांव से शहर तक आधारभूत संरचनाओं को बहाल की गई है. साथ ही अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया गया. विकास का बेहतर परिणाम 4 तारीख को देखने को मिलेगा. एग्जिट पोल यथावत रहेगा और एनडीए गठबंधन 400 पार करेगा. अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि ठगबंधन को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है. अगले पांच साल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर होगा.

ब्रीफ खबरें

13 जुआड़ियों को बेल बाउंड भरवा कर छोड़ा

हजारीबाग। लोहसिगना थाना पुलिस ने शनिवार रात 2:00 बजे 13 जुआड़ियों को पकड़ उनके पास से लगभग 12 हजार रुपये जब्त किए. वहीं एक आरोपी युवक ने बताया कि छोड़ने के एवज में 20 हजार रुपये की मांग पुलिस कर रही है. वहीं इस संबंध में लोहसिगना थाना प्रभारी ने पूछे जाने पर बताया कि यह आरोप निराधार है. रात 2:00 बजे पुलिस ने 13 लोगों को पकड़ा था. रात ज्यादा होने के कारण उन्हें सदर थाने की हाजत में रखा गया था. रविवार को इन लोगों को बेल बाउंड भरवा कर छोड़ दिया गया है. ये सभी छोटे जुआड़ी थे.

नॉलेज जंक्शन का किया गया उद्घाटन

रामगढ़। झंडा चौक में रविवार को रामगढ़ कॉलेज के अध्यक्ष नितेश कुमार मोदी ने नॉलेज जंक्शन नामक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि नॉलेज जंक्शन विद्यार्थियों के लिए कम कीमत में बेहतर व्यवस्था देने का कार्य करता है ताकि विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिले. बताया कि नॉलेज जंक्शन आरंभ करने वाले दो छात्रों आदर्श झा और शौर्य प्रतीक ने यह विचार लाया कि विद्यार्थियों के लिए एक लाइब्रेरी हो जो उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर सके.

शव मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज

हजारीबाग। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पारतुम्बा गणेशी टांड़ जंगल में मिले शव की पहचान शनिवार देर रात को बड़ा बाजार थाना क्षेत्र स्थित खिरगांव पांडेय टोला निवासी अमर पांडेय के रूप में हुई है. थाने में बेटे रिशु ने हत्या का मामला दर्ज कराया है. तुम्बा गांव के प्रेमनाथ व महिला सुषमा देवी पर उनकी हत्या करने का संदेह जताया गया है. अमर पांडेय 30 मई की रात 11 बजे घर से निकला था. इसके बाद 31 मई की शाम अज्ञात अवस्था में पार तुम्बा गणेशी टांड़ जंगल समीप उनका शव मिला था.

शतचंडी महायज्ञ को लेकर किया विचार

हजारीबाग। श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ को लेकर ओकनी बड़ा शिव मंदिर के प्रांगण में पूर्व वार्ड पार्षद विश्वनाथ विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई. इसमें मुहल्ले के सम्मानित लोगों ने यज्ञ को सफल बनाने पर चर्चा की. 9 जुलाई को ग्राम देवता की पूजा करने के उपरांत 10 जुलाई को कलश यात्रा के साथ शतचंडी महायज्ञ की शुरुआत की जाएगी. 16 जुलाई को हवन के साथ संपन्न कर भव्य भंडारा का आयोजन किया जाएगा.

शहर की समस्या : नाली जाम होने के कारण सड़क पर जमा रहा है पानी

बारिश ने खोली निगम की पोल

प्रमोद उपाध्याय।हजारीबाग

जिले में हल्की बारिश होने के बाद नगर निगम की पोल अब धीरे-धीरे खुलने लगी है. कहीं सड़क पर पानी जम रहा है, तो कहीं नाली जाम है, जबकि अभी बरसात आनी बाकी है. नगर निगम लगातार शहर के 36 वार्डों में मूलभूत सुविधाएं देने का दावा करता रहता है. इस बीच, शनिवार देर शाम हल्की बारिश हुई जिसमें कटकमसांडी रोड स्थित पगमिल मस्जिद के पास ओकनी रोड पर बनी नाली जाम हो गई और गंदा पानी सड़क पर जम गया. इसमें दर्जन भर लोग गिरते नजर आए. सड़क पर पानी इतना जमा हुआ था कि टुकटुक रिक्शा को पार करना असंभव था. वह सड़क पर जमे पानी में ही पैसेंजर को उतारने को मजबूर था. ऐसे में स्थानीय लोग नगर निगम पर खूब सवाल उठा रहे हैं.

गिरकर चोटिल हो रहे लोग

कई लोगों ने तो यह भी बताया कि नगर निगम टैक्स समय से लेता है और टैक्स समय पर भुगतान नहीं करने वाले नागरिक को वह फाइन भी करता है, लेकिन जगह-जगह सड़क पर पानी जाम है और नगर निगम खामोश बैठा हुआ है. इस संबंध में नगर सहायक आयुक्त ने पूछे जाने पर कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बनी नदियों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा. बरसात आने से पहले नालियों की सफाई करवाई जाएगी.

सड़क पर जमा पानी और उसी में रोककर रिक्शा से उतरते लोग(बाएं). सड़क पर जमा पानी में लगभग डूबे दोपहिया वाहनों को निकालते लोग(दाएं).

क्या कहते हैं स्थानीय लोग

सड़क पर जमा पानी में गिर रहे हैं लोग : अनारूल

इस संबंध में पगमिल स्थित दुकानदार अनारुल हक ने बताया कि शनिवार को हल्की बारिश हुई थी और नाली जाम होने के कारण सड़क पर पानी जम गया, जिसमें लगभग एक दर्जन लोग गिर गए. किसी के हाथ में चोट आई, तो किसी के पांव में. नगर निगम नाली को साफ करवा देता तो सड़क पर पानी नहीं जमता.

सड़क पर पानी होने से नहीं रुकते हैं ग्राहक : मुन्ना

दुकानदार मुन्ना ने बताया कि जिस जगह पर पानी जमा होता है, उसी जगह एक छोटी सी दुकान है. यहां पानी जमा होने के कारण ग्राहक रुकना नहीं चाहते हैं. अगर बरसात आने से पहले नगर निगम नाली को साफ करवा दे तो सड़क पर पानी नहीं जमेगा. अगर नाली की सफाई नहीं करवाई गई तो बरसात में भुखमरी के कगार पर आ जाएंगे.

बरसों से नाली की नहीं की गई है सफाई : समीर

इस संबंध में स्थानीय निवासी समीर ने बताया कि सड़क के किनारे लाखों रुपये की लागत से वर्षों पहले नाली बनी थी, लेकिन नाली की कभी सफाई नहीं हुई और यही कारण है कि सड़क पर पानी जमा हो रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम में सफाई कर्मी ही नहीं हैं. जो सफाई कर्मी थे वह सब नगर निगम के अधिकारी बन चुके हैं. कुछ सफाई कर्मी हैं भी तो वे काम करना नहीं चाहते हैं. अगर सफाई कर्मी सफाई करते तो सड़क पर पानी जमा नहीं होता.

कई बार विभाग को दी गई है सूचना : विकास चौधरी

विकास चौधरी ने बताया कि कई बार नगर निगम को सूचना दी गई है, लेकिन उसके द्वारा नाली को साफ नहीं किया गया. पिछले वर्ष भी यहां पानी जमा होता था और आज भी हो रहा है. अब नाली का पानी घरों में घुसने लगा है. बरसात में काफी समस्या होती है. नगर निगम केवल टैक्स पर ध्यान देता है. उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम केवल दिखावे के लिए बैठक पर बैठक करवाता है और वह नाली की सफाई न कर सरकार एवं हजारीबाग जिला वासियों को गुमराह कर रहा.

निमाडीह में जलमीनार की गुणवत्ता की पोल खुली

आंधी-बारिश में निर्माणाधीन जलमीनार ढह कर गिर गया

निमाडीह में आंधी और बारिश में गिरा हुआ जलमीना.

संवाददाता।कोडरमा

नवलशाही थाना क्षेत्र की कुंडीधनवार पंचायत के निमाडीह में निर्माणाधीन जलमीनार ढह कर गिर गया. लगभग एक लाख लीटर की क्षमता वाले इस जलमीनार का निर्माण कार्य जल नल योजना के अंतर्गत एकेजी कंस्ट्रक्शन रांची द्वारा कराया जा रहा था. उक्त योजना के अंतर्गत लगभग सवा दो सौ करोड़ रुपये की लागत से डोमचांच जयनगर व कोडरमा प्रखंड के विभिन्न गांवों में जलमीनार का निर्माण कराया जाना था. इसी श्रृंखला में नीमाडीह में भी लगभग एक लाख लीटर की क्षमता वाले जलमीनार का निर्माण कार्य चल रहा था, लेकिन पहली बारिश के साथ आई आंधी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पूरी पोल खोल कर रख दी. शनिवार दोपहर को आई आंधी और बारिश में लगभग चौबीस मीटर ऊंचाई के पिलर के साथ उक्त निर्माणाधीन जलमीनार भरभरा कर गिर गया. संयोग रहा कि वहां मजदूर नहीं थे अन्यथा एक बड़ी घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता था.

चुनाव आचार संहिता हटते ही विकास कार्य हो जाएंगे शुरू

संवाददाता।चौपारण

लोकसभा चुनाव को लेकर 16 मार्च को अधिसूचना जारी होते ही देश के साथ प्रखंड में भी आचार संहिता लागू हो गई थी, जिससे विधायक व सांसद मद से होने वाली कई नई योजनाओं पर ब्रेक लग गया था. ढाई माह से विकास कार्यों की न तो समीक्षा हुई और न ही नए कार्य शुरू हुए, न ही पंचायतों और न ही ब्लॉकों में नए कार्यों की स्वीकृति मिली. पूरा प्रशासनिक अमला लोकसभा चुनाव कराने में व्यस्त था. चौपारण प्रखंड में 20 मई को निर्वाची पदाधिकारी सह संजय यादव के नेतृत्व में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ, जिसमें चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के साथ मतदान कर्मियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा. अब चुनाव प्रक्रिया अंतिम पायदान पर है. एक दिन बाद 4 जून को देशभर में मतगणना होने वाली है. इसके बाद केंद्र में एक नई सरकार का गठन होगा. चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही आचार संहिता खत्म हो जाएगी. चुनाव आचार संहिता के खत्म होने के साथ ही विभागों में एक बार फिर योजनाओं की फाइलें खुलने लगेंगी. लंबित कार्यों को पूरा कराने को लेकर भी तेजी आएगी. गांव की सरकार फिर से पंचायतों के विकास में जुट जाएंगे. विधानसभा चुनाव को देखते हुए विधायक मद से भी कई लंबित व नए कार्य पर फोकस होगा. नए सांसद से भी क्षेत्रवासियों को कई उम्मीदें होंगी. वहीं आचार संहिता के कारण लगी कई पाबंदियां भी हट जाएंगी. सरकारी योजनाओं की घोषणा, शिलान्यास व उद्घाटन का दौर भी शुरू होगा.

दुर्घटना से पीड़ित परिवार से मिलीं विधायक सुनीता चौधरी

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी.

संवाददाता।रामगढ़

शहर के छोटकी मुर्राम, विद्यानगर में हुए दर्दनाक हादसे के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची रामगढ़ विधायक सुनिता चौधरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि शांत माहौल में यहां के लोग जीवन यापन करते हैं. अपराधियों द्वारा दर्दनाक घटना को अंजाम देने के बाद यहां के लोगों में काफी दहशत का माहौल है . विशेष कर महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल है, क्योंकि हर घर के पुरुष काम करने के लिए बाहर निकल जाते हैं. मौके पर विधायक ने एसपी डॉ. विमल कुमार और थाना प्रभारी रामगढ़ से वार्ता कर इस जघन्य घटना का जल्द से जल्द पर्दाफाश कर दोषियों को गिरफ्तार करने का आग्रह किया. एसपी ने भी आश्वस्त किया कि इसमें संलिप्त अपराधी किसी भी हाल में नहीं बचेंगे.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सृजन एकेडमी के विद्यार्थी हुए सम्मानित

सफलता को लक्ष्य का निर्धारण जरूरी

संवाददाता।रामगढ़

चितरपुर स्थित सृजन एकेडमी में सोमवार को सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुस्कुराहटें संस्था के अध्यक्ष विवेकानंद वर्मा मौजूद थे. उन्होंने सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा व झारखंड पॉलिटेक्निक की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सृजन एकेडमी के विद्यार्थियों को मोमेंटो व उपहार देकर सम्मानित किया.

कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य का निर्धारण जरूरी है. इसलिए सभी छात्र अनुशासित होकर लक्ष्य का निर्धारण कर पढ़ाई करें तो सफलता जरूर मिलेगी. वहीं सृजन एकेडमी के निदेशक शेखर कुमार दांगी ने उच्च स्थान प्राप्त करने लिए बच्चों को कठिन परिश्रम हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया. ज्ञात हो कि सीबीएसई दशवी की परीक्षा में सृजन एकेडमी के नैय्यर हसन खान को 96.2 प्रतिशत, इंशा एहसान खान को 95 प्रतिशत, जान्हवी वर्मा को 94.4 प्रतिशत, जुनेरा मिस्बाह को 90 प्रतिशत, मनीषा कुमारी को 88.8 प्रतिशत, अरसलान खान को 87 प्रतिशत, आर्यांश पांडेय को 86 प्रतिशत, अनमोल कुमार को 83.6 प्रतिशत, अश्विनी कुशवाहा को 82.8 प्रतिशत, अशद अहमद को 81 प्रतिशत, अक्षिता मेहता को 80.2 प्रतिशत एवं अंकित गुप्ता को 80 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए. इंशा एहसान खान को सामाजिक विज्ञान में 100 अंक, नैय्यर हसन खान को संस्कृत में 100 अंक, जान्हवी वर्मा को गणित में 99 अंक प्राप्त हुए. वहीं झारखंड पॉलीटेक्निक परीक्षा में पूरे राज्य में इंशा एहसान खान को 78वां स्थान, जान्हवी वर्मा को 372वां स्थान एवं मनीषा कुमारी को 731वां स्थान प्राप्त हुआ.

सृजन एकेडमी में सम्मानित किए गए प्रतिभाशाली बच्चे.

एसबेस्टस सीट चढ़ाते वक्त वज्रपात से व्यक्ति की मौत

संवाददाता।चौपारण

चैथी कात्यानी मंदिर के पीछे घर पर एसबेस्टस सीट चढ़ाने के क्रम में अचानक आंधी-तूफान व गरज के साथ बारिश होने लगी. इसी बीच वज्रपात हुआ और अलबेस्टर सीट चढ़ा रहे 40 वर्षीय अशोक साव एवं प्रकाश साव के 17 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गये. घायलों को बेहोशी की स्थिति में सामुदायिक अस्पताल ले गया. जहां गंभीरावस्था को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया. परिजनों ने घायल अशोक को आरोग्यम अस्पताल में ले गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. परिजनों ने अशोक के शव को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए ले गया. पोस्टमार्टम रिपोट में वज्रपात से मौत होने स्थिति पर आपदा राहत से पीड़ित परिवार को 4 लाख मुआवजा राशि मिलेगी.

विडंबना आजादी के 75 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं करीब 40 घरों के 200 से ज्यादा लोग

आदिवासी बहुल बंधुआडीह के ग्रामीण चुएं का पानी पीने को विवश

संवाददाता।बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी बहुल इलाका बंधुआडीह पंचायत गोरहर के ग्रामीणों को इस भीषण गर्मी में पेयजल संकट से दो-चार होना पड़ रहा है. लोग चुआं खोदकर पानी पीने को विवश हैं. कूल 40 घरों वाले गांव में 200-250 लोग निवास करते हैं, परंतु यहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है. यहां के बच्चों को पढ़ाई करने के लिए दो किलोमीटर दूर भैयाडीह जाना पड़ता है.

1.5 किलोमीटर दूर पाला गांव आंगनबाड़ी जाना पडता है. विकास के नाम पर यहां राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली मुहैया कराई गई है. राशन लाने के लिए डीलर के पास गोरहर चार किलोमीटर जाना पडता है. अभी तक इस गांव में लोगों को अबुआ आवास से वंचित रखा गया है. एक चापाकल है भी तो वह वर्षों से खराब पड़ा हुआ है. रविवार को गांव की समस्याओं से स्थानीय जिप सदस्य प्रतिनिधि चंद्रकांत पांडेय, मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, स्थानीय वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो ने गांव पहुंचकर रूबरू हुए. अतिशीघ्र पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों को निजात दिलाने का आश्वासन दिया है.

समस्या से जल्द निजात दिलाने का प्रयास किया जायेगा : जिपस

चुएं से पानी ले जाते ग्रामीण. इस गांव के लोग मूलभूत सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं.

पानी के अभाव में लोग पंद्रह दिन तक स्नान नहीं कर पाते

इस संदर्भ में जिप सदस्य ने कहा कि जल-नल योजना के तहत लोगों को पानी अतिशीघ्र मुहैया कराया जायेगा. ग्रामीण सुरेश सोरेन ने बताया कि गांव में पानी के अभाव के चलते लोग पंद्रह दिनों तक स्नान नहीं करते हैं. पीने के लिए पानी चुआं से लाते हैं. मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी शुद्ध पेयजल नहीं मिलना. वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो ने कहा कि नेता लोग चुनाव के समय आते हैं और बड़े-बड़े वादे करके चुनाव के बाद रफूचक्कर हो जाते हैं. भोलीभाली जनता अपने आप को विकास के नाम पर ठगा महसूस करते हैं. मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि लोगों को राशन लाने के लिए डीलर के पास गोरहर चार किलोमीटर जाना पडता है. अभी तक इस गांव में लोगों को अबुआ आवास से वंचित रखा गया है. वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो ने कहा कि नेता लोग चुनाव के समय आते हैं और बडे-बडे. वादे करके चुनाव के बाद रफूचक्कर हो जाते हैं. भोलीभाली जनता अपने आप को विकास के नाम पर ठगा महसूस करते हैं.

82वीं जयंती पर याद किए गए दिवंगत कांग्रेस नेता पीएन सिंह

संवाददाता।हजारीबाग

खास बातें

- अपने जीवनकाल में पार्टी के कई अहम पदों पर रहे
- झारखंड कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे

जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष पीएन सिंह की 82वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने की. इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी सह प्रखर समाजसेवी मुन्ना सिंह ने कहा कि बाबू पीएन सिंह आजीवन कांग्रेसी रहे. वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य तथा 1985 से 1987 तक सयुंक्त बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव और 1987 से 1990 तक लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहे. कार्यकारिणी के सदस्य रविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बिहार से झारखंड अलग होने पर वे रियाडा के चेयरमैन तथा 1999 से 2004 तक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष रहे. मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, अशोक देव, मिथिलेश दुबे, अजय गुप्ता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, साजिद अली खान, दिलीप कुमार रवि, रघु जायसवाल, सदरूल होद्दा, माशूक अंसारी, अफताब आलम, बाबर अंसारी, कौशल कुमार सिंह, अमृतेष रंजन आदि मौजूद थे.

झारखंड के आसमान में बादल मंडराने लगे हैं, लेकिन बिजली की आंख मिचौली के बीच उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल रही है.गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने और मांग के अनुरुप बिजली की आपूर्ति नियमित नहीं होने की वजह से लोगों की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है. किरीबुरू जैसे कुछ इलाकों को छोड़कर अन्य स्थानों में बिजली की हालत इस समय काफी बुरी है. कहीं कहीं को सात से आठ घंटे ही बिजली मिल रही है. ग्रामीण इलाकों की स्थिति और खराब है. इस भीषण गर्मी में लोगों को दिन काटना मुश्किल हो रहा है. गर्मी के दौरान बिजली नहीं रहने से कामकाज तो प्रभावित हो ही रहे हैं. खासकर बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है. इस समय लोड शेडिंग कर काम चलाया जा रहा है. लोग कहते हैं यह विभाग की ओर से सिर्फ खानपूर्ति हो रही है, ताकि लोग हो हल्ला नहीं मचाए. वे कहते हैं कि सरकार नियमित बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करे नहीं तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा. शुभम संदेश की टीम ने इस संबंध में विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से परेशानी बढ़ी, लोगों में आक्रोश

नियमित बिजली मिले, नहीं तो आंदोलन

1. विभाग लोड शेडिंग कर खानापूर्ति कर रहा है
2. मंडरा रहे हैं बादल, पर भीषण गर्मी से राहत नहीं
3. कई इलाकों में सात से आठ घंटे ही मिल रही बिजली
4. दिनचर्या प्रभावित, बच्चों की पढ़ाई पर भी असर

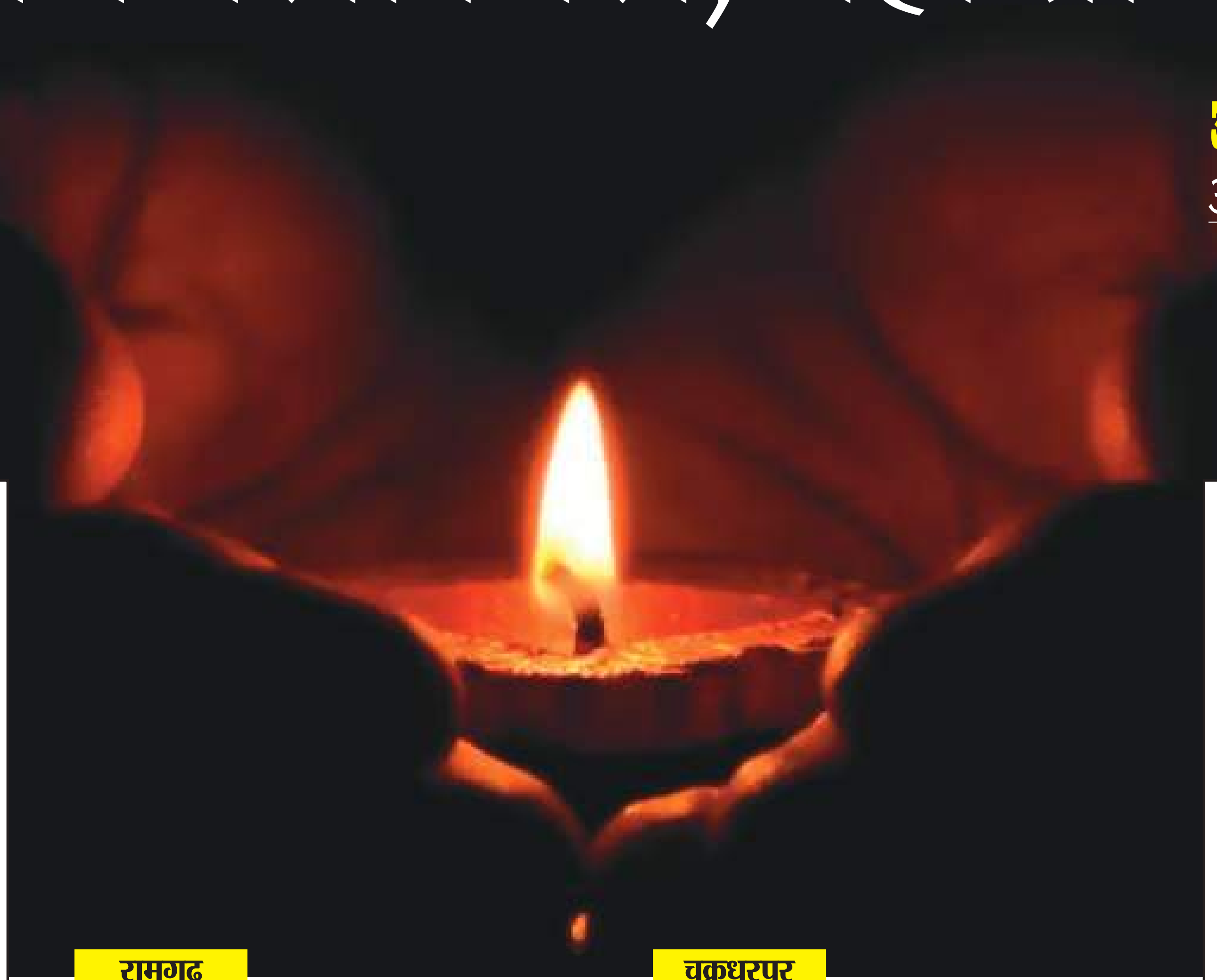

रांची

राजधानी रांची में बढ़ती गर्मी में बिजली की स्थिति लचर हो गई है. दिन हो या रात पावर कट की परेशानी बनी हुई है. गर्मी में बिजली की कटौती से लोग काफी नाराज है, लोगों ने कहा कि राजधानी बने हुए 24 साल हो गये लेकिन राजधानी में बिजली की बेहतर व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है. आज भी रात में काफी देर के लिये बिजली गुल हो जाती है. इस व्यवस्था में सुधार की जरूरत है.

रात में कटती है बिजली तो सोना मुश्किल हो जाता है : ओबेदुल्लाह

लेक रोड निवासी मो ओबेदुल्लाह ने कहा कि दिन में तो बिजली कटती ही है, लेकिन कम से कम रात में तो बिजली नहीं काटनी चाहिये. रात में बिजली कटने से रात में सोना भी मुश्किल हो जाता है. बिजली विभाग को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. ताकि बढ़ती गर्मी में दिन भर काम से आदमी घर वापस जाये तो रात में आराम कर सके. लेकिन बिजली कटौती की वजह से रात काटना भी कठिन हो जाता है.

सर्दी में नहीं खलती पर गर्मी की रात बिजली कटना भारी पड़ता है : अतहर

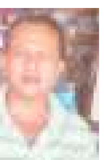

डॉ. फतेउल्लाह रोड निवासी अतहर इमाम ने कहा कि बिजली की कटौती गर्मी में अधिक परेशान करती है. सर्दी के दिनों में रात में बिजली का कटना उतना नहीं खलता है, लेकिन गर्मी में रात में बिजली के कटने से सोना भी मुश्किल हो जाता है. इसलिये कम से कम रात में बिजली नहीं काटनी चाहिये. उन्होंने कहा कि दिन के समय बिजली कुछ समय के लिए कटने और फिर रात में पूरी तरह देने से कम से कम रात गुजारना आसान हो जायेगा.-

काम कर रात में घर जाते हैं, बिजली गुल होने से आराम तक नहीं कर पाते : सुहैल

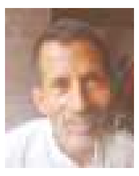

चर्च रोड निवासी सुहैल सईद ने कहा कि बिजली की कमी रात में बहुत अधिक खलती है. हम लोग तो दिन में घर से बाहर काम के लिये निकल जाते हैं. दिन भर महनत करते हैं, तब घर का खर्चा चलता है. और ऐसे में जब रात में थककर आराम करने के लिये घर आते हैं, तो बिजली की आंख मिचौली होने पर बड़ा गुस्सा आता है. दिन भर धूप में काम करते हैं और रात में थोड़ा आराम भी नहीं कर पा रहे हैं.

अपनी राजधानी की बिजली तो चकाचक होनी चाहिए : कलीम

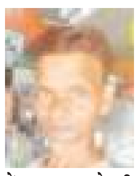

फतेउल्लाह लेन निवासी मो कलीम ने कहा कि गर्मी में बिजली की आंख मिचौली शुरू हो जाती है. तेज गर्मी में बिजली नहीं होने से रात के समय अधिक खलती है. सरकार को राजधानी की बिजली व्यवस्था चकाचक करने की जरूरत है. इस दिशा में पहल करने की जरूरत है. राजधानी बने हुए 24 साल हो गये, लेकिन यहां की बिजली की स्थिति अब भी पहले के ही समान है. आखिर रांची की बिजली कब सुधरेगी.

चास

ट्रांसफार्मर फ्यूज होने की समस्या और भी गंभीर हो जाती है : क्रांति श्रीवास्तव

चीरा चास की क्रांति श्रीवास्तव ने कहा कि इस समय सबसे अधिक समस्या ट्रांसफार्मर फ्यूज होने और लोकल लोड के कारण शटडाउन करने से हो रही है. एक ट्रॉसफॉर्मर से लगभग 250 घरों को बिजली दी जाती है. जबकि इसकी क्षमता पावर के साथ अधिकतम 150 घरों को बिजली देने की है. जिससे ट्रांसफार्मर जलने और उड़ने की समस्या हो रही है. इनके मरम्मत के लिये भी इलाकों में शटडाउन किया जाता है जो लंबे समय के लिए होता है.

गर्मी बढ़ने के साथ बिजली व्यवस्था चरमरा गई है ,विभाग कुछ करेः प्रीति रवीश गुप्ता

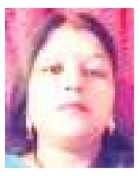

चास की प्रीति रवीश गुप्ता का कहना है कि तापमान बढ़ने के साथ ही क्षेत्र की बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई है. गर्मी के प्रकोप के चलते बिजली की खपत बढ गई है. जिससे ट्रांसफार्मरों पर क्षमता से अधिक लोड पड़ रहा है. वहीं हीटिंग के चलते बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों में खराबी आ रही है. इससे ट्रिपिंग की समस्या बन गई है. बिजली विभाग को इस मामले में संवेदनशील होना चाहिए और इसके लिए कुछ करना चाहिए.

रामगढ़

सात से आठ घंटे बिजली गुल रहती है झेलनी पड़ती है परेशानी : वारिस अहमद

वारिस अहमद कहते हैं कि पहले की अपेक्षा इस बार बिजली की कटौती कुछ ज्यादा ही हो रही है. शहरी क्षेत्र में प्रत्येक दिन 7 से 8 घंटे बिजली गुल रहती है. गर्मी के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बिजली कर्मी से पूछने पर पता चलता है कि अत्यधिक लोड बढ़ने के कारण इस तरह की बिजली कट हो रही है. पता नहीं इस समस्या से निजात कब मिलेगी.

पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही,लोगों को काफी परेशानी होती है : कुश श्रीवास्तव

कुश श्रीवास्तव कहते हैं कि बिजली विभाग को गर्मी के दिनों में पर्याप्त बिजली उपलब्ध करानी चाहिए. लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है. शहरी क्षेत्र में 8 से 10 घंटे तक बिजली गुल रहती है लेकिन इसे देखने वाला कोई नहीं है. लोगों को इस समस्या से निजात मिलनी चाहिए. गर्मी के दिनों में बिजली पर्याप्त मिलनी चाहिए. कई बार बिजली विभाग को इस समस्या से अवगत कराया गया. लेकिन स्थिति जैसी की तैसी है . गर्मी में लोगों को बगैर बिजली की बहुत परेशानी होती है.

आदित्यपुर

लोड शेडिंग कर बिजली देने से लोगों को परेशानी हो रही है : अवधेश सिंह

अवधेश सिंह कहते हैं कि आदित्यपुर में भीषण गर्मी पड़ रही है. बावजूद इसके पर्याप्त बिजली मिल रही है. हां कभी कभार यहां लोड शेडिंग के नाम पर दिन के दो बजे से बिजली कटती है. जो इस समय कष्ट दायक होता है. इसकी वजह से आम लोगों को थोड़ी परेशानी होती है. बिजली नहीं रहने से पानी की भी दिक्कत हो जाती है. अभी और भी गर्मी बढ़ेगी तो बिजली विभाग से आग्रह है कि वह लोड शेडिंग न कर नियमित बिजली दे. बिजली विभाग पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति करते रहे तो लोगों को राहत मिलेगी.

भीषण गर्मी में बिजली और पानी दोनों की ही दिक्कत होती है : मो. हाजी नाजिर हुसैन

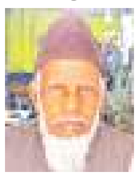

मो. हाजी नाजिर हुसैन का कहना है कि मैं आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 21 स्थित मुस्लिम बस्ती में रहता हूं. मेरी बस्ती में अभी भीषण गर्मी में लोग परेशान हैं. बिजली नहीं रहने से पानी की भी दिक्कत हो जाती है. बस्ती में इस गर्मी में चार से पांच घंटे बिजली बंद रहती है. हमारे यहां झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम की बिजली आपूर्ति की जाती है. बिजली नहीं मिलने से पानी की भी दिक्कत हो जाती है. राज्य सरकार ने 125 यूनिट बिजली फ्री कर तो दी है. लेकिन जब बिजली ही नहीं रहेगी तो निःशुल्क बिजली का क्या फायदा. सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरुरत है. ताकि लोग इस भीषण गर्मी में परेशानी से बच सके.

चक्रधरपुर

हल्की आंधी-बारिश होने पर घंटों काट दी जाती है बिजली, आपूर्ति में सुधार हो : जयंत प्रधान

चक्रधरपुर प्रखंड की केन्दो पंचायत के देवगांव निवासी जयंत प्रधान ने कहा कि हल्की आंधी-बारिश होने पर घंटों विभाग द्वारा बिजली काट दी जाती है.बिजली की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान ग्रामीण क्षेत्र के लोग रहते हैं.ग्रामीण क्षेत्र में तीन-चार दिनों तक लगातार बिजली नहीं रहती है.जबकि बिजली विभाग हर महीने बिल भेजता है. जब विभाग बिजली बिल में किसी प्रकार की कटौती नहीं कर सकती है तो सेवा में सुधार लाये.

बिजली कटने पर अक्सर मेन लाइन में ब्रेक डाउन होने की दी जाती है जानकारीः अमित गोयल

चक्रधरपुर निवासी अमित गोयल ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा मनमाने तरीके से बिजली काट दी जाती है.कभी-कभी चार-पांच घंटे तक बिजली नहीं रहती है. सबसे ज्यादा परेशान रात के वक्त ही किया जाता है.वहीं बिजली कटने पर अक्सर बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा मेन लाइन में ब्रेक डाउन या अन्य खराबी का हवाला दिया जाता है.जब विभाग समय पर बिजली बिल का पैसा लेती है तो व्यवस्था में आखिर सुधार क्यों नहीं लाती है.कई वार्ड व मोहल्ले में अब तक पुराने बिजली जर्जर पोल व तार लगे हुये है, जिसे बिजली विभाग द्वारा नहीं बदला जा रहा है.

हुसैनाबाद

दिन में चार और रात में पांच घंटे मिलती है बिजली, जनता त्रस्त : बिरजू मेहता

भीषण गर्मी के बीच बिजली की समस्या पर हैदरनगर के बिरजू मेहता का कहना है कि पलामू जिले के हैदरनगर क्षेत्र में बिजली दिन में चार घंटे और रात में पांच घंटे रहती है. जिससे आम जनता इस चिलचिलाती धूप में बिजली की कमी से काफी परेशान है. जितनी बिजली दी जा रही है यह काफी नहीं है. इससे जनता त्रस्त है. अधिकारी जवाब नहीं दे पा रहे हैं. इस नौतपा के महीने में भीषण गर्मी में पंखा रहते हुए भी राहत नहीं मिल रही है . बूढ़े, बच्चे, महिलाएं अत्यधिक गर्मी से परेशान हैं. तापमान 47 डिग्री के पार कर जा रहा है. घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. बिजली नहीं होने से खासकर बुजुर्ग एवं बच्चों की तकलीफें बढ़ गई है. आम जनता को 16 से 18 घंटा बिजली मिलनी चाहिए. जबकि मात्र लगभग 10 से 12 घंटा ही बिजली मिल पा रही है. जो जरूरत के मुताबिक नहीं है.

जरुरत के हिसाब से नहीं मिल रही है बिजली परेशानी में हैं शहर के लोगः डॉ. नादिर रिजवी

हुसैनाबाद नगर पंचायत के मशहूर डॉ. नादिर रिजवी कहते हैं कि बिजली की समस्या पहले से चली आ रही है. जिसके लिए कई बार आंदोलन भी किए गए.पहले आबादी कम थी और बिजली से चलने वाले उपस्करण भी कम थे. अब डिमांड अधिक और सप्लाई कम होने के कारण या तो लोड शेडिंग की जा रही है या ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बारी बारी से बिजली दी जा रही है. अलनीनो के कारण ग्लोबल वार्मिंग का सिलसिला चल रहा है, जिससे उत्तरी गोलार्ध के प्रायः हर क्षेत्र हीट वेब से जूझ रहे हैं. उपभोक्ता निरंतर निर्बाध बिजली चाहते हैं.

बोकारो

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की किल्लत से परेशान : प्रदीप नायक

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बहादुरपुर के व्यवसायी प्रदीप नायक ने कहा कि दो सप्ताह पहले तक क्षेत्र में बिजली की सप्लाई सुचारू रूप से चल रही थी, लेकिन धूप की तपिश बढ़ने व उमस भरी गर्मी की शुरुआत होते ही बिजली संकट शुरू हो गया है. 24 घंटे में मुश्किल से 5 से 7 घंटे बिजली मिल रही है. दिन में तो गर्मी से लोग परेशान हो जाते हैं, क्योंकि हर आधे घंटे में बिजली विभाग की ओर से बीजली कट रही है.

गर्मी में बिजली विभाग को उठाना चाहिए ठोस कदम : विकु कुमार

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बाराडीह निवासी विकु कुमार ने बताया कि गर्मी शुरू होते ही जब लोगों को बिजली की ज्यादा जरूरत पड़ती है, उसी समय बार बार बिजली काटकर विभाग लोगों को परेशान करता है. कई बार विभागीय अधिकारियों से लेकर प्रतिनिधियों को इसकी सूचना दी गई है लेकिन विभाग ने इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की है. उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी से लोगों को राहत देने के लिए बिजली विभाग को ठोस पहल करने की जरूरत है.

तेज गर्मी से बचने के लिए तीन बार स्नान करते हैं : कमाल हसन

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के टोंडरा निवासी कमाल हसन ने बताया कि बिजली कब आये और कब चली जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं. पिछले दो सप्ताह से बिजली की अनियमित आपूर्ति से ग्रामीण परेशान हो गए हैं. गर्मी से बचने के लोग दिन में सुबह, दोपहर एवं शाम में तीन बार स्नान करते हैं. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को इज़ मुद्दे पर पहल करनी चाहिए, ताकि आम लोगों को गर्मी से राहत मिल सके.

बिजली नहीं रहने से पंप सहित अन्य उपकरण भी बंद : रामसाय हांसदा

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के पोंडा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता रामसाय हांसदा ने कहा कि बिजली नहीं रहने से हर रोज मोबाइल, पानी पंप, छोटे छोटे बिजली से चलनेवाले उपकरण और मशीन ठप हो जाते हैं. इससे लोगों की परेशानी बढ़ गयी है. लोगों की परेशानी से बिजली विभाग के कोई लेना देना नहीं है. मोबाइल भी ठीक से चार्ज नहीं हो पाता है. इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि हमलोग बिजली की किस तरह की परेशानी झेल रहे हैं.

लातेहार

बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान

जिला मुख्यालय में लोग बिजली की आंख मिचौली से खासे परेशान हैं. एक तो पड़ रही प्रचंड गरमी उस पर अगर लोगों को बिजली नहीं मिले तो उनकी परेशानियों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है. विद्युत कनीय अभियंता अंकित लातेहार जिला मुख्यालय में फूल लोड बिजली मिलने का दावा करते हैं. लेकिन जब भी तेज हवा चलती है या बारिश होती है बिजली सेवा बाधित हो जाती है. पिछले शुक्रवार को रात भर बिजली आती और जाती रही. रात एक बजे मेन रोड में तार टूट जाने के कारण बिजली सेवा बाधित हो गयी. इसके बाद बिजली दूसरे दिन सुबह बहाल हुई. जबकि शनिवार को दोपहर आये अचानक आंधी तूफान के बाद शहर की बिजली सेवा बाधित हो गयी. शहर के कई मुहल्लों मे पेड़ बिजली के तारों पर गिर गये थे. शाम करीब सात बजे शहर के कुछ इलाकों मे बिजली सेवा बहाल हुई. इस दौरान बिजली आती और जाती रही. रात दस बजे बिजली अंबाकोठी क्षेत्र को छोड़ कर अन्य जगहों में बहाल की गयी.

किरीबुरू

तकनीकी खराबी को छोड़ यहां करीब करीब 24 घंटे बिजली रहती है : आदित्य

किरीबुरु के न्यू कैम्प निवासी तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाला युवा छात्र आदित्य झा ने बताया कि सेल नगरी किरीबुरु शहर में बिजली को कोई समस्या नहीं है. अगर तकनीकी खराबी को नजर अंदाज कर दिया जाये तो याहां लगभग 24 घंटे बिजली आपूर्ति सेल प्रबंधन आवासीय क्षेत्रों में करती है.

हमारे यहां लोड शेडिंग जैसी कोई समस्या ही नहीं है : कमला देवी

किरीबुरु निवासी कमला देवी ने कहा कि किरीबुरु शहर जैसी बिजली की सुविधा देश के सभी शहरों एवं गांवों के लोगों को मिलनी चाहिए. यहां लोड शेडिंग से संबंधित कोई समस्या नहीं है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पेड़-पौधे की कटाई के कारण यह शहर गर्म हो गया है. यहां पहले कभी गर्मी नहीं पड़ती थी.

पहले गर्मी के मौसम में कंबल ओढ़कर सोना पड़ता था : शिमला सिंह

किरीबुरु निवासी शिमला सिंह ने कहा कि किरीबुरु में मेरे जन्म के बाद मेरा नाम शिमला इसलिए रख दिया गया, क्योंकि यहां का मौसम शिमला जैसा था. लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि आज तमाम लोग अपने-अपने घरों में एसी-कूलर लगाने को मजबूर हो गये हैं. पहले गर्मी के मौसम में भी लोगों को कंबल ओढ़कर सोना पड़ता था.

धनबाद

बिजली व्यवस्था जितनी जल्दी हो सुधारी जाय,ताकि राहत मिले : ब्रजेंद्र सिंह

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से धनबाद में बिजली व्यवस्था बिल्कुल चरमरा गई है. आए दिन 10 से 12 घंटे बिजली की कटौती की जा रही है. जिससे यहां का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. इसे जितनी जल्दी हो सुधारा जाना चाहिए.

समस्या नई नहीं है, अभी 12 से 14 घंटे कट रही है बिजलीः अखलाक अहमद

झरिया के अखलाक अहमद ने कहा कि गर्मी के दिनों बिजली की समस्या झेलना कोई नई बात नहीं है. इस समय 12 से 14 घंटे बिजली कट हो रही है .यह समस्या अधिकारियों की लापरवाही के कारण उत्पन्न होती है. अधिकारी सिर्फ उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल का भुगतान के लिए दबाव बनाते है. व्यवस्था भी सुधारे.

अब जनता के फैसले की घड़ी

आखिरी चरण की वोटिंग हो गयी, एग्जिट पोल के नतीजे भी आ गये हैं. लेकिन 4 जून को असल मतगणना ही तय करेगी कि नरेंद्र मोदी की सरकार हैट्रिक के साथ पुनर्वापसी करेगी या इंडिया गठबंधन के सिर पर ताज सजेगा. एग्जिट पोल के बाद उत्साहित एनडीए के रणनीतिकार अगली रणनीति बनाने में व्यस्त हो चुके हैं. तो इंडिया गठबंधन भी असल नतीजों का इंतजार कर रहा है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

सबसे पहले बात करते हैं चुनाव अभियान की. करीब 80 दिन तक चला लोकसभा चुनाव अभियान शनिवार की शाम थम गया. बड़ी-बड़ी रैलियों, चुनावी सभाओं और रोड शो का समापन हो गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, योगी आदित्यनाथ और प्रियंका गांधी ने कई-कई रैलियां कीं, तो ममता बनर्जी ने कोलकाता में आठ किलोमीटर लंबी पदयात्रा की. पीएम नरेंद्र मोदी ने पंजाब के होशियारपुर में अपनी आखिरी रैली की. तो राहुल गांधी ने भी पंजाब के ही लुधियाना में अपनी आखिरी रैली करके चुनाव अभियान का समापन किया. सात चरणों वाले लंबे-चौड़े चुनावी कार्यक्रम के दौरान सभी पार्टियों के दिग्गजों ने खूब जोर लगाया. इस दौरान पीएम मोदी ने 172 रैलियां और रोड शो किए. अमित शाह ने 188 रैलियां, रोड शो किए. भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 87 रैलियां की. वहीं विपक्ष की बात करें तो राहुल गांधी ने 107 रैलियां और रोड शो किए. अखिलेश यादव ने 69 रैलियां और 4 रोड शो किए, जबकि ममता बनर्जी ने 61 रैलियां और कई रोड शो और पदयात्राएं कीं. वहीं, तेजस्वी यादव ने अकेले दम पर बिहार में 251 रैलियां करके पूरे राज्य को कई-कई बार मथ डाला. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस चुनाव में 101 चुनावी इवेंट किए. कांग्रेस की बात करें तो प्रियंका गांधी ने सबसे ज़्यादा रैलियां, रोड शो और मीडिया से बातचीत की. प्रियंका ने 140 से ज़्यादा रैलियां, रोड शो किए. वहीं खरगे ने 100 से ज़्यादा रैलियां, 20 से ज़्यादा प्रेस कॉन्फ्रेंस और 50 से ज़्यादा इंटरव्यू दिए.

एग्जिट पोल कुछ भी कहें, इंडिया गठबंधन को जीत का पूरा भरोसा है और कांग्रेस का बिना देरी किए बयान भी आ गया कि जीत के 48 घंटे के अंदर ही प्रधानमंत्री चुन लिया जाएगा. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ये बात कही है. उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा सीट जीतने वाले दल का ही प्रधानमंत्री होगा. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 4 जून को लेकर बड़ा दावा किया है कि इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगा. ये सरकार समावेशी, राष्ट्रवादी और विकास के मुद्दे पर चलेगी. उधर, चुनाव समापन के बाद भाजपा भी अपने प्रदर्शन के आकलन में जुटी है. भाजपा अलाकमान ने देश भर से मिले फीडबैक के आधार पर उम्मीद कर रही है कि एक बार फिर मोदी सरकार बनने जा रही है. भाजपा सूत्रों के मुताबिक पार्टी को कुछ राज्यों में 2019 की तुलना में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है. इन राज्यों में ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और यूपी शामिल हैं. इन राज्यों में लोक सभा की 244 सीटें हैं. पिछले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों को इनमें से 94 सीटों पर जीत मिली थी. तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में भाजपा पिछली बार खाता नहीं खोल सकी थी, जबकि इस बार पीएम मोदी ने वहां धुआंधार प्रचार किया है. भाजपा ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन भी किया है. जबकि भाजपा का आकलन है कि कुछ राज्यों में सहयोगी दलों को नुकसान उठाना पड़ सकता है. इन राज्यों में महाराष्ट्र और बिहार का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है. जबकि राजस्थान और कर्नाटक में 2019 की तुलना में भाजपा की कुछ सीटें कम हो सकती हैं. कर्नाटक में भाजपा ने पिछली बार 28 में से 25 सीटें जीतीं थीं और एक निर्दलीय सांसद का उसे साथ मिला था. जबकि महाराष्ट्र की 48 में से भाजपा ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से उसने 23 सीटें जीती थीं. बिहार में पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगियों ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं. जहां भाजपा को खुद अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद नहीं दिख रही है, उसके नेताओं को लगता है कि इन राज्यों में उसे कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है.

अब थोड़ा और पीछे चलें तो जनवरी में राम मंदिर के उद्घाटन के साथ भाजपा का आत्मविश्वास चरम पर पहुंच गया था. भाजपा ने उद्घाटन कार्यक्रम में विपक्ष के बहिष्कार को मुद्दा बनाया. बाद में कई दूसरे दलों से नेता इसी को मुद्दा बना कर अपना पार्टियां छोड़ भाजपा में आए. इससे भाजपा को देश भर में राम मंदिर मुद्दे को सेंटर स्टेज पर लाने में मदद मिली. भाजपा ने चुनाव अभियान मोदी की गारंटी से शुरू किया. पार्टी के घोषणापत्र में भी मोदी की गारंटी की बात प्रमुखता से कही गई. भाजपा के तमाम नेता एनडीए के 400 पार जाने की बात उठाते रहे. सामाजिक रक्षा और गरीब कल्याण से जुड़े मुद्दों के विस्तार से रैलियों आदि में जिक्र किया गया. लेकिन जनता में इन बातों पर कोई खास रिएक्शन न मिलने के बाद भाजपा ने प्रचार अभियान की दिशा को मोड़ दिया. पीएम मोदी ने वैल्थ रिडिस्ट्रीब्यूशन के कांग्रेस के वादे को बड़ा मुद्दा बनाया और कांग्रेस के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग से कर दी. इसके बाद भाजपा का चुनाव अभियान बेहद आक्रामक हो गया. सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स के बयान ने भाजपा को हावी होने का मौका दे दिया. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पुराने बयान का पीएम मोदी ने बार-बार जिक्र किया, जिसमें उन्होंने संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले हक की बात कही थी. पीएम मोदी ने कहा कि ये मां-बहनों का मंगलसूत्र भी नहीं बचने देंगे. उन्होंने पूछा कि क्या लोगों की मेहनत का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? विपक्ष के नेताओं ने कहना शुरू किया कि भाजपा 400 पार की बात इसलिए कर रही है, क्योंकि वह संविधान बदल कर दलित, आदिवासियों का आरक्षण खत्म करना चाहती है. यह मुद्दा इतना बढ़ा कि भाजपा और पीएम मोदी बार-बार मुद्दे बदलते नजर आये, लेकिन कोई नैरेटिव नहीं खड़ा कर पाये. दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन खास कर राहुल गांधी ने आक्रामक रुख अख्तियार करके संविधान बदल देने की बात को मुद्दा बना कर जन-जन तक पहुंचा दिया. शुरुआती चरणों में कम मतदान ने भी भाजपा को चौकन्ना कर दिया. इससे उत्साहित होकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने दावे करने शुरू कर दिए कि एनडीए बहुमत हासिल नहीं कर सकेगा. राहुल गांधी तो अपनी रैलियों में दावा करने लगे कि लिख कर रख लीजिए, पीएम मोदी देश के अगले पीएम नहीं बनेंगे. बहरहाल, अब जनता का फैसला ईवीएम में कैद हो चुका है. चार जून को पता चलेगा कि किसके दावे में कितना दम है.

पाकिस्तानी स्वीकारोक्ति

निश्चय ही इसे भारत और पाक के संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण कहा जा सकता है. पाक के पूर्व प्रधानमंत्री तथा वर्तमान सत्ता की धुरी नवाज शरीफ ने अब पच्चीस साल बाद माना है कि उनके देश ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन किया था. निश्चित रूप से इस स्वीकारोक्ति ने एक बार फिर कारगिल युद्ध के गहरे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है. दरअसल, मंगलवार को सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के अध्यक्ष पद की ताजपोशी के वक्त पार्टी की जनरल काउंसिल की बैठक में नवाज शरीफ ने यह बात कही. अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि भारत की पहल पर शुरू की गई शांति की पहल को इस घटनाक्रम ने पलीता लगाया था. यह एक हकीकत है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शांति प्रयासों व उनकी लाहौर यात्रा को कारगिल के घात से आघात लगा था. जिसके चलते 21 फरवरी 1999 को हस्ताक्षरित लाहौर घोषणा से क्षेत्र में शांति व स्थिरता की कोशिशों पर पानी फिर गया था. समझौते के कुछ ही महीने बाद पाक सेना के संरक्षण में पाक घुसपैठियों की कोशिश ने फिर एक युद्ध जैसा रूप ले लिया था. ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शरीफ द्वारा पिछली गलती को स्वीकार करना क्या संबंधों में विश्वास बहाली का मार्ग प्रशस्त करना है या फिर कोई दुरभिसंधि की कोशिशें हैं? क्या वे पाक हुकमरानों को फिर से भारत के प्रति अपने दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित कर रहे हैं? क्या शरीफ का नेतृत्व आत्मनिरीक्षण के जरिये दोनों देशों के संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की ईमानदार कोशिश कर रहा है? बहरहाल, भारत व पाक संबंधों की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर शरीफ का कबूलनामा व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भों में महत्वपूर्ण पहल कही जा सकती है. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद दोनों देशों के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गये थे. जिसके बाद दोनों देशों ने अपने मिशनों का स्तर तक कम किया था. अस्थिरता से घिरे इस क्षेत्र में नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी संबंधों में सुधार-सुलह के लिए एक नई खिड़की तो खोलती ही है. निश्चित रूप से वक्त का तकाजा है कि ऐतिहासिक कटुताओं को पार्श्व में रखकर कूटनीतिक रणनीतियों पर नये सिरे से विचार किया जाए. यह भी जरूरी है कि बातचीत के लिए नये रास्ते तलाशने हेतु इस मौके को अवसर में बदला जाए. भले ही पाकिस्तान आर्थिक व राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर स्थिति में हो, हमें भविष्य में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करना चाहिए. शरीफ के बयान को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए कि फिलहाल पाकिस्तान में नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री हैं. साथ ही नवाज सत्तारूढ़ दल पीएमएल-एन के अध्यक्ष चुने गये हैं. कहीं न कहीं शरीफ के हालिया बयान का एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकारें तो दोनों देशों के बेहतर संबंध बनाने के लिये प्रयत्नशील रहती हैं, लेकिन ऐसी कोशिशों को पलीता लगाने का काम पाक सेना करती है.

> निश्चित रूप से वक्त का तकाजा है कि ऐतिहासिक कटुताओं को पार्श्व में रखकर कूटनीतिक रणनीतियों पर नये सिरे से विचार किया जाए. यह भी जरूरी है कि बातचीत के लिए नये रास्ते तलाशने हेतु इस मौके को अवसर में बदला जाए.

सुभाषित

शतेषु जायते शूरः सहस्त्रेषु च पण्डितः।
वक्ता दशसहस्त्रेष दाता भवति वान वा ॥

इस संसार में शूर-वीर, पंडित, वक्ता और दानी दुर्लभ प्राणी हैं. ये किसी भी स्थान पर सहज ही सुलभ नहीं होते. सौ लोगों में एक शूर पैदा होता है, हजार लोगों में एक पण्डित पैदा होता है, दस हजार लोगों में एक वक्ता पैदा होता है और दाता कोई बिरला ही पैदा होता है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

बड़ा हुआ तो क्या हुआ

एक शेर अपनी शेरनी और दो शावकों के साथ वन मे रहता था. शिकार मारकर घर लेकर आता और सभी मिलकर उस शिकार को खाते. एक बार शेर को पूरा दिन कोई शिकार नही मिला, वह वापस अपनी गुफा के लिए शाम को लौट रहा था तो उसे रास्ते मे एक गीदड का छोटा सा बच्चा दिखा. इतने छोटे बच्चे को देखकर शेर को दया आ गई. उसे मारने के बजाए वह अपने दांतो से हल्के पकड कर गुफा मे ले आया. गुफा मे पहुंचा तो शेरनी को बहुत तेज भूख लग रही थी, किन्तु उसे भी इस छोटे से बच्चे पर दया आ गई और शेरनी ने उसे अपने ही पास रख लिया. अपने दोनों बच्चो के साथ उसे भी पालने लगी. तीनों बच्चे साथ साथ खेलते कूदते बड़े होने लगे. शेर के बच्चो को ये नही पता था की हमारे साथ यह बच्चा गीदड है. वे उसे भी अपने जैसा शेर ही समझने लगे. गीदड का बच्चा शेर के बच्चो से उम्र मे बड़ा था, वह भी स्वयं को शेर और दोनो का बडा भाई समझने लगा. एक दिन जब तीनों जंगल मे घूम रहे तो तो अचानक उन्हें सामने एक हाथी आया. शेर के बच्चे हाथी को देखकर गरज कर उस पर कूदने को ही थे कि एकाएक गीदड बोला, ₹यह हाथी है हम शेरो का कट्टर दुश्मन इससे उलझना ठीक नही है, चलो यहाँ से भाग चलते है₹ यह कहते हुए गीदड अपनी दुम दबाकर भागा. शेर के बच्चे भी उसके आदेश के कारण एक दूसरे का मुँह देखते हुए उसके पीछे चल दिए. घर पहुंचकर दोनों ने हंसते हुए अपने बड़े भाई की कायरता की कहानी माँ और पिता को बताई, की हाथी को देखकर बड़े भय्या तो ऐसे भागे जैसे आसमान सर पर गिरा हो और ठहाका मारने लगे. दूसरे ने हंसी मे शामिल होते हुए कहा यह तमाशा तो हमने पहली बार देखा है शेर और शेरनी मुस्कराने लगे गीदड को बहुत बुरा लगा की सभी उसकी हंसी उड़ा रहे है. क्रोध से उसकी आंखें लाल हो गई और वह उफनते हुए दोनों शेर के बच्चों को कहा, ₹तुम दोनों अपने बड़े भाई की हंसी उड़ा रहे हो तुम अपने आप को समझते क्या हो?₹ शेरनी ने गीदड को एक ओर ले जाकर समझाया- बेटे ये तुम्हारे छोटे भाई है. इनपर इस तरह क्रोध करना ठीक नहीं है. मैं जानती हूं बेटा तुम वीर हो, सुंदर हो, समझदार भी हो लेकिन तुम जिस कुल मे जन्मे हो, उससे हाथी नहीं मारे जाते हैं. तुम गीदड़ हो. हमने तुम पर दया कर अपने बच्चे की तरह पाला. इसके पहले की तुम्हारी हकीकत उन्हें पता चले यहाँ से भाग जाओ नही तो ये तुम्हें दो मिनट भी जिंदा नही छोड़ेंगे.₹ यह सुनकर गीदड बहुत डर गया और उसी समय शेरनी से विदा लेकर वहां से भाग गया.

क्या चुनाव का असाधारण नतीजा आएगा?

• सियासत

योगेन्द्र यादव

क्या यह असाधारण चुनाव एक असाधारण परिणीति की तरफ बढ़ा है? इस सवाल का पक्का उत्तर तो 4 जून को ही दिया जा सकता है, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों के सभी संकेत यह इशारा कर रहे हैं कि '400 पार' के दावे के साथ शुरू हुआ यह चुनाव उसके उलट एक नाटकीय नतीजा पेश कर सकता है. स्वतंत्र भारत के इतिहास में लोकसभा के इस 18वें चुनाव को अनेक असाधारण बातों के लिए याद किया जाएगा. इतिहास दर्ज करेगा कि इस चुनाव में केवल 'कौन बनेगा प्रधानमंत्री' का फैसला नहीं होना था. इस चुनाव में सिर्फ पार्टियों और नेताओं का भविष्य दाव पर नहीं था, बल्कि भारत के लोकतंत्र, हमारे संविधान और हमारे भाईचारे का भविष्य दाव पर लगा हुआ था. इस लिहाज से इस चुनाव की तुलना संसद के चुनाव की बजाय संविधान सभा के चुनाव से करना अतिशयोक्ति नहीं होगी. चुनाव प्रक्रिया के लिहाज से भी यह चुनाव असाधारण था. चुनाव की तारीखों की घोषणा से एक सप्ताह पहले ही एक चुनाव आयुक्त का रहस्यमय इस्तीफा और उनकी जगह दो चुनाव आयुक्तों की मर्यादा विरुद्ध नियुक्ति ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़े कर दिए थे. यही नहीं चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले और आचार संहिता लागू होने के बाद भी केन्द्र सरकार ने ईडी, सीबीआई और इंकम टैक्स विभाग के जरिए विपक्षी दलों के खिलाफ अभियान चलाए रखा. चुनाव से पहले दो मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भारत के चुनावी इतिहास में असाधारण घटना थी. सच यह है कि विवादास्पद तरीके से नियुक्त चुनाव आयोग ने इस पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान शेषन के कार्यकाल से बनी चुनाव आयोग की स्वतंत्र छवि को धूल में मिला दिया. चाहे प्रधानमंत्री और भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा खुल्लम खुल्ला धार्मिक भावनाओं के दुरुपयोग पर चुनाव आयोग की चुप्पी हो या सूरत और इंदौर में भी विपक्षी उम्मीदवारों की नाम वापसी या फिर मतदान के पूरे आंकड़े जारी करने में ही छह सप्ताह की देरी हो, इस चुनाव ने भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की छवि को असाधारण चोट पहुंचाई है. इस असाधारण चुनाव का प्रचार भी असाधारण रहा. सड़कों के होर्डिंग से लेकर टी.वी. और सोशल मीडिया के विज्ञापनों में चारों तरफ सत्ताधारी पार्टी ही छाई हुई थी. मुख्यधारा का मीडिया बेशर्मी से उनका प्रचार कर रहा था. चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है लेकिन प्रधानमंत्री ने जिस स्तर पर उतरकर इस चुनाव में अंट-शंट बातें कीं वे उनके अपने रिकॉर्ड के लिहाज से भी असाधारण था. पहले दौर के बाद से ही प्रधानमंत्री ने खुलकर हिन्दू मुस्लिम ध्रुवीकरण की जहरीली भाषा शुरू कर दी. कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप जैसे बेतुके आरोप से शुरू कर प्रधानमंत्री ने नित नए काल्पनिक और मर्यादा विहीन आरोपों की झड़ी लगा दी. मंगलसूत्र छीन लेने, भैंस खोल लेने और टोंटी उठा लेने जैसे हास्यास्पद आरोप लगाए, राम मंदिर पर ताला लगाने जैसी मनगढ़ंत बातें की गईं और चुनाव आयोग चुपचाप इसे देखता रहा. भारत के चुनावी इतिहास में कभी भी शीर्ष नेताओं द्वारा इतना घटिया और इतना अनर्गल प्रचार नहीं देखा गया.अब सवाल यह है कि क्या इस असाधारण चुनाव में जनता की एक असाधारण प्रतिक्रिया सामने आएगी, शुरू में ऐसा नहीं लगा. इस चुनाव को एक ठंडा चुनाव बताया गया, जिसमें वोटर अपना मन खोल नहीं रहा था. लेकिन जैसे-जैसे यह चुनाव आगे बढ़ा तो समझ आने लगा कि इस चुप्पी के पीछे जनता का असंतोष है. पिछले 10 साल से ही जनता को झूठ और नफरत की राजनीति में उलझाए रखा गया है. अब उससे जनता ऊब रही है. केवल मोदी-मोदी सुनने की बजाय जनता अब मुद्दे सुनना चाह रही है. 'म' से मटन या मंगलसूत्र की बजाय 'म' से महंगाई और एमएसपी के सवाल पूछना चाह रही है. 400 पार की हवा निकल चुकी है. प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता भी अब इन हवाई दावों से कतराने लगे हैं. चुनाव से पहले जिन सर्वे और विशेषज्ञों ने भाजपा द्वारा 2019 के आंकड़े से पार जाने की बात कही थी, अब वे पीछे निकलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं. जैसे-जैसे जमीनी रिपोर्ट आने लग गई यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा को दक्षिण और पूर्व की तटीय पट्टी के राज्यों में जितने फायदे की उम्मीद थी उससे बहुत कम बढ़ोतरी मिल रही है. उधर पिछले चुनाव में जिन-जिन राज्यों में भाजपा ने लगभग झाड़ू लगा दी थी, वहां सब जगह भाजपा को घाटा हो रहा है.

> इस चुनाव को एक ठंडा चुनाव बताया गया, जिसमें वोटर अपना मन खोल नहीं रहा था. लेकिन जैसे-जैसे यह चुनाव आगे बढ़ा तो समझ आने लगा कि इस चुप्पी के पीछे जनता का असंतोष है. पिछले 10 साल से ही जनता को झूठ और नफरत की राजनीति में उलझाए रखा गया है. अब उससे जनता ऊब रही है. केवल मोदी-मोदी सुनने की बजाय जनता अब मुद्दे सुनना चाह रही है.

लगातार बढ़ते तापमान ने रचा इतिहास

• पर्यावरण

ललित मौर्य

समय के साथ बढ़ता तापमान नित नए रिकॉर्ड बना रहा है. यही वजह है कि जलवायु रिकॉर्ड बड़ी तेजी से बन-बिगड़ रहे हैं. ऐसा ही कुछ गत अप्रैल में भी देखने को मिला है जब जलवायु इतिहास में दर्ज अब तक का सबसे गर्म अप्रैल दर्ज किया गया.बढ़ते तापमान से जुड़े आंकड़ों को देखें तो इस साल अप्रैल में दर्ज तापमान औद्योगिक काल से पहले के औसत तापमान से 1.58 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया. गौरतलब है कि वैश्विक स्तर पर अप्रैल 2024 में सतह के पास हवा का औसत तापमान 15.03 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991 से 2020 के बीच अप्रैल में दर्ज औसत तापमान से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक है. देखा जाए तो वैश्विक स्तर पर बढ़ता तापमान अपने साथ जाने-अनजाने खतरे भी ला रहा है, जो भारत सहित पूरी दुनिया के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं. इससे पहले अब तक के सबसे गर्म अप्रैल होने का यह रिकॉर्ड अप्रैल 2016 के नाम दर्ज था. लेकिन इस साल अप्रैल में बढ़ते तापमान ने उसे भी 0.14 डिग्री सेल्सियस से पीछे छोड़ दिया है. इसकी पुष्टि यूरोप की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में की है.आंकड़ों की मानें तो यह लगातार ग्यारहवां महीना है जब बढ़ते तापमान ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है. बता दें कि जून 2023 से लगातार हर महीने ने बढ़ते तापमान के मामले में अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज किया है. इस दौरान कोई भी महीना ऐसा नहीं रहा जब तापमान शिखर पर न पहुंचा हो.2024 में भी अब तक कोई भी महीना ऐसा नहीं रहा जब बढ़ते तापमान ने एक नया कीर्तिमान न बनाया हो. बता दें कि जहां मार्च 2024 में तापमान सामान्य से 1.68 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था. इसी तरह फरवरी 2024 में तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि जनवरी 2024 में सामान्य से 1.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रिकॉर्ड किया गया था. देखा जाए तो बढ़ते तापमान के यह आंकड़े इस बात के गवाह है कि हमारा ग्रह बड़ी तेजी से गर्म हो रहा है, जिसके प्रभाव भारत सहित पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं. यही वजह है कि कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश पड़ रही है तो, कहीं सूखा पड़ रहा है. कहीं सूखे के बाद अचानक से बाढ़ आ जाती है. भारत में तो यह समस्या किस कदर विकट हो चुकी है कि बसंत का पूरा सीजन ही लगभग गायब होने को है. इसी तरह यदि मई 2023 से अप्रैल 2024 के बीच पिछले 12 महीनों को देखें तो उस दौरान भी तापमान ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है. इस अवधि के दौरान दर्ज औसत तापमान समान अवधि में औद्योगिक काल से पहले के औसत तापमान से 1.61 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है. इसी तरह इसकी तुलना यदि 1991 से 2020 के बीच दर्ज औसत तापमान से करें तो वो 0.73 डिग्री सेल्सियस ऊपर है.नेशनल ओशनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में इस बात की 55 फीसदी आशंका जताई है कि 2024 जलवायु रिकॉर्ड का अब तक का सबसे गर्म साल होगा. वहीं इस बात की 99 फीसदी आशंका है कि 2024 अब तक के पांच सबसे गर्म वर्षों में शुमार होगा.दक्षिण और पूर्वी एशिया लू और भीषण गर्मी से आहत रहे. बढ़ती गर्मी और लू का कहर इस कदर हावी रहा कि फिलीपींस और दक्षिण सूडान में इसकी वजह से स्कूलों को बंद कर देना पड़ा. इसी तरह बांग्लादेश में भी भीषण गर्मी की वजह से स्कूलों को बंद करने का आदेश देना पड़ा. बांग्लादेश मौसम विभाग ने भी जानकारी दी है कि अप्रैल 2024 का महीना अब तक का सबसे गर्म अप्रैल था. म्यांमार से लेकर फिलीपींस तक कई देशों में तो तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है. फिलीपीन्स में भी बढ़ती गर्मी के चलते अप्रैल में स्कूलों को बंद कर दिया गया था. फिलीपींस की राजधानी मनीला में 27 अप्रैल 2024 को तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. ऐसा ही कुछ हाल थाईलैंड का भी रहा, जहां देश के उत्तरी क्षेत्रों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. वहीं राजधानी बैंकाक में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया.भारतीय मौसम विभाग ने भी जानकारी दी है कि 1901 के बाद से पूर्वी भारत के लिए यह अब तक का सबसे गर्म अप्रैल का महीना था, जब तापमान 28.12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

> बता दें कि जहां मार्च 2024 में तापमान सामान्य से 1.68 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था. इसी तरह फरवरी 2024 में तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि जनवरी 2024 में सामान्य से 1.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रिकॉर्ड किया गया था. देखा जाए तो बढ़ते तापमान के यह आंकड़े इस बात के गवाह है कि हमारा ग्रह बड़ी तेजी से गर्म हो रहा है, जिसके प्रभाव भारत सहित पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं.

मीडिया में अन्यत्र

मतदाताओं की प्रकृति की एक पड़ताल

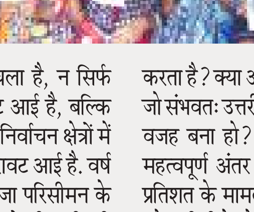

देश भर में मतदाताओं की भागीदारी के बारे में की गई एक पड़ताल से यह पता चलता है कि 2019 और यहां तक कि 2014 के आम चुनावों के बनिस्बत इस साल के चुनावों में हुए मतदान में महत्वपूर्ण गिरावट आई है. राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर भिन्नताएं देखी गई हैं - पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत के मतदाताओं ने आमतौर पर पश्चिम, मध्य और उत्तर भारत के मतदाताओं के मुकाबले ज्यादा मतदान किया. फिर भी, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ अपवादों को छोड़कर, जहां मतदान प्रतिशत में क्रमशः 62.8 फीसदी से 65.7 फीसदी और 68.8 फीसदी से 70.6 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज की गई, 2024 में सभी राज्यों में मतदान में सामान्य गिरावट आई है. जैसा कि 'द हिंदू' में किए गए एक विश्लेषण से पता चला है, न सिर्फ प्रतिशत के संदर्भ में कुल मतदान में गिरावट आई है, बल्कि पहले छह चरणों में मतदान करने वाले 485 निर्वाचन क्षेत्रों में से 132 में पूर्ण रूप से कुल मतदान में भी गिरावट आई है. वर्ष 2009 के आम चुनाव से पहले किए गए ताजा परिसीमन के बाद से इतनी बड़ी संख्या में सीटों पर मतदाताओं की भागीदारी में आई गिरावट अभूतपूर्व है. आंकड़ों पर बारीकी से नज़र डालने से पता चलता है कि 2014 में कुल मतदाताओं (18 साल से ज्यादा उम्र के योग्य मतदाता) की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी और 2019 एवं 2024 में मामूली वृद्धि हुई थी. लेकिन सिर्फ 2024 में ही कई निर्वाचन क्षेत्रों में कुल मतदान में नाटकीय रूप से गिरावट आई. कुल मतदान में आई इस गिरावट की व्याख्या शायद विभिन्न राजनीतिक कारकों के जरिए की जा सकती है. क्या उन राज्यों में मतदान के प्रति उत्साह कम था, जहां चुनावी मैदान में विभिन्न पार्टियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं थी? क्या यह पहलू गुजरात (60.1 फीसदी, 2019 के मुकाबले 4.4 अंक की गिरावट), जहां भारतीय जनता पार्टी का वर्चस्व है या केरल (71.3 फीसदी, 6.6 अंक की गिरावट), जहां दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी वामपंथी दल और कांग्रेस अपने सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गुट का हिस्सा है, में हुए अपेक्षाकृत कम मतदान की व्याख्या करता है? क्या अंतर-राज्यीय प्रवासन एक ऐसा कारक रहा है, जो संभवतः उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में कम मतदान की वजह बना हो? मसलन, बिहार में लैंगिक आधार पर एक महत्वपूर्ण अंतर देखा गया है. वहां मतदान में भागीदारी के प्रतिशत के मामले में महिला मतदाताओं ने पुरुष मतदाताओं को कहीं पीछे छोड़ा है. क्या लू की स्थिति ने मतदाताओं को घर पर ही रहने का फैसला लेने के लिए प्रेरित किया है? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जिन पर आंकड़ों के लिहाज से बारीक नजर डालने की ज़रूरत है और भारत निर्वाचन आयोग को इनमें से कुछ सवालों का जवाब देने में भूमिका निभानी चाहिए. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चम्मच/चमचा/बेलचा

एक चमचे ने कहा कि साहब की चाय में आधी चम्मच चीनी डालना. लोग चमचों का कितना भी मजाक क्यों न उड़ा लें, लेकिन चमचे बात पते की ही करते हैं. चम्मच और चमचे में क्या समानता है और क्या अंतर है, इसपर विचार बहुत ही रोचक है. छोटा है तो चम्मच है, उससे बड़ा हुआ तो चमचा. उससे भी बड़ा हो गया तो बेलचा कहलाता है, लेकिन इन तीनों की तुलना किसी भक्त से किया जाना उचित नहीं है. इन तीनों शब्दों के सामान्य अर्थ पर चिंतन करते हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार चम्मच तुर्की भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसे अंग्रेजी में स्पून कहा जाता है. चम्मच वह छोटा सा डंडीदार पात्र है, जिससे तरल या गाढ़ी भोजन सामग्री उठाकर मुंह तक पहुंचाने में सहयोग करता है. चम्मच करछुल जैसा एक डंडीदार पात्र होता है, जो खाना पकाने में काम आता है. यह एक प्रकार की छोटी हल्की कलछी है, जो खाने-पीने के पदार्थों को मिलाने और निकालने में सहयोग करता है. चमचा भी चम्मच की तरह ही तुर्की भाषा से आया शब्द है, जो आकार में बड़ा होता है. चमचा का काम भी वही है यानी पकाते समय खाना हिलाने-चलाने का काम करता है. नाव में डांड़ का अग्रभाग भी चमचा ही कहा जाता है, लेकिन इसका व्यंजनात्मक अर्थ लोकप्रसिद्ध है. यानी चमचा का मतलब चापलूस, खुशामद करनेवाला व्यक्ति. चम्मच के अति विशाल रूप को बेलचा कहा जाता है. बेलचा फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका मतलब है अनाज, मिट्टी या रेत आदि को फेंकने या पलटने के लिए प्रयोग किया जानेवाला एक उपकरण, लंबा खुदपा, कुदाली. जब कोई किसी की अंधी भक्ति करता है तो उसे व्यंग्य पूर्वक कहा जाता है कि वह चमचा नहीं, बेलचा है. हालांकि चमचा या बेलचा से किसी भक्त को जोड़कर देखना या हंसना अच्छी बात नहीं होती. बुद्धिमानों को जहां तक हो सके, इससे बचना चाहिए.

देश से पूरी तरह भाग चुकी है गरीबी

• तीर-तुक्का

एसके पाण्डेय

कुछ भी हो आज उमंगपुर में काफी उमंग है. जहाँ सार्वजनिक स्थलों में हफ्ते में भी एक बार भी साफ-सफाई नहीं हो पाती. वहीं आज सड़कें एक-छोर से दूसरे छोर तक बुहारी जा रही हैं. कोई पाउडर भी किनारे-किनारे डाला जा रहा है. मालूम नहीं किसलिए. सड़कों के किनारे से ठेले व गुमुटियां पता नहीं रातों-रात कहां चली गयीं. जहां देखो वहीं कुछ न कुछ करिश्मा नजर आता है. कारण आज यहां नेता चिम्मनलालजी पिछले चार वर्षों से भी अधिक समय बाद आ रहे हैं. और एक चुनावी सभा को संबोधित करने वाले हैं. बहरहाल अब तक नेता जी नहीं आये हैं. मैदान में भीड़ जमा है. शोर हो रहा है. सभी प्रतीक्षा कर रहे हैं . पूरे एक बज रहे हैं और नेताजी दस बजे ही आने वाले थे. फ़िलहाल भीड़ बहुत है. खैर इतने में नेता जी के आगमन का संकेत मिला. दूर से ही आते हुए कार के काफिले दिखाई पड़े. सभी ने राहत की सांस ली. पास आने पर. एक साथ कई आवाजें उठीं - नेता चिम्मनलाल जिंदाबाद ! जिंदाबाद ! 'सब कुछ अपना पार्टी – एसकेएपी' जिंदाबाद ! माल्यार्पण होने के बाद चिरौंजीलाल जी ने सभा को संबोधित करने के लिए माईक पर चिम्मनलाल को आमंत्रित किया. नेता जी ने गदगद होते हुए माईक पर बोलना शुरू किया. हां तो बहनों भाइयों मैं आज एक बार फिर आप लोगों के बीच आया हूं. आप लोग इतनी बड़ी संख्या में यहां आये हैं, जिससे साबित होता है कि हमारे विरोधी चाहे जितना भ्रामक प्रचार करते रहें. लेकिन चुनाव में भी आप लोगों के सहयोग से 'सब कुछ अपना पार्टी- एसकेएपी' पुनः बहुमत से विजयी होकर रहेगी. जोर से तालियों की गड़गडाहट हुई. हां तो हमारे विरोधी कहते हैं कि सरकार पर्यावरण संरक्षण, व पर्यटन विकास पर ध्यान नहीं दे रही है तथा देश में गरीबी है. हम भी मानते हैं कि हमने जंगल-के-जंगल कटवाए हैं. लेकिन वृक्षारोपण के लिए ही ताकि लोग देख सकें कि सरकार पर्यावरण के प्रति लापरवाह नहीं है तथा वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण करवा रही है. हमने शहरों से भी पेड़ तथा बगीचे कटवाए जरूर हैं, लेकिन अरबों रुपये खर्च करके पार्क व स्मारक बनवाकर मूर्तियां लगवाई हैं. जिससे न सिर्फ पर्यटन को बढावा मिलेगा, बल्कि यह आरोप बेबुनियाद साबित होता है कि देश में गरीबी है. इन क़दमों से यह अपने आप प्रमाणित होता है कि सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है. सच तो यह है कि देश में गरीबी पूरी तरह भाग चुकी. हमारे विपक्षी कहते हैं कि सरकारी अस्पतालों में दवाएं ही नहीं हैं. सब बाजार में सेल कर दी जाती हैं. अस्पतालों में मरीजों कि संख्या न के बराबर है तथा डॉक्टर घर पर ही प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं. लेकिन आप खुद ही सोचिये कि कम से कम दवाओं की कमी तो नहीं है. पिछली सरकारों में तो दवाओं का भी अकाल पड़ गया था. रोगी के इलाज के लिए तो दवा चाहिए. चाहे अस्पताल की हो चाहे बाज़ार की. और किसी भी कीमत पर दवाओं की कमी नहीं होने दी जायेगी.

विश्व साइकिल दिवस आज

मिलिए ये हैं साइकिल दोस्त

रांची क्लब के डिक्की सलूजा की साइकिलिंग और उनके पास खूबसूरत साइकिलों का कलेक्शन देख कर क्लब के दो सदस्य जब्बर सिंह और राजीव टाक (चार्टेड एकाउंटेंट) का रुझान साइकिलिंग की तरफ बढ़ा. इन दो दोस्तों ने इतवार का दिन साइकिल के नाम किया और अपनी साइकिल से आसपास के गांव तक सुबह-सुबह निकलने लगे. चूंकि इन दोनों की साइकिल कुछ खास होती थी, सो गांव के लोग मुड़-मुड़ कर देखा करते थे. कुछ ग्रामीण इतने से नहीं थमते, नाम और फोन नंबर तक मांग लेते. नंबर तो दे दिया जाता है, पर बिल्कुल अनजान ग्रामीणों को नाम क्या बताएं, सो यूं ही बता दिया कि हम हैं साइकिल दोस्त. नंबर इसी नाम से सेव हुआ और बाद में यही इनकी पहचान बनीं. इस तरह झारखंड का सबसे पुराना साइकिलिंग ग्रुप साइकिल दोस्त दो सदस्यों के साथ शुरू हुआ. आज क्लब के 54 सदस्य हैं जिनमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं.

ऐसे बढ़ता गया कारवां

साइकिल दोस्त की शुरुआत करने वाले दो दोस्तों के स्वास्थ्य के फायदे को देखते हुए अन्य दोस्त भी आकर्षित हुए. तोंद ही नहीं गायब हुई, बल्कि अस्थमा जैसे रोग भी उड़न छू हुए. छुट्टियों में तो साइकिलिंग होती ही थी, घर से दफ्तर तक की दूरी भी कई बार तय की जाने लगी. ग्रुप में कई आइएएस-आईपीएस अधिकारी, ब्यूरोक्रेट्स, सीनियर एडवोकेट, डॉक्टर, बिजनेसमैन आदि शामिल हैं. वर्ष में एक बार साइकिल दोस्त का वार्षिकोत्सव का आयोजन भी किया जाता है जिसमें साइकिल दोस्त के सभी सदस्य सपरिवार शरीक होते हैं.

संपूर्ण स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए

संदेश
समय की मांग है कि हम अधिक से अधिक साइकिलिंग करें.

राजीव रंजन त्रिपाठी
जीएसटी पदाधिकारी

करीब आठ वर्ष पहले गठित हुआ साइकिल दोस्त समूह रांची के साइकिलिंग पसंद करने वाले उत्साही लोगों का समूह है. संपूर्ण स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण इसके मूलभूत उद्देश्य हैं.
रांची और आसपास के इलाकों में इसके सदस्य आपको इतवार को गाना गाते साइकिल पर घूमते दिख जाएंगे. भारत के दूर-दूर के इलाकों में भी इस ग्रुप ने साइकिलिंग का प्रचार प्रसार किया है. चाहे वह मनाली खारदुंगला हो या पुरी-भुवनेश्वर या फिर मुंबई-गोवा. हर आयु-वर्ग के लोग इसमें शामिल हैं. खास बात यह है कि महिलाओं का भी इस समूह में बहुत सक्रिय योगदान है और वे भी अक्सर साइकिल चलाते हुए रांची के आसपास के इलाकों में जाती हैं.

रफ्तार और भागमभाग की जिंदगी ने हमें जितना दिया है, शायद उससे कहीं अधिक की वसूली की है और यह क्रम जारी है. गर्मी हो या ठंड या बरसात, सब की अति हम झेल रहे. प्रदूषण का आलम यह है कि अभी मिनरल बॉटल ले कर चल रहे हैं और कल हमारे बच्चों को शायद ताजी हवा बाजार से खरीद कर और साथ ढोकर चलने की बाध्यता हो. उम्र के तीसरे दशक से ही जमाने भर की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं. ऐसे में साइकिल को अपनाना एक दूरदर्शी सोच है. विश्व साइकिल दिवस पर अतिथि संपादक संगीता कुजारा टाक के दिशा निर्देश पर तैयार हुआ यह विशेष पृष्ठ...

बहुत प्यारी साइकिल की सवारी

ताजी हवा, हरियाली का सुकून

साइकिल से वास्ता और प्यार तो हम सबका बचपन से ही होता है, एक उम्र के बाद मुझे शारीरिक-मानिसक स्वास्थ्य के लिए अहमियत महसूस होने लगी. सुबह-सुबह साइकिल से जब शहर की सीमा पार की ग्रामीण इलाकों में पहुंचता हूं तो ताजी हवा, हरियाली का सुकून तो होता ही है, नए-नए लोगों से बात-मुलाकात भी अच्छी लगती है. बंद कमरे में वर्कआउट से कहीं बेहतर अनुभव साइकिलिंग देता है.
मैं साइकिलिंग के कई ग्रुप से जुड़ा हूं. रविवार को साइकिल दोस्त ग्रुप के साथ कहीं साइकिलिंग के लिए निकल जाता हूं. हालांकि सप्ताह में कभी दो-तीन दिन तो कभी सातो दिन साइकिलिंग का मौका मिलता है. हां, कभी-कभी कई दिनों का गैप भी हो जाता है.
साइकिल से लंबी-लंबी दूरी हमने तय की है. कभी जमशेदपुर तो कभी भुवनेश्वर, कभी पुरी तो कभी कोणार्क. मुंबई से गोवा तक गए हैं तो मनाली से लेह-लद्दाख तक भी. कोशिश रहती है कि औसतन एक दिन में 50 किमी तक की दूरी नापूं.

संदेश
साइकिलिंग सबसे रुचिकर व्यायाम है. इससे शारीरिक-मानिसक तौर पर हम स्वस्थ रहते हैं. स्वाभाविक है कि पर्यावरण के लिए हितकर भी.

गणेश रेड्डी
संस्थापक, सिटीजंस फाउंडेशन

बीपी-शुगर की समस्या से दूर हूं

साइकिल दोस्त के एडमिन राजीव टाक और डेंटिस्ट डॉ उदित लाल की प्रेरणा से मैंने नियमित साइकिलिंग लॉकडाउन के दौर में शुरू की. इससे पहले भी स्पोर्ट्स से जुड़ाव रहा है, लेकिन जब से साइकिलिंग शुरू की, इसके फायदों ने आकर्षित किया. कोरोना के समय करीब 6-7 महीने में मैंने दस किलोग्राम वजन इससे कम किया.
इतवार की सुबह पांच-साढ़े पांच बजे हम कुछ साथी एकत्र होते हैं और निकल जाते हैं साइकिलिंग के लिए. 50 से 100 किमी तक की दूरी हम साइकिल से नाप लेते हैं. अपनी बात करूं तो कोशिश यही रहती है कि महीने में करीब 150 किमी साइकिलिंग करुं. वर्ष 2000 से अब तक मैंने 14000 15000 किमी साइकिलिंग की है.
यह इस शौक का ही असर है कि अतिरिक्त दवाएं नहीं लेनी पड़ती है. आज 50-51 वर्ष की उम्र में भी बीपी-शुगर जैसी बीमारियों से दूर हूं.

संदेश
साइकिल चाहे 5000 रुपए की हो या एक लाख रुपए की, फायदे सभी से मिलते हैं. सप्ताह में 15-20 किमी साइकिल चला कर देखिए, फायदे साफ नजर आएंगे. जोड़ों का दर्द या जो भी शारीरिक समस्याएं होंगी, उसमें राहत महसूस होगा.

संजीव कुमार दास
आयकर अधिकारी

अलौकिक है यह अनुभव

संचित प्रसाद
भा. रा. से.,जीएसटी

संदेश
आज ही एक साइकिल खरीदए और शुरु हो जाइए. शुरु में थोड़ी दिक्कत होती है, पर कुछ ही दिनों में खुली हवा का आनंद दायक अनुभव विभोर कर देगा.

मैं विगत आठ वर्षों से साइकिलिंग कर रहा हूं और मैं हमेशा उस घड़ी को धन्यवाद करता हूं जब हमने साइकिलिंग शुरू करने का फैसला लिया था. यह सिर्फ शरीर के लिए व्यायाम नहीं है अपितु ये मानसिक तनाव को दूर करके आपके मस्तिष्क में डोपामाइन हार्मोन का संचार करता है जिससे आप दिन भर तनाव मुक्त होकर प्रफुल्लित रहते हैं. साइकिल आप को वहां उन जंगल, वाटरफॉल, नदी या पहाड़ में ले जा सकता है जहां आप कार या बाइक से जाने की सोच भी नहीं सकते. और अगर आप समूह में साइकिलिंग करते हैं तो आपकी मस्ती में चार चांद लग जाता है, कब आप हंसते गाते बात करते 40 से 50 किलोमीटर तय कर लेते हैं पता भी नहीं चलता.
गत वर्षों में मैंने अपने ग्रुप के साथ दो बहुत ही चुनौती पूर्ण साइकिल यात्रा की है जिसमें पहला 2019 में मनाली से लेह होते हुवे खारदुंगला 520 किमी और दूसरा 2023 के दिसंबर में मुंबई से गोवा तक लगभग 600 किमी. सच मानिए, जो अलौकिक दृश्य देखा है और जो अनुभूति हुई उसका वर्णन यहां नहीं किया जा सकता है. हां, और ये कठिनाइयों से भरे दुर्गम रास्ते जब आप पार कर लेते हैं, तो यकीन मानिए आपके दिमाग में इतनी शक्ति आ जाती है कि जीवन की कोई भी चुनौती आपको छोटी लगने लगती है.
विगत छः महीने से मैं अपने साइकिलिंग ग्रुप "साइकिल दोस्त", रांची, से दूर तबादला के वजह से राउरकेला आ गया हूं, और यहां भी जब फुर्सत होती है, 50 से 60 किमी का चक्कर साइकिल से लगा लेता हूं.
साइकिलिंग एक लो इम्पैक्ट व्यायाम है, जो आपके घुटने में दर्द नहीं होने देता बल्कि अगर दर्द है तो ठीक करता है. कहते हैं कि बुढ़ापा पैरों के कमजोर होने के बाद ही शुरू होती है, साइकिल आपके पैरों को बलिष्ठ बना कर बुढ़ापा को दूर ढकेल देगा. दिल और फेफड़े मजबूत होंगे वो अलग से. आज के भाग दौड़ के दौर में जहां लोगों को आपस में मिलने का समय नहीं है, साइकिलिंग समूह में करने से आपके अच्छे दोस्त बनेंगे और आपका सामाजिक दायरा में विस्तार होगा.

होता जन्नत सा अहसास

सुमन प्रसाद
फायनाइंस अधिकारी
बैंक ऑफ इंडिया

करीब नौ वर्ष पूर्व वर्ष 2015 में अपने मित्र राजीव और हेमंत के साथ व्यायाम और मनोरंजन के तौर पर इस चलाना शुरू किया और एक दिन अति उत्साह में हम पतरातू चले गए. घाटी में साइकिल चलाना एक साहसिक कदम था. यह खबर अखबार में भी प्रकाशित हुई. ऐसे में लोगों में कौतुहल जागी और लोग जुड़ते गए. साइकिल ने फिटनेस के अलावा हमें ढेर सारे प्यारे-प्यारे दोस्त दिए. साइकिल ने हमें खुद को भी समझने का मौका दिया कि हम क्या हैं और हमारे भीतर क्या संभावनाएं हैं. इसने हमारी शक्ति, साहस और दृढ़ता को बढ़ाया. यही कारण है कि उम्र के पड़ाव पर पिछले साल मैंने दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, लद्दाख जैसे दुर्गम स्थानों पर मैराथन दौड़ पूरा कर लिया. हां, लद्दाख में मेरी तबियत बिगड़ गई थी और चार दिनों तक मुझे हॉस्पिटल में एडमिट रहना पड़ा था, लेकिन यह साइकिल की ताकत ही थी जिसने मेरे भीतर इतना साहस और दृढता भर दिया कि मैंने हॉस्पिटल से निकल कर अगले ही दिन मैराथन सफलता पूर्वक पूरा कर लिया.
एक बात मैं अपने ग्रुप साइकिल दोस्त के बारे में कहूंगा कि जब सारे दोस्त साइकिल पर सवार होकर बाहर निकलते हैं तब चेहरे पर हवा के झोंकों के साथ हमारे मित्र राजीव द्वारा बजाए मधुर संगीत की ध्वनियां गूंजती है तो मारे खुशी के हम पागल हुए जाते हैं, और वह पल हमारे लिए किसी जन्नत से कम नहीं होता.

संदेश
साइकिल अपनाएं, इससे सस्ते में स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सकता है.

जज्बा जुड़ा है

वंदना सराफ खेमका
शिक्षिका

पहले साइकिल पर बैठना तक नहीं आता था. गैराज में ही साइकिल चलाना सीखी. अब करीब 6-7 वर्षों से साइकिल दोस्त ग्रुप के साथ जुड़ कर हर रविवार को नई-नई जगहों पर साइकिल चला कर जाती हूं.

पैशन है साइकिलिंग

निशा मिंज
अधिकारी, कॉर्पोरेट

वर्ष 2018 में फिटनेस के लिए साइकिलिंग शुरू की, बाद में यह मेरा पैशन बन गया. आज के दौर में साइकिलिंग स्वास्थ्य के लिए तो बेहतर है ही, पर्यावरण के लिए भी हितकर है.

पर्यावरण के हित में है साइकिल

साइकिल चलाना आवागमन के लिए एक हरित रास्ता प्रदान करता है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि साइकिल हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी हैं. यह न केवल जिम वर्कआउट का एक बेहतरीन विकल्प है बल्कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में भी मदद करता है. आप साइकिल की सवारी करके प्रदूषण को भी कम कर सकते हैं. दूसरे शब्दों में, साइकिलों को किसी भी पेट्रोल या डीजल की आवश्यकता नहीं होती है जो हमारे वातावरण को नुकसान पहुंचाता है.

संदेश
साइकिल चलाना स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में मदद करता है. इसी तरह यह पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचाता है. इसलिए इसे अपनाएं.

हेमंत प्रसाद
जिंदल स्टील पदाधिकारी

संदेश
लोगों से मेरा संदेश है साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ.

राजीव टाक
सी ए. के सी टाक एंड कंपनी

मेरा प्यार, मेरा पैशन है साइकिल

साइकिल !! दुनिया में ऐसा कौन बच्चा है जिसने साइकिल नहीं चलाई हो. मां बाप पहले या दूसरे बर्थडे में बच्चों को साइकिल ही देते हैं चाहे वो तीन पहियों वाली हो. सभी बच्चों का बचपन इसमें है.
साइकिल चलाते हुए बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं. ऐसा अहसास होता है मानों अब भी अपना बचपन जी रहा हूं. जो ऊर्जा और उत्साह बचपन में साइकिल चलाने मिलती थी, उसी ऊर्जा और उत्साह की वजह से मुझे साइकिल से बहुत ज्यादा प्यार हो गया इसलिए इतने सालों से साइकिल का पैशन बरकरार है. मैं सच कहता हूं, साइकिल चलाने के बाद मेरे लंग्स बहुत मजबूत हो गए. अस्थमा की शिकायत दूर हुई और घुटने मजबूत हुए. इन्हीं हेल्थ बेनिफिट्स को देखते हुए मैंने इसका ज़िक्र दोस्तों से किया और धीरे धीरे कारवां बनता गया जो अब साइकिल दोस्त के नाम से जाना जाता है.
मुझे खुशी है कि भले स्वास्थ्य के कारणों से शुरू किया, व्यक्तिगत स्तर पर पहल किया, पर इससे पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी करने का मकसद भी पूरा हुआ. मुझे नई-नई साइकिलों ने बहुत अट्रैक्ट किया जिसमें गेयर होते हैं और उनकी ड्रेस ने भी, जो साइकलिंग करते समय पहना जाता है. फिर उसके सारे गुजेट्स ने भी मुझे बड़ा आकर्षित किया, तो इन सारी चीजों ने मिलकर मेरे अंदर साइकिल प्रेम उत्पन्न किया है जिसे मैं कभी नहीं छोड़ सकता.

डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

ब्रीफ खबरें

रियाल मैड्रिड ने 15वीं बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

लंदन: रियाल मैड्रिड ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां बोरूसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराकर रिकॉर्ड 15वीं बार चैंपियंस लीग फुटबाल प्रतियोगिता जीती.वेम्बले स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की जीत के बाद रियाल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा,''हमें इसकी आदत पड़ती जा रही है. हमारा स्वप्निल सफर जारी है.'एंसेलोटी का कोच के रूप में चैंपियंस लीग में यह पांचवा खिताब है. इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड में सुधार किया.

प्रज्ञाननंदा ने फैबियानो कारूआना को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता के पांचवें दौर में अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना को हराया, जिससे वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं.अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने खराब फॉर्म में चल रहे चीन के विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर अपनी बढ़त को एक अंक तक बढ़ा दी. नाकामुरा के 10 अंक हैं. कार्लसन ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया.

छह जून के बाद खिलाड़ियों का करियर बदल सकता है : स्टिमक

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने रविवार को कहा कि कुवैत के खिलाफ आगामी फीफा विश्व कप क्वालीफायर बहुत बड़ा मुकाबला है जिससे उनके खिलाड़ियों का करियर बदल सकता है. भारत फीफा विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर के घरेलू चरण के मैच में साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत से भिड़ेगा और फिर 11 जून को कतर से उसकी सरजमीं पर भिड़ेगा. भारतीय टीम गुवाहाटी में अपनी सरजमीं पर हुए मैच में निचली रैंकिंग पर काबिज अफगानिस्तान से हार गयी थी.

शोरिफुल ने बढ़ाई बांग्लादेश की चिंता

न्यूयॉर्क । बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए और उनके बाएं हाथ में छह टांके लगाने पड़े.यह घटना शनिवार को भारतीय पारी के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर घटी जब शोरिफुल ने हार्दिक पंड्या के शॉट को रोकने की कोशिश की. इससे उनके हाथ में चोट लग गई और उन्हें वापस पवेलियन लौटना पड़ा. इस ओवर की अंतिम गेंद तंजीम हसन साकिब ने की.

उद्घाटन समारोह में कलाकारों ने दिखाए करतब

बैंड-बाजे के साथ हुई टी-20 विश्व कप की शुरुआत

एजेंसी।डलास

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 का आगाज हो चुका है. यह इस टूर्नामेंट का नौवां संस्करण है और इस साल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. टूर्नामेंट का आगाज बैंड बाजे के साथ हुआ. कलाकार ढोल नगारों के साथ आए और उन्होंने मैदान में महफिल जमा दिया. आईसीसी ने इसका वीडियो भी शेयर किया है. कलाकार एक कॉमन ड्रेस में दिखाई दिए. वह सभी ढोल बाजे क साथ मैदान क अंदर प्रवेश करते हैं. कुछ कलाकार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हर देश के झंडे के साथ दिखाई पड़ते हैं. इस दौरान आसमान में आतिशबाजी भी होती है. टी-20 विश्व कप के लिए शुभंकर भी मैदान में दिखता है. मैदान में बैठे दर्शक इस कार्यक्रम का लुत्फ उठाते और ताली बजाते हुए दिखते हैं.

वेस्टइंडीज और अमेरिका के नौ स्थानों पर खेले जायेंगे मैच

इस साल टी-20 विश्व कप के मैच वेस्टइंडीज और अमेरिका के नौ स्थानों पर खेले जा रहे हैं. इनमें वेस्टइंडीज के छह और अमेरिका के तीन स्थान हैं. इंग्लैंड की टीम डिफेंडिंग चैंपियन है. उसने 2022 में पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया था. भारतीय टीम की नजर दूसरी बार चैंपियन बनने पर है. टीम इंडिया ने 2007 में उद्घाटन संस्करण में यह खिताब अपने नाम किया था. इसके 17 साल बीत गए, लेकिन टीम एक भी बार टी-20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत पाई. हालांकि, 2014 में भारतीय टीम फाइनल में और 2016-2022 में सेमीफाइनल में जरूर पहुंची, लेकिन खिताब नहीं जीत पाई. अब रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम से काफी उम्मीदें हैं.

अभी तक का सबसे बड़ा टी-20 विश्व कप

वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट को अब तक का सबसे बड़ा टी-20 विश्व कप कहा जा रहा है. इसमें कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. सभी टीमों को पांच-पांच टीम के चार ग्रुप में बांटा गया है. भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ रखा गया है. टूर्नामेंट का पहला मैच एक जून को कनाडा और अमेरिका के बीच होगा. वहीं, फाइनल मैच 29 जून को बारबाडोस के मैदान पर खेला जाएगा. भारत का पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ होगा. वहीं, भारत पाकिस्तान मैच नौ जून को खेला जाएगा. भारत का तीसरा मैच 12 जून को अमेरिका और चौथा मैच 15 जून को कनाडा के साथ होगा.

बाबर ने भारत के साथ मैच से पूर्व पाक टीम को शांत रहने को कहा

एजेंसी।न्यूयॉर्क

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर बना माहौल, अपेक्षाओं का बोझ और दबाव खिलाड़ियों को नर्वस बना देता है, लेकिन उन्होंने टी20 विश्व कप में रविवार को यहां होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को शांत बने रहने और अपने 'बेसिक्स' पर कायम रहने की सलाह दी. भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप में अभी तक जो सात मैच खेले हैं . उनमें से उसे केवल एक में हार का सामना करना पड़ा है. पाकिस्तान में यह जीत 2021 में हासिल की थी. बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा,''हम जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के मैच पर किसी अन्य मैच की तुलना में अधिक चर्चा होती है. इसके लिए पूरी तरह से भिन्न माहौल तैयार किया जाता है तथा केवल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि प्रशंसकों में भी इसको लेकर उत्साह बना रहता है.' उन्होंने कहा, 'दुनिया में आप कहीं भी जाओ, आपको भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर चर्चा करते हुए लोग मिल जाएंगे. हर कोई अपने देश का समर्थन करता है. प्रत्येक प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार करता है और उसका ध्यान इस खास मैच पर लगा रहता है.'बाबर ने कहा,'निश्चित तौर पर अपेक्षाओं और इस मैच को लेकर बने माहौल के कारण खिलाड़ी थोड़ा नर्वस हो जाते हैं.

ओपनिंग मैच में रिकॉर्ड्स की बरसात, अमेरिकी क्रिकेटर ने रचा इतिहास

टी20 विश्वकप : अमेरिका ने कनाडा को सात विकेट से हराया

खास बातें

- अमेरिका की शीर्ष स्तर की क्रिकेट में शानदार शुरुआत
- एक ओवर में सर्वाधिक रन लुटाने वाले दूसरे गेंदबाज बने गॉर्डन

एजेंसी।डलास

आरोन जोन्स की 40 गेंद पर खेली गई नाबाद 94 रन की पारी की मदद से सह मेजबान अमेरिका ने टी20 विश्व कप के उद्घाटन मैच में कनाडा को 14 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर शीर्ष स्तर की क्रिकेट में धमाकेदार शुरुआत की. कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 194 रन बनाए. अमेरिका ने इसके जवाब में एंड्रीज गौस के 65 रन और जोन्स की तूफानी पारी की मदद से 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 197 रन बनाकर जीत दर्ज की. जोन्स ने अपनी पारी में 10 छक्के और चार चौके लगाए.
न्यूयॉर्क में जन्में जोन्स ने जहां आक्रमक बल्लेबाजी करके प्रभावित किया वहीं गौस ने भी बेहतरीन पारी खेली. अमेरिका ने 42 रन तक दो विकेट गंवा दिए थे इसके बाद गौस ने जिम्मेदारी संभाली. उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए. जोन्स और गौस ने तीसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की जिससे अमेरिका आसानी से लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा. इससे पहले नवनीत धालीवाल (61) और आरोन जॉनसन (23) ने कनाडा को आक्रामक शुरुआत दिलाई. इसके बाद निकोलस किर्टन ने 31 गेंदों में 51 रन बनाकर उसे चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया. मुंबई में जन्मे बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने छठे ओवर में जॉनसन को आउट करके टूर्नामेंट का पहला विकेट लिया. उनकी जगह लेने के लिए उतरे परगट सिंह भी केवल पांच रन बनाकर रन आउट हो गए. धालीवाल को हालांकि किर्टन के रूप में अच्छा साथी मिला. इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े. न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर कोरी एंडरसन ने धालीवाल को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी. धालीवाल ने 44 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए. विकेटकीपर श्रेयस मोव्वा ने 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर रन गति धीमी नहीं पड़ने दी. उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और इतने ही छक्के लगाए.

मैच में शॉट लगाते आरोन जोन्स

रेमी गॉर्डन सबसे महंगे बॉलर बने

कनाडा के जेरेमी गॉर्डन ने मैच के 14वें ओवर में 32 रन लुटा दिए. इस ओवर में उन्होंने कुल 11 गेंदें फेंकी, जिसमें तीन छक्के, दो चौके, तीन वाइड और दो नो बॉल शामिल रहे. इस तरह जेरेमी ने टी-20 विश्व कप का दूसरा सबसे महंगा ओवर फेंका. पहले नंबर पर स्टुअर्ट ब्रॉड बरकरार है, जिन्होंने युवराज सिंह से लगातार छह गेंदों में छह छक्के खाकर 36 रन लुटाए थे.

आरोन जोन्स ने क्रिस गेल की बराबरी

आरोन जोन्स ने इस मैच में 10 छक्के लगाकर खतरनाक कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल की बराबरी कर ली. 2007 टी-20 विश्व कप में गेल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 117 रन की पारी के दौरान 10 छक्के मारे थे. हालांकि टी-20 विश्व कप के एक मैच में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने का कीर्तिमान भी गेल के ही नाम है, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2016 एडिशन में लगाए थे.

हमने अभी तक बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया है : रोहित

एजेंसी।न्यूयॉर्क

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया है और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर भेजने के टीम प्रबंधन के फैसले को ज्यादा तूल नहीं दी जानी चाहिए.भारत ने शनिवार को अभ्यास मैच में निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 122 रन पर रोककर नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 60 रन से जीत हासिल की.

पंत ने 32 गेंद में 53 रन बनाये: पंत के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में रोहित ने कहा, ''सिर्फ उसे मौका देने के लिए (ऐसा किया). हमने अब तक अपनी बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया है. यहां तक कि गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया. कुल मिलाकर चीजें जिस तरह से हुईं, उससे खुश हूं.'पंत ने 32 गेंद में 53 रन की तेज पारी खेली जबकि हार्दिक पंड्या ने 23 गेंद पर 40 रन बनाए. सूर्यकुमार यादव ने भी 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली.

राहुल द्रविड़ ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहा : मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि पिच थोड़ी नरम और मुलायम थी. द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट एक वीडियो में कहा, ''एक अच्छा मुकाबला मिलना बहुत बढ़िया है. बेशक, यह एक अच्छे मैदान की तरह दिखता है. मैदान थोड़ा नरम है और खिलाड़ियों को पैर की मांसपेशियों और पिंडलियों पर इसका असर महसूस हो सकता है.'उन्होंने कहा,''इसलिए हमें इस क्षेत्र पर काम करने की जरूरत है और यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी इस बात का ध्यान रखें कि भारीपन महसूस नहीं हो.' द्रविड़ ने कहा, 'पिच थोड़ी नरम थी लेकिन मुझे लगता है कि हम इससे काफी अच्छी तरह निपटे. बल्लेबाजों ने उस विकेट पर अच्छा स्कोर बनाया और गेंदबाजों ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की.'

हम जैसा चाह रहे थे, वैसा हुआ : रोहित

रोहित ने मैच के बाद कहा, ''जिस तरह से चीजें हुईं, उससे मैं काफी खुश हूं. मुकाबले से हमें काफी कुछ वैसा ही मिला जैसा हम चाहते थे. जैसा कि मैंने टॉस के समय कहा था, परिस्थितियों के अनुकूल होना महत्वपूर्ण था.उन्होंने कहा, 'नया स्थल, नया मैदान, ड्रॉप-इन पिच - इनसे अनुकूल होना महत्वपूर्ण था और हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया.'बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया और तीन ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाए. ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी तीन ओवर में 13 रन देकर दो विकेट हासिल किए.

मैच में शुरुआत महत्वपूर्ण : अर्शदीप

पिच का अच्छा इस्तेमाल करने वाले अर्शदीप ने कहा कि कुछ चुनौतियों के बावजूद टीम परिस्थितियों के साथ अच्छी तरह से तालमेल बैठा रही है. उन्होंने कहा, अच्छा लग रहा है, यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप कैसे शुरुआत करते हैं. हमने शुरुआत में ही विकेट हासिल किए और रन नहीं दिए. विकेट से भी मदद मिल रही थी इसलिए हमने इसे सरल रखने की कोशिश की और परिणाम भी मिला.'

अपनी क्षमता से खेले भारतीय टीम: युवराज सिंह

एजेंसी ।न्यूयॉर्क

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे युवराज सिंह का मानना है कि भारतीय टीम में कौशल और आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं है और अगर वह टी-20 विश्व कप में विरोधी टीम पर ध्यान देने के बजाय अपनी क्षमता के साथ खेले तो वह आईसीसी ट्रॉफी जीतने का लंबा इंतजार खत्म कर सकती है. भारत ने अपना अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था. इससे दो साल पहले युवराज के शानदार प्रदर्शन से भारत ने वनडे विश्व कप जीता था.
भारत ने 2007 में पहला टी-20 विश्व कप भी जीता था जिसमें युवराज ने इंग्लैंड के खिलाफ लीग मैच में तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में छह छक्के लगाए थे. युवराज से जब भारत के पिछले एक दशक से भी अधिक समय से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा,''मेरा मानना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतने के लिए हमारे पास आत्मविश्वास है. अगर भारत खुद पर विश्वास रखे और अपनी पूरी क्षमता से खेले तो वह खिताब जीत सकता है.'

खेल टी-20 विश्वकप में आज के मुकाबले

द.अफ्रीकी बल्लेबाजों के सामने श्रीलंका के गेंदबाजों की परीक्षा

एजेंसी।न्यूयॉर्क

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों और श्रीलंका के गेंदबाजों के बीच सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मैच में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है. द क्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी काफी मजबूत है तो श्रीलंका के पास विविधता पूर्ण गेंदबाजी आक्रमण है. दोनों ही टीम अपने मजबूत पक्षों पर ध्यान देकर शुरू में ही अंक तालिका में खाता खोलने की कोशिश करेंगे. इस ग्रुप में नीदरलैंड, बांग्लादेश और नेपाल की टीम की शामिल हैं जो उलट फेर कर सकती हैं.दक्षिण अफ्रीका के पास कप्तान एडेन मार्कराम, विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाज हैं. क्लासेन और स्टब्स बेहतरीन फॉर्म में हैं. इन दोनों ने हाल में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया. क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से 16 मैच में 471 रन जबकि स्टब्स ने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए चार मैच में 378 रन बनाए.

टीम इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जेनसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्टजे, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स.

श्रीलंका: वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका.

मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा

ओमान के खिलाफ जीत से खाता खोलने उतरेगा नामीबिया

ब्रिजटाउन। अफ्रीका के क्वालीफायर्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली नामीबिया की टीम टी20 विश्व कप के ग्रुप बी में ओमान के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में जीत दर्ज करने के दृढ़ इरादों के साथ मैदान पर उतरेगी.नामीबिया के पास कुछ अनुभवी खिलाड़ी हैं लेकिन उसके लिए राह इतनी आसान नहीं होगी. ओमान के पास भी कुछ मंझे हुए खिलाड़ी हैं जिनके दम पर वह नामीबिया को कड़ी टक्कर देने की कोशिश करेगा. ओमान ने अप्रैल में खेली गई पांच मैच की श्रृंखला में नामीबिया को कड़ी टक्कर दी थी. नामीबिया ने आखिर में यह श्रृंखला 2-1 से जीती थी. टी20 विश्व कप में तीसरी बार भाग ले रहा ओमान निश्चित तौर पर उस पराजय का बदला चुकता करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगा.

टीम इस प्रकार हैं

ओमान: आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले, अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी, मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, खालिद कैल.

नामीबिया: गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक, जेपी कोट्ज़, डेविड विसे, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज़, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट.

मैच भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे (सोमवार) शुरू होगा

टेनिस

फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल मुकाबला

स्वियातेक एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी ।पेरिस

गत चैंपियन ईगा स्वियातेक ने अनास्तिया पोतापोवा के खिलाफ बेहद एकतरफा जीत के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. स्वियातेक ने पोतापोवा को सिर्फ 40 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया. स्वियातेक को पूरे मुकाबले के दौरान एक भी गेम प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा. पोतापोवा ने पहले ही मैच प्वाइंट पर फोरहैंड शॉट नेट पर मारकर मुकाबला स्वियातेक की झोली में डाल दिया.दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक ने मैच के बाद कहा,'मैं बेहद एकाग्र थी. मुकाबला काफी तेजी से खत्म हो गया, यह काफी अजीब था.'स्वियातेक की नजरें रोलां गैरो पर लगातार तीसरे और कुल चौथे फ्रेंच ओपन खिताब पर टिकी हैं. पोलैंड की यह शीर्ष वरीय खिलाड़ी अगले दौर में पांचवीं वरीय चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा और सर्बिया की गैरवरीय ओल्गा डेनिलोविच के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेगी.

जोकोविच की मुसेट्टी पर संघर्षपूर्ण जीत

पेरिस । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोवच ने पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा.जोकोविच ने इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी को तीसरे दौर के मैच में 7-5, 6-7 (6), 2-6, 6-3, 6-0 से हराया. यह मैच चार घंटे 30 मिनट तक चला और रविवार की सुबह तीन बजे तक खेला गया.जोकोविच की ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में यह 369वीं जीत है और इस तरह से उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. जोकोविच सोमवार को यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जब उनका सामना अर्जेंटीना के 23वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा.

बॉक्सर अमित पंघाल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

एजेंसी।बैंकॉक

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने रविवार को यहां दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन मुक्केबाजी टूर्नामेंट के 51 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन के चुआंग लियू को हराकर पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की. पंघाल ने एक कड़े मुकाबले में लियू को 5-0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक के लिए टिकट कटाया. वह ओलंपिक में जगह बनाने वाले भारत के पांचवें मुक्केबाज हैं. उनसे पहले निशांत देव (71 किग्रा), निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं.पंघाल को पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने का केवल एक मौका मिला क्योंकि वह इससे पहले की दो क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं के लिए ट्रायल्स में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया से हार गए थे. एशियाई खेल 2018 के चैंपियन पंघाल ने हालांकि इस मौके का पूरा फायदा उठाया.

▼ ब्रीफ खबरें

रक्सौल बॉर्डर पर युवक के साथ नाबालिग गिरफ्तार

मोतिहारी । भारत-नेपाल सीमा स्थित रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी ने एक युवक के साथ नाबालिग लड़की को पकड़ा. युवक नाबालिग को नौकरी और शादी का झांसा देकर नेपाल ले जाने की फिराक में था. उसने फेसबुक से नाबालिग को प्रेम जाल में फंसाया था. बॉर्डर पर एसएसबी 47 बटालियन एवं प्रयास जुवेनाइल एंड सेंटर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर दोनों को पकड़ लिया. पूछताछ की गई तो नाबालिग ने चौंकाने वाली बात बताई. उसने कहा कि कुछ दिन पहले युवक से फेसबुक के जरिए संपर्क हुआ था. उसने नौकरी दिलाने के साथ शादी का प्रलोभन दिया था. 28 मई को अपने घर पश्चिम बंगाल से बिना घर के लोगों को बताए युवक के साथ वह निकल पड़ी.

छह अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

बेतिया । मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बेतिया पुलिस ने छह अपराधियों को गिरफ्तार किया. सभी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जमा हुए थे. पलिस ने सभी अपराधियों को एक लोडेड पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक पिस्टल का मैग्जीन, पांच जिन्दा कारतूस , दो बाइक के साथ गिरफ्तार किया. बेतिया सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी के पास कुछ अपराधी जमा हुये हैं.

छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला

गोपालगंज । जिले के थावे थाना क्षेत्र की पुलिस पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया. इसमें पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया. पुलिस टीम थावे ओवरब्रिज के नीचे विदेशी टोला में शराब मामले में वांछित अभियुक्त के गिरफ्तारी करने पहुंची थी. इस हमले में डायल 112 की दो गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई. जबकि चालक जख्मी हो गया. जिसे तत्काल इलाज के लिए थावे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया. जहां उसका इलाज डॉक्टर के देखरेख में किया गया. जख्मी चालक की पहचान शंभू नाथ सिंह के रूप में की गई.

एनडीए के साथी जीतन राम मांझी ने इंडिया गठबंधन की बैठक पर निशाना साधा, बोले

तय नहीं हो पाया कि हार का ठीकरा किस पर फोड़ना है

संवाददाता ।पटना

एनडीए-इंडिया

- एक जून को एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए
- मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर एक बैठक हुई थी

कुछ एग्जिट पोल में तो एनडीए को चार सौ से अधिक सीटें मिलने के भी दावे किए गए हैं. वहीं, इंडिया गठबंधन 150 सीटों से आगे जाता दिखाई नहीं दे रहा है

चुनाव संपन्न हो जाने के बाद भी एनडीए और महागठबंधन के नेता एक्जिट पोल को लेकर एक-दूसरे पर हमलावर हैं. इसी दौरान एनडीए के साथी जीतन राम मांझी ने इंडिया गठबंधन पर तीखा तंज कसा. मांझी ने अपने एक्स अकाउंट पर शनिवार हुई इंडिया अलायंस की मीटिंग पर निशाना साधा.

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि इंडिया गठबंधन यह तय नहीं कर पाया कि हार का ठीकरा किसके सिर पर फोड़ना है. इसके आगे जीतन राम मांझी ने बधाई देते हुए यह भी लिख दिया कि आ रहे हैं मोदी जी ही. गौरतलब है कि शनिवार को आए एग्जिट पोल्स में एनडीए की सरकार बनती दिखाई दे रही है. बता दें कि एक जून को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों की एक बैठक हुई थी. इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. जिसमें से एक फैसला गठबंधन के नेताओं को एग्जिट पोल से जुड़े टीवी कार्यक्रमों में भेजने का था.

मांझी ने इसी बैठक को लेकर सवाल उठाए. उन्होंने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा कि हुई चार जून की दोपहर तक इंडिया गठबंधन की बैठक में यह तय नहीं हो पाया कि हार का ठीकरा किस पर फोड़ना है. हां, यह तय जरूर हुआ कि चार जून की दोपहर तक इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों के नेता जीत का सपना देखते हुए सपने में ही खुद प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला लें. इसके आगे उन्होंने लिखा कि वैसे आ रहे हैं मोदी जी ही. जीत की अग्रिम बधाई. बता दें कि एक जून को अंतिम चरण के चुनाव के बाद एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए हैं. लगभग सभी एग्जिट पोल में अगली सरकार भी एनडीए की ही बनती बताई जा रही है. कुछ एग्जिट पोल में तो एनडीए को चार सौ से अधिक सीटें मिलने के भी दावे किए गए हैं. वहीं, इंडिया गठबंधन 150 सीटों से आगे जाता दिखाई नहीं दे रहा है. इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने दावा किया है कि उन्हें 295 सीटें मिल रही हैं.

नशेड़ियों के दो पक्ष आपस में भिड़े, तीन युवक हुए जख्मी

संवाददाता ।नालंदा

जिले के बिहार थाना क्षेत्र में रविवार को दो पक्षों में भिड़ंत हो गया. धटना सकुनतकला मोहल्ला के पास की है. नशेड़ियों के दो पक्ष आपस में भिड़ गये. इस घटना में तीन युवक जख्मी हो गए. पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया. दोनों पक्षों की ओर से ना सिर्फ मारपीट हुई बल्कि पथराव भी हुआ.

सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस और वरीय पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तब जाकर मामला शांत हुआ. घायल तीन युवकों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया. जख्मी होने वालों में बरबीघा बस स्टैंड के पास तकिया पर निवासी एहसान खान, सकुनतकला निवासी कारू कुमार और पवन कुमार शामिल हैं. घटना के संबंध में बताया जाता है कि जख्मी एहसान खान ब्राउन शुगर का सेवन करता है. नशे में अपने आधा दर्जन साथियों के साथ सकुनतकला मोहल्ले में घुस गया और कारू कुमार के साथ मारपीट करने लगा. इसमें कारू का सिर फट गया. जिसके बाद सकुनतकला मोहल्ले के लोग दौड़े. एहसान की पकड़कर पिटाई कर दी. हालांकि पुलिस सही समय पर पहुंच गई जिसके बाद लोगों के चंगुल से उसे छुड़ाया गया. जख्मी कारू ने बताया कि वह घर के दरवाजे के पास बैठा हुआ था तभी अचानक नशे की हालत में एहसान छह और लोगों के साथ पहुंचकर मारपीट करने लगा.

रामकृपाल यादव के काफिले पर हुए हमले पर बोले सम्राट चौधरी

राजद गुंडागर्दी के लिए मशहूर

जताया विरोध

- सारण में राजीव के खिलाफ चुनाव में रोहिणी आचार्य हैं
- पाटलिपुत्रा से राममृपाल के खिलाफ मीसा भारती हैं

संवाददाता ।पटना

पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते प्रदेश के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी.

शनिवार को लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण भी समाप्त हो गया. लेकिन हिंसा की वजह से पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र चर्चा में रहा. दरअसल शाम में पाटलिपुत्र के कैंडिडेट और भाजपा नेता रामकृपाल यादव के काफिले पर गोलियां बरसाई गई. बदमाशों ने चार गोलियां चलाई. भाजपा ने इस घटना को मुद्दा बना लिया.

रविवार को प्रेस पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इसके लिए लालू परिवार को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा कि हार की बौखलाहट से राजद के गुंडों ने रामकृपाल यादव के ऊपर पाटलिपुत्र में फायरिंग कर दी. इसकी जांच के लिए हमने एसआईटी बना दी है. एक-एक पर कठोरतापूर्वक कार्रवाई होगी. राजद फिर बिहार में गुंडाराज बहाल करना चाहती है. कहा कि पाटलिपुत्रा से राममृपाल यादव के खिलाफ लालू यादव की बेटी मीसा भारती चुनाव लड़ रही हैं. सारण में भाजपा के राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्या चुनावी मैदान में हैं. सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू परिवार हिंसा के बल पर चुनाव जीतना चाहता है. लालू और राजद के गुंडे अपनी गुंडागर्दी के लिए मशहूर हैं. लालू का मतलब ही है गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार. इन्होंने अपनी दोनों बेटियों मीसा भारती और रोहिणी आचार्य के चुनावी क्षेत्रों में चुनाव को हिंसा में बदल दिया.

बता दें कि सारण और पाटलिपुत्र दोनों ही जगह चुनाव के बाद गोलियां चलवाई गईं. सारण में गोली लगने से मौत के बाद भारी बवाल हुआ. कई दिनों तक इंरनेट सेवा को बाधित रखना पड़ा. काफी मशक्कत के बाद सारण में हालात सामान्य हुए. दरअसल शनिवार को चुनाव के बाद भाजपा नेता रामकृपाल यादव का काफिला निकल रहा था. उसी समय अज्ञात बदमाशों के द्वारा गोलियां चलाई गई. जिसमें एक भाजपा का वर्कर घायल हो गया.

इस मामले में पटना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है. जिसमें अब तक नौ नामजद और 40 अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है. एक अभियुक्त की गिरफ्तारी कर ली गई है. जिसका नाम विकास कुमार है. पटना पुलिस के वरीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव पर हमले की घटना पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि हारने के कारण लालू यादव के 'युवराज' बिहार में गुंडागर्दी का राज स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं. रामकृपाल यादव

गिरिराज ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा

गिरिराज सिंह ने कहा कि सारण में भी राजद की गुंडागर्दी दिखी थी . पाटलिपुत्र में तो पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रत्याशी रामकृपाल यादव पर जानलेवा हमला किया गया . वहां कार्यकर्ताओं को पीटा और घायल किया गया . मसौढ़ी में लोग पहले से ही भयभीत थे कि राजद के लोग उत्पात मचाते हैं . वहीं गिरिराज सिंह ने एक्जिट पोल को लेकर एक बार फिर ममता बनर्जी पर निशाना साधा . गिरिराज ने कहा कि बंगाल की जनता से अब ममता बनर्जी का विश्वास उठ गया है . यही वजह है कि आज बंगाल में भी भाजपा बहुमत से आगे जा रही है . कहा कि चार तारीख को सारी बातें स्पष्ट हो जाएंगी और विपक्ष की सारी खटखट और फटाफट धरी की धरी रह जाएगी . वहीं कांग्रेस के 295 सीट से अधिक वाले बयान को गिरिराज सिंह ने थेथरोलॉजी करार दिया . कहा है कि आज सभी सर्वे एजेंसियां 400 के आसपास एनडीए की बढ़त को बता रही हैं तो वहीं कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन थेथरोलॉजी से बाज नहीं आ रही .

प्रियंका व राहुल ने बिहार में अधिक समय दिया होता, तो नतीजा कुछ और होता

मोदी किसी सूरत में इस बार देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे: पप्पू यादव

संवाददाता ।पटना

दी प्रतिक्रिया

- इस बार पूर्णिया से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं पप्पू यादव
- एनडीए के भीतर इंटरनल कनफ्लिक्ट भी बहुत ज्यादा है

लोकसभा चुनाव के बाद एक्जिट पोल को लेकर राजनीतिक गलियारे में दावों को दौर जारी है. जिस पार्टी को नुकसान दिखाया जा रहा है, वह इसे खारिज कर रहा है. वहीं जिसके पक्ष में परिणाम दिख रहा है, वह संतुष्ट है. सभी एजेंसियों के आंकड़ों पर गौर करें तो भी बिहार में एनडीए को 29-30 से कम और इंडिया गठबंधन को 10-11 से ज्यादा सीटें नहीं मिल रही हैं. इस पर पूर्णिया से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पप्पू यादव का बयान सामने आ गया.

पप्पू यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जुबानी हमला किया. कहा कि नरेंद्र मोदी फिर से सत्ता में आ गए तो पूरा देश मणिपुर बन जाएगा. पप्पू यादव ने एग्जिट पोल के आंकड़ों को लेकर सर्वे एजेंसियों पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर भाजपा को देशभर में 240 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने जा रही हैं. लेकिन कोई भी चैनल 300 से कम सीट नहीं दे रहा है. जबकि पूरा एनडीए मिलकर 272 के आंकड़े को पार कर जाए वही गनीमत है. पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए के भीतर इंटरनल कनफ्लिक्ट भी बहुत ज्यादा है. उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी किसी सूरत में इस बार प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे.

बिहार की 40 सीटों के चुनावी परिणाम के सवाल पर पप्पू यादव ने कहा कि प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने अधिक से अधिक बिहार में समय दिया होता तो नतीजा कुछ और होता. जैसे यूपी में प्रियंका गांधी का अखिलेश यादव के साथ रोड शो हुआ और राहुल गांधी जी ने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर लहर पैदा की. उतना बिहार में होता तो नतीजा कुछ और रहता. पप्पू यादव ने बिहार में टिकट बंटवारे पर भी सवाल उठाया. कहा कि प्रचार अभियान के साथ टिकट बंटवारे में कांग्रेस नेता गंभीरता के साथ ध्यान देते तो महागठबंधन यहां 25 से 30 सीटों पर निश्चित रूप से जीत दर्ज करती.

तेजस्वी यादव से प्रतिस्पर्धा के सवाल पर पप्पू यादव ने डिप्लोमेटिक उत्तर दिया. कहा कि तेजस्वी यादव बहुत छोटे हैं. 1990 में जब हम एमएलए बन गए थे उस समय उनका जन्म हुआ. इसलिए उनसे कैसा कॉम्पिटिशन. सबका अपना अपना भाग्य और कर्म होता है. मेरा लक्ष्य है बिहार के साढ़े13 करोड़ जनता के अधिकारों और आजादी को सुनिश्चित करना.

इस पर मेरी लड़ाई पहले से चल रही है. पप्पू यादव ने कहा कि जब किसी की आंखों में आंसू देखता हूं तो दौड़ पड़ता हूं. उन लोगों को न्याय दिलाने के लिए मैं किसी भी सीमा को पार करने के लिए तैयार हूं. पप्पू यादव ने खुद को पॉलिटिकल एसेट बताया. कहा कि समाज की बेहतरी और व्यवस्था में सुधार के लिए हमेशा लड़ाई लड़ता है.

कारोबार

एआई का लाभ उठा रही हैं एयरलाइन कंपनियां

नयी दिल्ली । भारतीय एयरलाइंस ग्राहक सेवा कर्मचारियों के काम के बोझ को कम करने और यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कृत्रिम मेधा का लाभ उठा रही हैं. एयर इंडिया ने अपनी पांच वर्षीय बदलाव योजना के तहत एआई का व्यापक उपयोग करने की तैयारी की है. इसका जेनरेटिव एआई वर्चुअल एजेंट 'एआई.जी' 1,300 से अधिक विषयों को संभालता है. इसी तरह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के पास एआई चैटबॉट '6एस्काई' है, जिसमें 1.7 लाख करोड़ मानक हैं, जिससे यह आसानी से सवालों के जवाब दे सकता है.

मई माह में बिजली की मांग 15 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली । देश में बिजली की खपत मई में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में लगभग 15% बढ़कर 156.31 अरब यूनिट (बीयू) हो गई है. इसका एक प्रमुख कारण देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी है जिसकी वजह से ठंडक देने वाले एयर कंडीशनर और कूलर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ा है. मई, 2024 में एक दिन में अधिकतम आपूर्ति भी बढ़कर 250.07 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई.

लाल सागर में मालवाहक जहाजों का परिवहन लगभग बंद हो गया है

बढ़ सकती हैं इलेक्ट्रिकल गुड्स की कीमतें

रास्ता बंद

- कॉपर वस्तुओं के दामों में 20-25% की बढ़ोतरी
- जहाज अब लंबे समुद्री मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं

भाषा ।नयी दिल्ली

कंटेनर्स के रेट 2400 से 2900 डॉलर तक पहुंच गए

यूरोप और मिडल ईस्ट से भारत आने-जाने के लिए समुद्री जहाज पहले स्वेज नहर का रास्ता लिया करते थे . लेकिन, हुती विद्रोहियों के हमले के बाद अब उन्हें लगभग 8500 किमी लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है . यह रूट लगभग 330 बड़े जहाज, जिन पर करीब 12 हजार कंटेनर लदे हुए हैं, ने अपनाया है . जहाज को अपने गंतव्य तक पहुंचने में लगने वाला समय भी 35 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है . इसके चलते चीन के पोर्ट्स पर मई से ही जहाजों की कमी होने लगी है और किराया बढ रहा है . अब कंटेनर्स के रेट 2400 से 2900 डॉलर तक पहुंच गए हैं . लाल सागर संकट से पहले यह 850 से 1000 डॉलर पर थे . लाल सागर संकट के चलते 20 और 40 फीट कंटेनर की कीमतें पूरी दुनिया में बढ़ गई हैं . कंपनियां अपना सामान एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए 20 फीट के कंटेनर को ज्यादा पसंद कर रहे हैं .

युद्ध भले ही दो देशों में हो, लेकिन इसका दूरगामी असर वैश्विक व्यापार पर पड़ता है. इसमें सबसे अधिक असर उन देशों पर पड़ता है, जिसके सामान समुद्र के रास्ते जहाज से आते हैं. मध्य पूर्व में चल रहे तनाव का असर अब कारोबार पर दिखना शुरू हो गया है. खबर है कि उपभोक्ताओं को फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, पंखे, किचन अप्लायंस, वायर और पंप जैसे इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर गुड्स खरीदने के लिए 2-5% अधिक खर्च करना पड़ सकते हैं.

इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्ज के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हैवेल्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख निर्माताओं ने या तो कीमतें बढ़ाई हैं या अपने डीलरों को सूचित किया है कि वे ऐसा करने वाले हैं. उनके मुताबिक, इसके पीछे कॉपर और एल्यूमीनियम जैसी प्रमुख वस्तुओं के दामों में 20-25% की बढ़ोतरी और रुपये का अवमूल्यन तो है ही. इसके अलावा पिछले दो-चार महीनों में लाल सागर संकट के कारण माल ढुलाई लागत में आई तेजी है. दरअसल इजरायल हमास जंग के कारण लाल सागर में मालवाहन जहाजों पर हुती विद्रोहियों के हमले से इस मार्ग पर माल परिवहन लगभग बंद हो गया है.

मालवाहक जहाजों को अब लंबे वैकल्पिक समुद्री मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ रहा है. इस वजह से शिप कंटनेर्स की कमी हो गई है. शिप कंटनेर्स की कमी से चीन से माल आने में भी दिक्कत हो रही है और माल भाड़ा भी बढ गया है. इन वजहों से अब आईटी हार्डवेयर, टीवी, वॉशिंग मशीन और एसी जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की कीमत में उछाल आने की पूरी आशंका है. देश की दूसरी सबसे बड़े घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने अपने ट्रेड पार्टनर्स को व्हाट्सएप मैसेज के जरिये इस बारे में सूचित किया है. उसने बताया है कि रुपये के अवमूल्यन से इनपुट लागत में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए वह होम एप्लायंस कैटेगरी में जून से 2.5% की कीमत बढ़ोतरी पर विचार कर रही है.

सन फार्मा को राजस्व में वृद्धि की है उम्मीद

नयी दिल्ली । फार्मा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज को चालू वित्त वर्ष (2024-25) में अपने राजस्व में ऊंची एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद है. कंपनी के प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी ने यह बात कही है. मुंबई की इस कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 में कुल एकीकृत परिचालन राजस्व 48,497 करोड़ रुपये रहा है. इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 43,886 करोड़ रुपये था. सांघवी ने एक विश्लेषक कॉल में कहा कि हमें 2024-25 में ऊंची एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद है. हमारे सभी कारोबार क्षेत्र वृद्धि के लिए तैयार हैं. उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सन फार्मा अपने कारोबार क्षेत्रों में निवेश के चरण में रहेगी. सांघवी ने कहा कि इसमें अमेरिका में उत्पाद उतारने की लागत शामिल है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है, क्योंकि हमारे वैश्विक स्पेशियल्टी कारोबार का विस्तार जारी रहने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि साल के दौरान शोध एवं विकास पर बिक्री का आठ से 10 प्रतिशत निवेश किया जाएगा. एक अलग सवाल के जवाब में सांघवी ने कहा कि हमें भविष्य के लिए निवेश जारी रखना होगा. और हमारा प्रयास यह होगा कि जब हम भविष्य के लिए निवेश कर रहे हैं, तो हम इसे लाभप्रदता की कीमत पर न करें.

2030 का भारत अभियान इंदौर से शुरू होना गर्व की बात: पवन

2030 का भारत अभियान की जानकारी देते पवन और रोहित.

एजेंसी ।इंदौर

इंदौर में 2030 का भारत अभियान के तहत सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए कुछ सार्थक प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की गई. ये प्रोजेक्ट्स गरीबी, भुखमरी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित होने के साथ-साथ स्ट्रीट वेंडर्स के सहयोग और कैदियों के बेहतर स्वास्थ्य, पुनर्वास व कल्याण के प्रति भी समर्पित है. इस अभियान की शुरुआत समाजसेवी, लेखक व राजनीतिक रणनीतिकार अतुल मलिकराम द्वारा एक शिक्षित व समृद्ध भारत के दृष्टिकोण के साथ की गई है.

इस अभियान का लक्ष्य मार्च 2026 तक इन सभी प्रोजेक्ट्स को देश के 10 राज्यों तक फैलाने का है. इन प्रोजेक्ट्स की विशेषताओं के बारे में बताते हुए पवन त्रिपाठी, चीफ ब्रांडिंग एंड कम्युनिकेशन ऑफिसर, ने कहा कि इंदौर से इस पहल की शुरुआत हमारे लिए गर्व की बात है. इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से हम गरीबी और भुखमरी की समाप्ति में सहयोग के साथ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे शहरों और गली-मोहल्लों में स्थित स्कूलों के टीचर्स को ट्रेनिंग देने की पहल कर रहे हैं.

प्रोजेक्ट्स से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रोहित सिंह ने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग कॉर्पोरेट के सीएसआर से आएगी. इस पहल के माध्यम से न केवल समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त किया जाएगा, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जाएगा.

शेयर बाजार

पिछले सप्ताह निफ्टी में 427 अंकों की गिरावट रही, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकद संभाग में 7754 करोड़ रुपये की बड़ी बिकवाली की

अब भारत व इसका शेयर मार्केट अपनी और भी गर्वीली यात्रा के लिए तैयार है

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

एक बड़ी समयावधि के लोकसभा चुनाव के सभी चरण संपन्न हो गए हैं तथा एक्जिट पोल भी आ गए हैं. इनमें मोदी सरकार की प्रचंड बहुमत से पुनर्वापसी का अनुमान लगाया गया है. शेयर मार्केट इस शुभ समाचार की प्रतीक्षा कर रहा था. अब तो लगता है शेयर मार्केट भागेगा खटाखट,पैसे बनेंगे टकाटक. इस बार का लोकसभा का चुनाव भारत के भविष्य के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण चुनाव था. भारत, जो सभी क्षेत्रों में एक सशक्त आकार ले रहा था, वो किस दिशा में किस गति से अब बढ़ेगा, कोई अवरोध तो नहीं आएगा इत्यादि के निर्णय का चुनाव था. अब मोदी पुनः आ रहें हैं तो राष्ट्र अपने आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निश्चिंत है तथा आर्थिक सशक्तिकरण शेयर मार्केट के लिए बहुत उत्साहजनक होता है, प्रिय होता है. इंडिया गठबंधन के व्यवहारिक, अतार्किक घोषणापत्र से भारतीय उद्योग व्यापार जगत,शेयर मार्केट चिंतित था. उनकी सत्ता नही आने की संभावना से इस चिंता के बादल छंट गए हैं. अब भारत तथा भारत का शेयर मार्केट अपनी और भी गर्वीली यात्रा के लिए तैयार है. पिछले सप्ताह लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार की सीटों के आकलन को ले कर अनेक चर्चाएं चल रहीं थीं. कुछ में भाजपा को कम सीटें मिलने की बात कही जा रहीं थीं. इससे शेयर मार्केट में थोड़ी घबराहट थी. मुख्यतः इसी कारण पिछले सप्ताह निफ्टी में 427 अंकों की गिरावट रही. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकद संभाग में 7754 करोड़ रुपये की बड़ी बिकवाली की. गुरुवार को तो उन्होंने नगद, स्टॉक फ्यूचर तथा इंडेक्स फ्यूचर में कुल मिला कर 19417 करोड़ रुपए की बिक्री की.

सामान्य भारतीय निवेशक भी चुनाव परिणाम आने की ले कर थोड़ी प्रतीक्षा में मनोभाव में दिखे. अब अनिश्चितता लगभग समाप्त होने को है. ऐसे में एफआईआई तथा भारतीय निवेशक, दोनों के द्वारा बहुत बड़ी तथा आक्रामक खरीद आने की पूरी संभावना है. सोमवार को यदि भारतीय शेयर मार्केट ऊपर खुल और भी चढ़ दिन के उच्चतम स्तरों के निकट बंद होते है, फिर मंगलवार को चुनाव परिणाम एक्जिट पोल के अनुसार आते हैं ,मोदी के पक्ष में अनुमानों से भी अच्छे आते हैं तो फिर मंगलवार को तेजी का बड़ा विस्तार हो सकता है. यह एक दीर्घकालीन बड़ी तेजी की यात्रा का आधार बनेगा तथा आने वाले कई वर्षों में भारतीय शेयर मार्केट में अद्भुत तेजी देखने को मिलेगी. घरेलू संस्थागत निवेशक तो लगता है मोदी सरकार की वापसी को ले कर पूर्णतया निश्चित थे. पिछले सप्ताह नकद संभाग में उन्होंने 11765 करोड़ रुपए का बड़ा क्रय किया जो एफआईआई की बिकवाली से 4009 करोड़ रुपए अधिक था, 50 प्रतिशत अधिक था. यह डीआईआई के पास अच्छे धन की उपलब्धता को, एफआईआई के विक्रय के प्रतिकार की क्षमता, आत्मविश्वास को भी दर्शाता है. डीआईआई का शक्तिशाली होना बहुत अच्छा संकेत है. पिछले सप्ताह के सभी पांचों व्यायारिक सत्रों में डीआईआई क्रय करने की मुद्रा में रहे. किसी दिन एफआईआई ने बड़ी बिकवाली की तो डीआईआई ने भी उस दिन बड़ी खरीद की.

यह एक आक्रामक प्रत्युतर था. पिछले सप्ताह में अमेरिका में डॉलर इंडेक्स तथा यूएस बॉन्ड यील्ड में बढ़त आ गई तथा इस कारण भी वहां के शेयर मार्केट में गिरावट रही. साप्ताहिक आधार पर डाउ में 383 अंकों की दुर्बलता आई. यद्यपि सप्ताहांत में शुक्रवार को डाउ में 575 अंकों की तेजी रही. अतः डाउ में दुर्बलता का भी आंशिक प्रभाव भारतीय शेयर मार्केट पर पढ़ रहा था. क्रूड ऑयल में दुर्बलता बनी हुई है. उछाल पर टिक नहीं पा रहा, युद्ध की स्थितियों में भी नहीं. इससे लगता है कि क्रूड में और भी अधिक गिरावट आ सकती है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा रहेगा. पिछले सप्ताह क्रूड 81.37 डॉलर प्रति बैरल रहा. इंडिया विक्स अभी बढ़ा हुआ है, 24.60 है. लोकसभा चुनाव परिणाम जैसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम को ले कर यह स्वाभाविक भी है. एक बार जब अनिश्चितता समाप्त हो जायेगी तब ये भी नीचे आ जायेगा. मई माह में जीएसटी कर संग्रह 1.73 लाख करोड़ रुपए रहा जो अप्रैल में 2.10 लाख करोड़ रुपए था. पिछले वित्त वर्ष में विनिर्माण तथा निर्माण, दोनों क्षेत्रों में 9.9 प्रतिशत की प्रभावी वृद्धि रही. इन दोनों क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि अर्थव्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाती है. यह क्रम मोदी सरकार की वापसी से बने रहने की पूरी संभावना है.

भारत में अगले एक वर्ष में कार कम्पनियों की एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने की योजना है. इससे अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक भाव का सहज अनुमान लगाया जा सकता है. पिछले वित्त वर्ष में भारत में कंपनियों का लाभ 25 प्रतिशत बढ़ा. उससे मार्केट की पीई 25 प्रतिशत कम होती है, मार्केट का मूल्यांकन आकर्षक होता है. यह शेयर मार्केट में बढ़त को भी न्यायोचित बनाता है. आधारभूत क्षेत्र के म्यूचुअल फंड ने 5 वर्षों में 380 प्रतिशत तक का प्रतिफल दिया है. इस प्रकार का प्रदर्शन अधिक संख्या में निवेशकों को एमएफ की ओर आकर्षित करेगा जो परोक्ष रूप से शेयर मार्केट के लिए भी सहायक सिद्ध होगा. विश्व के प्रमुख वित्तीय संस्थान एसएंडपी ने अच्छे अर्थव्यवस्था प्रबंधन के कारण भारत की साख को स्थिर से बढ़ाकर सकारात्मक कर दिया है. इससे भी अधिक विदेशी निवेश आयेगा. भारत में मध्य वर्ग की जनसंख्या 31 प्रतिशत हो गई है. यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है जो चुनावी राजनीति को भी आनेवाले वर्षों में सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा. इससे अर्थव्यवस्था पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा. मोदी 3.0 भारत के सर्वांगीण विकास का शंखनाद होगा. निवेश कीजिए, इसके सहभागी बनिए. जिन क्षेत्रों ने मोदी सरकार का विशेष ध्यान हैं, रक्षा, रेल, सरकारी बैंक इत्यादि उनके शेयरों में निवेश कीजिए. जो शेयर उचित मूल्यांकन में मिल रहें, उन्हें जमा करें.

ब्रीफ खबरें

भारत ने भेजी क्यूबा को मानवीय सहायता

नयी दिल्ली। भारत ने रविवार को क्यूबा को मानवीय सहायता के तहत 90 टन दवाएं बनाने में इस्तेमाल सामग्री भेजी. क्यूबा आवश्यक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों और दवाओं की कमी से जूझ रहा है. विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, भारत सरकार क्यूबा गणराज्य की सरकार को मानवीय सहायता प्रदान कर रही है. भारत में निर्मित नौ सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) की लगभग 90 टन की एक खेप दो जून को मुंद्रा बंदरगाह से रवाना हुई.

बम की धमकी, आपात स्थिति में उतारा विमान

मुंबई। पेरिस से 306 यात्रियों को लेकर मुंबई आ रही विस्तारा की एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिती में उतारा गया. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्र के अनुसार पूर्वाह्न 10:08 बजे पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया और विमान 10:19 बजे हवाई अड्डे पर उतरा. सूत्र ने बताया, पेरिस से मुंबई आने वाली इस उड़ान में 294 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे.

कटरा में तंबाकू सेवन पर लगा प्रतिबंध

जम्मू। जम्मू प्रशासन ने कटरा में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री, उन्हें रखने तथा उनके सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. कटरा में माता वैष्णो देवी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है. रियासी के जिलाधिकारी विशेष महाजन ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य उस धार्मिक स्थान की पवित्रता बनाए रखना है, जहां हर साल लाखों तीर्थयात्री आते हैं. प्रशासन ने कटरा और आसपास के इलाकों में मांस और शराब की बिक्री करने, उन्हें रखने और उनका सेवन करने पर पहले ही प्रतिबंध लगा रखा है.

भवानी रेवन्ना की तलाश कर रही है एसआईटी

बेंगलुरु। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक महिला के अपहरण के मामले में जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना की तलाश में पिछले 24 घंटे में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली. सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी. वह हासन जिले के होलेनरसीपुरा में अपने आवास पर मौजूद नहीं थीं, जिसके बाद उनकी तलाश की जा रही है. एसआईटी ने भवानी को एक नोटिस जारी कर एक जून को अपने घर में मौजूद रहने को कहा था क्योंकि उनसे उनके बेटे के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में पूछताछ करने की आवश्यकता है.

पिट्सबर्ग के बार में गोलीबारी, दो की मौत

पेन हिल्स (अमेरिका)। उपनगरीय पिट्सबर्ग के एक बार में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हुए हैं. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. एलेगनी काउंटी पुलिस ने कहा कि उसने पेन हिल्स के बॉलर्स हुक्का लॉंज और सिगार बार में सुबह के वक्त हुई गोलीबारी के मामले में कार्रवाई की है. पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि रविवार तड़के तीन बजे के आसपास बचावकर्मियों को बार के अंदर एक पुरुष और एक महिला के शव मिले.

अरुणाचल प्रदेश में भाजपा और सिक्किम में एसकेएम कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

अरुणाचल में तीसरी बार भाजपा सिक्किम में एसकेएम फिर सत्ता में

एजेंसी ।ईटानगर/गंगटोक

भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करते हुए रविवार को 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट जीतकर बहुमत हासिल कर लिया. वहीं सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) 32 सदस्यीय विधानसभा में 31 सीट पर जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सिक्किम में अपनी सत्ता बरकरार रखी. अरुणाचल प्रदेश में 60 में से 50 विधानसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के साथ मतदान हुआ था. भाजपा ने 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली थीं. नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को पांच सीट मिलीं, जबकि पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने दो और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने तीन सीट पर जीत दर्ज की. कांग्रेस ने एक सीट जीती और तीन सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं. सिक्किम में वर्ष 2019 तक लगातार 25 साल राज्य पर शासन करने वाला सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) महज एक सीट जीत पाया है.

भाजपा ने 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली थी

सिक्किम में चुनाव नतीजे की घोषणा के बाद एसकेएम नेता प्रेम सिंह तमांग.

अरुणाचल प्रदेश में जीत की खुशी मनाते पेमा खांडू.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की कई बैठकों की अध्यक्षता

आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पीएम का जोर

भाषा। नयी दिल्ली

देश में आग लगने की विभिन्न घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भीषण गर्मी और लू के कारण पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की और अस्पतालों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा को दुरुस्त करने की जरूरत पर बल दिया. लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान संपन्न होने के अगले ही दिन प्रधानमंत्री ने कई बैठकों की अध्यक्षता की. उन्होंने पूर्वोत्तर के राज्यों में चक्रवात रेमल के कारण पैदा हुई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और अगली सरकार के 100 दिन के कार्यक्रम के एजेंडे की समीक्षा के लिए एक लंबे मंथन सत्र में भी भाग लिया.

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, देश के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आग की घटनाओं को रोकने और उससे निपटने के लिए नियमित आधार पर उचित अभ्यास किए जाने चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में 'फायर लाइन' के रखरखाव और बायोमास के उपयोग के लिए नियमित अभ्यास की योजना बनाई जानी चाहिए. बयान में कहा गया है कि इस साल मानसून देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य और सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से नीचे रहने की संभावना है.

चक्रवात के बाद की स्थिति की समीक्षा की

एक अन्य आधिकारिक बयान में कहा गया कि चक्रवात रेमल के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए हुई बैठक में मोदी को मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ के कारण जानमाल के नुकसान सहित विभिन्न राज्यों में इसके प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई. प्रधानमंत्री को बताया गया कि कैसे राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने लोगों को बचाने, हवाई मार्ग से उन्हें निकालने और सड़क साफ करने का काम चलाया. बयान में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय राज्य सरकारों के साथ नियमित संपर्क में है. बयान के अनुसार, मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार चक्रवात से प्रभावित राज्यों को पूर्ण समर्थन देना जारी रखेगी. प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में शीर्ष नौकरशाहों ने इन बैठकों में हिस्सा लिया. प्रधानमंत्री विश्व पर्यावरण दिवस बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारियों की समीक्षा के लिए भी एक बैठक में शामिल होने वाले हैं. विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून को मनाया जाता है. लोकसभा चुनाव शुरू होने से बहुत पहले मोदी ने नयी सरकार के लिए 100 दिन का एजेंडा तैयार करने के वास्ते विभिन्न सरकारी मंत्रालयों को काम सौंपा था. उन्होंने अपनी मंत्रिपरिषद से पहले 100 दिनों के लिए कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने के लिए कहा है.

'अरुणाचल में विकास की राजनीति को मिला स्पष्ट जनादेश'

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत को विकास की राजनीति को मिला स्पष्ट जनादेश करार दिया और कहा कि राज्य के विकास के लिए उनकी पार्टी और भी अधिक उत्साह के साथ काम करती रहेगी. अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने सत्ता में वापसी की है. पार्टी ने 60-सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट जीतकर शानदार प्रदर्शन किया. मोदी ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अरुणाचल प्रदेश! इस अद्भुत राज्य के लोगों ने विकास की राजनीति को स्पष्ट जनादेश दिया है. राज्य में भाजपा के प्रति फिर से अपना विश्वास जताने के लिए उनका आभार. हमारी पार्टी राज्य के विकास के लिए और भी अधिक उत्साह के साथ काम करती रहेगी.

प्रधानमंत्री ने चुनाव में ''असाधारण'' मेहनत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की जमकर सराहना की. उन्होंने कहा, यह सराहनीय है कि वे राज्य भर में कैसे लोगों के बीच गए और उनसे जुड़े.प्रधानमंत्री ने सिक्किम विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को बधाई दी. सिक्किम विधानसभा चुनाव में एसकेएम ने 32 में से 31 सीट जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की है. सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) को महज एक ही सीट मिल सकी. प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आने वाले समय में सिक्किम की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के साथ काम करने की आशा करता हूं. मोदी ने विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की.

असम में गुवाहाटी के निकट आईआईएम स्थापित करने को केंद्र की मिली मंजूरी

भाषा। गुवाहाटी

केंद्र ने असम में गुवाहाटी के पास एक भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) स्थापित करने की मंजूरी दे दी है. प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी. इसके साथ ही गुवाहाटी देश के उन कुछ शहरों में शामिल हो जाएगा, जहां शीर्ष शैक्षणिक संस्थान हैं. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले 18 महीनों से केंद्र के साथ इस मामले को आगे बढ़ा रही थी, और नया संस्थान राज्य में उच्च शिक्षा के

लिए क्रांतिकारी कदम होगा. शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एक बड़ी खबर साझा कर रहा हूं! 2023 में हमारे अनुरोध के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी के पास एक भारतीय प्रबंध संस्थान को मंजूरी देकर असम के लोगों को एक विशेष उपहार दिया है. इससे यह उन कुछ शहरों में शामिल हो गया है, जहां आईआईटी, एम्स, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और अब आईआईएम है.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उनके मंत्रालय के समक्ष अपना मामला पेश किया था, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को भी पत्र लिखा था. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने नए संस्थान के लिए भूमि और रसद सहायता की पेशकश की है, जिसका मार्गदर्शन आईआईएम-अहमदाबाद करेगा.

नियंत्रण रेखा के पार 'लॉन्च पैड' हैं सक्रिय

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि रंजन स्वैन के अनुसार नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार स्थित 'लॉन्च पैड' पर सक्रिय लगभग 60 से 70 आतंकवादी भारत में घुसपैठ की फिराक में हैं. इसके साथ ही स्वैन ने कहा कि घटती क्षमता के बावजूद पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में लोगों और सामग्री को भेजने से बाज नहीं आ रहा है. सीमावर्ती इलाकों में मौजूदा सुरक्षा हालात के समग्र आकलन से अवगत कराने के साथ ड्रोन के जरिये हथियार समेत अन्य सामग्री गिराए जाने की चुनौतियों का जिक्र करते हुए स्वैन ने कहा कि भारतीय सुरक्षाकर्मियों की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण दुश्मन का सफल होना बहुत मुश्किल है. जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआईडी का दोहरा कार्यभार संभाल रहे स्वैन ने कहा, हमारे सुरक्षा साझेदारों के साथ बैठकों में हम आम तौर पर इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि यह एक तथ्य है कि प्रतिद्वंद्वी या दुश्मन ने लोगों और सामग्री को भेजने पर रोक नहीं लगाई है. उन्होंने क्षेत्र में पश्चिमी पड़ोसी देश से आए विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी का भी जिक्र किया. ड्रोन गिराए जाने के मुद्दे पर स्वैन ने कहा कि ये गतिविधियां एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करती हैं क्योंकि ये हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, नकदी और मादक पदार्थों की तस्करी को सुगम बनाती हैं.

- घुसपैठ की फिराक में 70 आतंकवादी : डीजीपी

चीनी अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरा

बीजिंग। चीन का एक अंतरिक्ष यान मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्रित करने के लिए अपनी तरह के पहले प्रयास के तहत रविवार को चंद्रमा के एक सुदूर हिस्से में उतरा. ये नमूने चंद्रमा के कम खोजे गए क्षेत्र और अच्छी तरह ज्ञात इसके निकटतम भाग के बीच अंतर के बारे में जानकारियां उपलब्ध करा सकते हैं. चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है, जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है. चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, चांग'ए-6 मानव इतिहास में पहली बार दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में बीजिंग के स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 23 मिनट पर उतरा. चांग'ए-6 में एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक है. इस मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है. सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि सबसे जटिल प्रयास में से एक चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए बाधाओं का पता लगाने के लिए एक स्वायत्त दृश्य बाधा निवारण प्रणाली का इस्तेमाल किया गया. एक लाइट कैमरा ने चंद्रमा की सतह पर उजाले और अंधेरे के आधार पर अपेक्षाकृत सुरक्षित उतरने के लिए एक स्थान का चयन किया. चांग'ए-6 मिशन को चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्रित करके लौटने का जिम्मा दिया गया है जो अपने आप में पहला प्रयास है.

- मिट्टी-चट्टान के नमूने लेगा

छत्तीसगढ़ में आठ नक्सलियों ने किया सरेंडर

भाषा। सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को आठ नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से चार के सिर पर कुल पांच लाख रुपये का इनाम था. पुलिस ने यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया. उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने आदिवासियों पर माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों और अमानवीय तथा खोखली माओवादी विचारधारा के प्रति निराशा व्यक्त की.

अधिकारी ने बताया कि वे राज्य सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति और सुकमा पुलिस के पुनर्वास अभियान 'पूना नर्कोम' (नई सुबह, नई शुरुआत) से भी प्रभावित हुए थे. उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले आठ नक्सलियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर सड़कें काटने, माओवादी पर्चे और पोस्टर लगाने एवं सुरक्षाकर्मियों की जानकारी प्राप्त करने और माओवादियों के लिए अवैध उगाही करने का काम सौंपा गया था. आत्मसमर्पण करने वालों में से महिला नक्सली वेट्टी मासे (42) पर दो लाख रुपये का इनाम था. उन्होंने बताया कि तीन अन्य नक्सलियों सागर उर्फ देवा मडकम (31), पोडियाम नांदे (30) और सोढ़ी तुलसी (32) पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था.

बीजापुर में आईईडी विस्फोट, एक घायल

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को कथित तौर पर नक्सलियों द्वारा किये गये आईईडी विस्फोट में 22 वर्षीय एक युवक घायल हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. नक्सलियों ने दाबयुक्त इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को पहले से ही लगा रखा था. एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब पीड़ित (छुटवाई गांव निवासी माडवी नंदा) अपने ट्रैक्टर से तर्रेम की ओर जा रहा था.

बंगाल में चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में चुनाव के बाद हुई हिंसा में कुछ लोगों ने एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी. भाजपा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर पार्टी कार्यकर्ता की हत्या का आरोप लगाया है. हालांकि, तृणमूल ने दावा किया है कि यह हत्या पारिवारिक कलह का नतीजा है. घटना जिले के उत्तरी हिस्से के कालीगंज में उस समय हुई जब भाजपा कार्यकर्ता हफीजुर शेख शनिवार रात अन्य लोगों के साथ कैरम खेल रहे थे. आरोप है कि 10-12 लोग मोटरसाइकिल पर आए और शेख की गोली मारकर हत्या कर दी. स्थानीय लोगों ने दो घंटे से अधिक समय तक प्रदर्शन किया और पुलिस को शव उठाने नहीं दिया.

ट्रेन के मालगाड़ी से टकरा जाने से दो 'लोको पायलट' हुए घायल

संवाददाता ।फतेहगढ़

पंजाब के सरहिंद रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक खड़ी मालगाड़ी से एक अन्य मालगाड़ी के टकरा जाने से दो लोको पायलट (ट्रेन चालक) घायल हो गए. राजकीय रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि टक्कर के कारण उनमें से एक का इंजन दूसरी पटरी पर चला गया और एक यात्री ट्रेन से टकरा गया. उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में लोको पायलट विकास कुमार और हिमांशु कुमार घायल हो गए.

दुर्घटना में क्षतिग्रस्त ट्रेन की बोगियां.

महमूद अहमदीनेजाद ने नामांकन दाखिल किया

दुबई। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रविवार को नामांकन दाखिल किया. देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु के बाद वहां राष्ट्रपति चुनाव कराए जा रहे हैं. अहमदीनेजाद के नामांकन से सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई दबाव में आएंगे. अहमदीनेजाद ने 85-वर्षीय सर्वोच्च नेता को खुली चुनौती दी थी और 2021 के राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने की उनकी कोशिशों को अधिकारियों ने विफल कर दिया था. उन्होंने ऐसे वक्त में अपना नामांकन दाखिल किया है, जब ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम, रूस को हथियार देने और असंतुष्टों पर कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ रहा है.

चर्चा में हाल ही में अपनी फिल्म 'पटना शुक्ला' को लेकर लाइमलाइट में आयी थीं एक्ट्रेस

रवीना टंडन पर बुजुर्ग महिला से मारपीट का आरोप

एजेंसी। मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन हाल ही में अपनी फिल्म 'पटना शुक्ला' को लेकर लाइमलाइट में आयी थीं. एक बार फिर एक्ट्रेस चर्चा में बनी हुई हैं. हालांकि इस बार वो अपनी फिल्म को लेकर नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ में नेगेटिव कारणों को लेकर चर्चा में है. रवीना टंडन और उनके ड्राइवर पर एक बुजुर्ग महिला समेत तीन महिलाओं के साथ मारपीट का आरोप लगा है. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का एक वीडियो वायरल हो रहा है. यह वीडियो मोहम्मद शेख नाम के शख्स ने डाला है.

शेख का आरोप है कि रिजवी लॉ कॉलेज के पास नशे की हालत में

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर हुआ वायरल.

रवीना टंडन और उनके ड्राइवर ने बुजुर्ग महिला पर हमला किया है.

मोहम्मद शेख का आरोप-4 घंटे से पुलिस स्टेशन में खड़े, लेकिन केस नहीं ले रही पुलिस : वायरल वीडियो में मोहम्मद कह रहे हैं कि मेरी मां, बहन और भांजी रिश्ते के लिए गये थे कहीं पर. वापसी में रवीना टंडन के घर के पास से लौट रहे थे.

रवीना टंडन के ड्राइवर ने मेरी मां के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी. आगे कहा कि जब उन्होंने उनसे सवाल किया तो वह गाड़ी से बाहर निकले और उनकी भांजी को असॉल्ट किया और बहुत मारा, उनकी मां को भी मारा. जब रवीना टंडन गाड़ी से बाहर निकलीं तो वह नशे की हालत में थीं और उन्होंने उनकी मां को मारा, उनकी मां का पूरा सिर फट गया. उनकी भांजी को मारा. उसका भी सिर फट गया है. कहा कि 4 घंटे से वो पुलिस स्टेशन में खड़े हैं. लेकिन कोई उनका केस लेने को तैयार नहीं है.

भीड़ झूठे आरोपों के आधार पर रवीना टंडन के साथ मॉब लिंचिंग की कोशिश कर रही थी

रवीना टंडन की सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को कुछ लोग झूठ बता रहे हैं. सुनन्दना रॉय का कहना है कि मुस्लिम भीड़ ने झूठे आरोपों के आधार पर रवीना टंडन और उनके ड्राइवर के साथ मॉब लिंचिंग करने की कोशिश की. बुर्का पहनी एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे और उसकी मां को रवीना टंडन की कार ने टक्कर मारी. लेकिन सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कोई लापरवाही नहीं बरती गयी या उसकी कार से कोई चीज नहीं टकरायी. जिहादियों की गुंडागर्दी बंद होनी चाहिए!

असम : बाढ़ से 10 जिलों में छह लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी। भाषा

असम में बाढ़ की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और 10 जिलों में छह लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे कई क्षेत्रों में प्रभावित हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया. कोपिली, बराक और कुशियारा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. बाढ़ के कारण हैलाकांडी होजाई, मोरीगांव, करीमगंज, नागांव, कछार, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग पश्चिम और दीमा हसाओ जिलों में कुल 6,01,642 लोग प्रभावित हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि 28 मई से अब तक बाढ़ और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है.

नागांव में 2.79 लाख से अधिक लोग प्रभावित

नागांव सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां 2.79 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए, जबकि होजाई में 1,26,813 और कछार में 1,12,265 लोग प्रभावित हुए हैं. राज्य में 40, 000 से अधिक लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा बचाव और राहत अभियान चलाया जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में सड़क और रेल संपर्क बाधित हो गया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)